@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 14 मई 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 183 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सेवानिवृत्ति के बाद कोई आधिकारिक पद नहीं लूंगा: सीजेआई संजीव खन्ना

सी.चन्द्रा

नई दिल्ली, 13 मई। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने मंगलवार को कहा कि वह रिटायर के बाद कोई आधिकारिक पद नहीं लेंगे, लेकिन कानून के क्षेत्र में अपनी पारी जारी रखेंगे। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना को 11 नवंबर, 2024 को सीजेआई नियुक्त किया गया था और वह मंगलवार को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सीजेआई ने पीठ की औपचारिक कार्यवाही समाप्त होने के बाद शीर्ष अदालत परिसर में पत्रकारों से मुलाकात की और कहा, मैं सेवानिवृत्ति के बाद कोई पद स्वीकार नहीं करूंगा... शायद कानून के क्षेत्र में कुछ करूंगा। शीर्ष अदालत के कई पूर्व न्यायाधीश सेवानिवृत्त होने के बाद मध्यस्थता के क्षेत्र में अपनी पारी शुरू करते हैं। सीजेआई ने कहा, मैं तीसरी पारी खेलूंगा और कानून से संबंधित कुछ करूंगा। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से जुड़े नकदी विवाद से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, न्यायिक सोच निर्णायक और निर्णयात्मक होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, हम सकारात्मक और नकारात्मक बिंदुओं को देखते हैं और मुद्दे पर निर्णय लेते हैं, फिर तर्कसंगत रूप से हम विभिन्न कारकों पर विचार करते हैं जो हमें सही निर्णय लेने में मदद करते हैं। अगले सीजेआई के तौर पर मनोनीत न्यायमूर्ति बी आर गवई ने भी सेवानिवृत्ति के बाद किसी पद को अस्वीकार करने के संकेत दिये हैं।

निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम तबाही और महाविनाश: पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 13 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जालंधर में आदमपुर एयरबेस का दौरा किया। यहां उन्होंने सेना के जवानों और वायु योद्धाओं का हौसला बढ़ाया। पीएम मोदी ने यहां सिर्फ जवानों के साथ तस्वीरें ही नहीं खिंचवाईं, बल्कि इससे पाकिस्तान झूठ को दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया। उन्होंने जवानों से बात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत माता की जय यह सिर्फ उद्घोष नहीं है, यह देश के हर उस सैनिक की शपथ है, जो मां भारती की मान मर्यादा के लिए जान की बाजी लगा देता है। यह देश के हर उस नागरिक की आवाज है जो देश के लिए जीना चाहता है। यह मैदान में भी गूंजती है और मिशन में भी। पीएम मोदी ने कहा कि जब भारत के सैनिक मां भारत की जय बोलते हैं तो दुश्मन के कलेजे कांप जाते हैं। जब हमारी मिसाइलें सनसनाती हुईं निशाने पर पहुंचती हैं, तब दुश्मनों को सुनाई देता है- भारत माता की जय। जब रात के अंधेरे में भी हम सूरज उगा देते हैं तो दुश्मन को दिखाई देता है- भारत माता की जय। जब हमारी फौज परमाणु बम की धमकी हवा निकाल देती है तो आकाश से पाताल तक एक ही आवाज गूंजती है भारत माता की जयकार। आप सभी ने कोटि-कोटि भारतीयों का सीना चौड़ा कर दिया। हर भारतीय का माथा ऊंचा कर दिया। आपने इतिहास रच दिया। मैं आपके दर्शन करने आया हूं। उन्होंने कहा कि जब वीरों के पैर जमीन पर पड़ते हैं तो धरती धन्य हो जाती है। आज से अनेक दशक बाद भी जब भारत के पराक्रम की चर्चा होगी तो उसके सबसे प्रमुख अध्याय आप और आपके साथी होंगे। आप सभी वर्तमान के साथ ही देश की आने वाली पीढ़ियों के लिए भी नई प्रेरणा बन गए हैं। मैं वीरों की इस धरती से वायुसेना, थलसेना, नौसेना के सभी जांबाजों और देश के शूरवीरों को सैल्यूट करता हूं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की गूंज सुनाई दे रही है। हर भारतीय की प्रार्थना आपके साथ है। हर देशवासी अपने सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञ है। ऑपरेशन सिंदूर सामान्य सैन्य अभियान नहीं, यह भारत की नीति, नीयत और निर्णायक क्षमता की त्रिवेणी है। भारत गौतम बुद्ध की धरती है और गुरु गोविंद सिंह की भी धरती है। अधर्म के खिलाफ धर्म की स्थापना के शस्त्र उठाना हमारी परंपरा है। जब हमारी बहनों, बेटियों का सिंदूर छीना गया तो आतंक के फण को उसके घर में घुसकर कुचल दिया गया। पीएम मोदी ने कहा कि वो कायरना की तरह छिपते रहे, वो भूल गए कि उन्होंने जिसे ललकारा है, वह हिंद की सेना है। आपने उन्हें सामने से हमला करके मारा। आपने आतंक के तमाम बड़े अड्डों को मिट्टी में मिला दिया। नौ आतंकी ठिकाने बर्बाद कर दिए। सौ से ज्यादा आतंकियों की मौत हुई। आतंक के आकाओं को अब समझ आ गया है कि भारत की ओर नजर उठाने का एक ही अंजाम होगा- तबाही। भारत में निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा- विनाश और महाविनाश। पीएम मोदी ने कहा कि जिस पाकिस्तानी सेना के भरोसे ये आतंकी बैठे थे, भारत की थलेसना, वायुसेना और नौसेना ने उस पाकिस्तानी सेना को भी धूल चटा दी है। आपने पाकिस्तानी फौज को भी बता दिया कि पाकिस्तान में ऐसा कोई ठिकाना नहीं, जहां बैठकर आतंकवादी चैन की सांस ले सकें। हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे। हमारे ड्रोन्स, हमारी मिसाइलों के बारे में सोचकर तो पाकिस्तान को कई दिन तक नींद नहीं आएगी। कौशल दिखलाया चालों में् उड़ गया भयानक भालों में निर्भीक गया वह ढालों में् सरपट दौड़ा करवालों में... यह पंक्तियां महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक पर लिखी गई हैं।

सर्वदलीय बैठक में सरकार से संघर्ष विराम कराने के ट्रंप के दावों पर सवाल उठाएगा विपक्ष: खरगे

संजय अरोड़ा

कलबुर्गी, 13 मई। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को एक बार फिर सर्वदलीय बैठक की मांग की। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से किए गए दावे पर विपक्ष केंद्र सरकार से जवाब मांगेगा। खरगे ने कहा कि ट्रंप तो अपना क्रेडिट लेने के लिए कुछ भी कह रहे हैं। वहीं हमारी सरकार कह रही है कि ऐसा कुछ नहीं हुआ। यह एक संवेदनशील मुद्दा है। इसलिए हम चाहते हैं कि इस पर केंद्र सरकार ऑल पार्टी बैठक बुलाए। बता दें कि बीते 10 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने

भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का दावा किया था। उन्होंने अपने सोशल मीडिया ट्रुथ पर लिखा कि रात में अमेरिका की मध्यस्थता में हुई लंबी बातचीत के बाद मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। मैं दोनों देशों को कॉमनसेंस, समझदारी से भरा फैसला लेने के लिए बधाई देता हूं! इस महत्वपूर्ण विषय पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद! कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जब ऑल पार्टी मीटिंग होगी, तो हम पूछेंगे कि क्या वाकई कोई बातचीत हुई थी? अगर हुई तो उसमें क्या कहा गया? क्या अमेरिका की कोई भूमिका थी या नहीं? साथ ही जब उनसे पूछा गया कि क्या प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप के दबाव में यह फैसला लिया, तो उन्होंने कहा कि इस पर अभी कुछ कहना ठीक नहीं होगा। पहले हमारी पार्टी की बैठक है, उसके बाद हम सरकार से बैठक बुलाने की मांग करेंगे। ध्यान रहे कि मामले में कांग्रेस पहले ही केंद्र सरकार से मांग कर चुकी है कि हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर, और भारत-पाक सीमा पर बढ़े तनाव और संघर्ष विराम जैसे मुद्दों पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए। जहां खरगे ने कहा कि ये सारे मामले राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हुए हैं और विपक्ष को इन पर जानकारी मिलनी चाहिए। हालांकि सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ (सैन्य संचालन महानिदेशक) के बीच सीधे बातचीत हुई और चार दिन की ड्रोन और मिसाइल हमलों की झड़पों के बाद दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से संघर्ष विराम का फैसला किया। साथ ही सरकार ने यह भी साफ किया कि भारत और अमेरिका के शीर्ष नेताओं के बीच हुई बातचीत में व्यापार या किसी तीसरे पक्ष की भूमिका का कोई जिक्र नहीं हुआ।

मोदी सरकार ने गंवा दिया सावरकर के सपने को पूरा करने का मौका: उद्धव ठाकरे

मुंबई, 13 मई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को रोकने को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी ने कहा कि केंद्र ने सैन्य कार्रवाई को रोककर हिंदुत्व विचारक वी.डी.सावरकर के अखंड भारत के सपने को साकार करने का मौका गंवा दिया। पार्टी ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में कहा कि अगर यह सैन्य कार्रवाई चार दिन और जारी रहती तो भारतीय सशस्त्र बल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके), कराची, लाहौर पर कब्जा कर लेती, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खेल बिगाड़ दिया। अखबार ने कहा कि सैन्य कार्रवाई रोकने से पहले भआरत को कम से कम पीओके को वापस लेना चाहिए था और बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग कर देना चाहिए था। सावरकर ने पीओके से रामेश्वरम और सिंध से असम तक फैले अविभाजित भारत का सपना देखा था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने सावरकर के अखंड भारत के सपने को साकार करने का मौका गंवा दिया। संपादकीय में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी को अब सावरकर के नाम पर राजनीति करने का अधिकार नहीं है। पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना सभी अखंड भारत के समर्थक हैं, लेकिन जब सपने को साकार करने का समय आया तो वे पीछे हट गए। भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई। चार दिनों तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद दोनों देश पूर्ण स्तर के युद्ध के कगार पर पहुंच गए थे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद व्यापार पर नहीं हुई कोई बात: रणधीर जायसवाल

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 13 मई। भारत पाकिस्तान संघर्ष विराम को लेकर विदेश मंत्रालय ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान संघर्ष विराम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता को लेकर विदेश मंत्रालय ने कहा कि कश्मीर पर हमें मध्यस्थता मंजूर नहीं है। पाकिस्तान को पीओके खाली करना होगा। उन्होंने ट्रंप के दावे को नकारते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से लेकर 10 मई को गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद करने की सहमति तक, भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच उभरते सैन्य हालात पर बातचीत हुई। इनमें से किसी भी चर्चा में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमारा लंबे समय से राष्ट्रीय रुख रहा है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को भारत और पाकिस्तान को द्विपक्षीय रूप से हल करना होगा। इस नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। लंबित मामला पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना है। उन्होंने कहा कि जैसा कि विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने पहले ही बताया है कि 10 मई को 15:35 बजे दोनों देशों के डीजीएमओ को फोन पर संघर्ष विराम को लेकर वार्ता हुई। इस वार्ता को लेकर विदेश मंत्रालय को 12.37 बजे पाकिस्तान उच्चायोग के जरिये सूचित किया गया। पाकिस्तान की आंतरिक तकनीकी दिक्कतों के चलते हॉटलाइन कनेक्ट होने में देरी हुई। भारत के डीजीएमओ की मौजूदगी के बाद दोपहर 3.35 बजे वार्ता हुई। उन्होंने कहा कि 10 मई की सुबह भारतीय सेना ने पाकिस्तान के एयरबेस को तबाह किया गया। इसके बाद पाकिस्तान के सुर बदल गए। पाकिस्तान ने गोलाबारी रोकने और सैन्य कार्रवाई रोकने का फैसला किया। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान को गोलीबारी रोकने पर मजबूर किया। जैसा कि अन्य देशों से हुई वार्ता में भारत ने स्पष्ट संदेश दिया और जनता को भी यही कहा कि भारत ने आतंकी ढांचे को निशाना बनाकर 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमलों का जवाब दिया है। इसके बाद जब पाकिस्तानी सशस्त्र बलों ने फायरिंग की तो भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से लेकर 10 मई को गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद करने की सहमति तक, भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच उभरते सैन्य हालात पर बातचीत हुई। इनमें से किसी भी चर्चा में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा। उन्होंने कहा कि सीसीएस (सुरक्षा पर कैबिनेट समिति) के फैसले के बाद सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया। सिंधु जल संधि सद्भावना और मित्रता की भावना से शुरू हुई थी, जैसा कि संधि की प्रस्तावना में निर्दिष्ट है।

चुनाव आयोग ने तीन महीने में सुलझाया डुप्लीकेट वोटर कार्ड का मुद्दा

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 13 मई। चुनाव आयोग ने अपने वादे के मुताबिक तीन महीने में डुप्लीकेट वोटर आईडी कार्ड का मुद्दा सुलझा लिया है। आयोग ने सत्यापन करने के बाद मतदाताओं को नए नंबर के साथ नए मतदाता पहचान पत्र जारी किए हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि एक जैसे मतदाता फोटो पहचान पत्र या ईपीआईसी नंबरों की संख्या काफी कम थी। यह औसतन चार मतदान केंद्रों में से एक के बराबर थी। क्षेत्र स्तरीय सत्यापन के दौरान पाया गया कि समान ईपीआईसी संख्या वाले लोग अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों और अलग-अलग मतदान केंद्रों के वास्तविक मतदाता थे। उन्होंने कहा कि हर मतदाता का नाम उस मतदान केंद्र की मतदाता सूची में होता है, जहां का वह सामान्य निवासी है। समान संख्या वाला ईपीआईसी होने से कोई भी व्यक्ति किसी अन्य मतदान केंद्र पर मतदान नहीं कर सकता। इसलिए एक जैसे ईपीआईसी नंबर जारी होने का किसी भी चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ सकता। यह भी बताया गया कि डुप्लीकेट वोटर आईडी कार्ड और एक जैसे ईपीआईसी नंबर का मुद्दा काफी समय से लंबित था। इस मुद्दे को सुलझाने के लिए सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों और भारत भर के सभी 4,123 विधानसभा क्षेत्रों के सभी 10.50 लाख मतदान केंद्रों के निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों ने 99 करोड़ से अधिक मतदाताओं के संपूर्ण चुनावी डाटाबेस की खोज की। बताया गया कि जब 2005 में विभिन्न राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार अलग-अलग वोटर कार्ड जारी करने के दौरान अल्फान्यूमेरिक श्रृंखला का उपयोग कर रहे थे। 2008 में निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बाद इन श्रृंखलाओं को फिर से बदलना पड़ा। इस दौरान कुछ विधानसभाओं ने गलती से या तो पुरानी श्रृंखला का इस्तेमाल जारी रखा या टाइपोग्राफिक त्रुटियों के कारण उन्होंने कुछ अन्य निर्वाचन क्षेत्रों को आवंटित श्रृंखला का इस्तेमाल किया। इस मुद्दे को लेकर वरिष्ठ टीएमसी नेता ने कहा कि हम तभी प्रतिक्रिया देंगे जब चुनाव आयोग रिकॉर्ड पर बोलेगा, न कि सूत्रों के माध्यम से। मार्च में पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस ने कई राज्यों में डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र नंबरों का मुद्दा उठाया और चुनाव आयोग पर कवर-अप का आरोप भी लगाया था। टीएमसी ने एक ही मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर के बारे में अपनी शिकायतें दर्ज कराई थीं। इसके बाद चुनाव आयोग (ईसी) ने कहा था कि वह दशकों पुरानी डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबरों की समस्या को अगले तीन महीने में हल कर लेगा। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि भारत के चुनावी रजिस्टर दुनिया का सबसे बड़ा मतदाता डेटाबेस है,

सुप्रीम कोर्ट ने खत्म की वकीलों की अंक-आधारित मूल्यांकन प्रणाली

नई दिल्ली, 13 मई। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को वकीलों को वरिष्ठ वकील का दर्जा देने के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं और अब तक चली आ रही अंक-आधारित मूल्यांकन प्रणाली को खत्म कर दिया है। जस्टिस अभय एस. ओका, उज्जल भुयां और एस.वी.एन. भट्टी की बेंच ने कहा कि पिछले साढ़े सात वर्षों का अनुभव यह दिखाता है कि अंकों के आधार पर वकीलों की योग्यता और अनुभव का मूल्यांकन तर्कसंगत और वस्तुनिष्ठ तरीके से करना संभव नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा, वकीलों द्वारा आवेदन देने की प्रक्रिया जारी रहेगी और अगर कोई योग्य उम्मीदवार हो, तो बिना आवेदन के भी उसे वरिष्ठ दर्जा दिया जा सकता है। किसी जज को व्यक्तिगत रूप से किसी का नाम प्रस्तावित करने का अधिकार नहीं होगा। कोर्ट ने कहा कि हर साल कम से कम एक बार यह प्रक्रिया होनी चाहिए। जब तक सभी हाई कोर्ट अपने नियम नहीं बदलते, नई प्रक्रिया लागू नहीं की जाएगी और नए आवेदन नहीं लिए जाएंगे। 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह की याचिका पर फैसला देते हुए एक स्थायी समिति बनाने और अंक प्रणाली के तहत मूल्यांकन के दिशानिर्देश तय किए थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में पंचकूला में निकाली गई तिरंगा यात्रा

नरेश मल्होत्रा

चंडीगढ़, 13 मई। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर देशवासियों को बधाई दी और इसे राष्ट्र की गरिमा, शौर्य और आत्मसम्मान का प्रतीक बताते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता ने भारत के राष्ट्रीय संकल्प, सैनिकों की वीरता और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की दृढ़ता को विश्व पटल पर स्थापित किया है। यह पूरे देश के लिए गौरव, आत्मसम्मान और वीरता का उत्सव है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज पंचकूला में तिरंगा यात्रा - एक यात्रा देशभक्ति के नाम के आरंभ से पहले यवनिका टाउन पार्क में उपस्थिजन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री की अगुवाई में सेक्टर - 5 स्थित यवनिका टाउन पार्क से भारत माता की जय, वंदे मातरम जैसे नारों के साथ यात्रा आरंभ हुई और मेजर संदीप शांकला मेमोरियल पर जाकर सम्पन्न हुई। इस यात्रा में बच्चों, महिलाओं सहित हजारों लोगों ने भागीदारी की और देश के वीर सैनिकों को नमन किया। मेजर संदीप शांकला मेमोरियल पर मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रीगणों ने माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और जवानों की वीरता व साहस को नमन किया। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारे सैनिकों ने राष्ट्र को जख्म देने वालों को क?ा सबक सिखाया है। उन्होंने भारत माता की आन-बान और सम्मान के प्रतीक राष्ट्र ध्वज तिरंगे को झुकने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा भारत माता के गौरव का उत्सव है। यह राष्ट्र के आत्मसम्मान और शौर्य का उत्सव है। यह हमारी राष्ट्रीय चेतना, एकता और स्वाभिमान की अभिव्यक्ति है। यह उन रणबांकुरों को समर्पित है, जिन्होंने दुश्मन को उसकी भाषा में जवाब दिया। यह हमें हर क्षण देशभक्ति की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे बहादुर सैनिकों ने जिस साहस, निष्ठा और अनुशासन के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, वह केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय गरिमा का प्रतीक बन गया है। प्रधानमंत्री का यह स्पष्ट संदेश पूरी दुनिया ने सुना कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएगा। यही नए भारत का आत्मविश्वास है और विकसित भारत की पहचान है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह ऑपरेशन भारत की सैन्य रणनीति, प्रधानमंत्री के नेतृत्व की कुशलता और सैनिकों के शौर्य का अद्वितीय उदाहरण है। इसमें आतंकवादियों के कई अड्डों को नेस्तनाबूद किया गया। पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की संप्रभुता पर हमला करने की कीमत बहुत ब?ी होती है। जब बात देश की सुरक्षा की आती है, तो भारत कोई समझौता नहीं करता। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने युद्ध की परिभाषा ही बदल दी। उन्होंने कहा कि गैर-सैन्य कार्रवाई में सिंधु जल संधि निलंबित की गई। कलाकार, वीजा, व्यापार सब कुछ बंद किया। पाक नागरिकों की वापसी की, अटारी बॉर्डर सील किया, आतंकी नेटवर्क का भंडाफो? किया और पाकिस्तान को पूरे संसार से अलग-थलग कर दिया। यह युद्ध नहीं था। यह नए भारत का प्रतिशोध था। हमारी सेनाओं ने सिर्फ मिसाइलें नहीं छो?ीं, उन्होंने ऐसा संदेश दिया जो अमेरिका और चीन तक गूंज उठा। यह है नया भारत, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सशक्त भारत। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस दिन ऑपरेशन सिन्दूर शुरू किया गया उस दिन सीता नवमी थी और मंगलवार का दिन भी। नवमी के दिन नौ ठिकानों पर हमला किया। पहलगाम में बहन-बेटियों के सिंदूर उजा? गये थे, इसलिए इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखा गया और सीता नवमी व मंगलवार का दिन ही था जिस दिन यह हमला किया गया। इस ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग सिंदूर को अपना सौभाग्य मानने वाली आर्मी की महिला अधिकारी सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने की। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पहलगाम में महिलाओं को जिंदा छो?कर आतंकवादियों ने कहा था कि मोदी को जाकर बता देना। अब मोदी ने उन्हें बता दिया है कि भारत की अस्मिता पर आंख उठाने वालों का क्या हाल होता है।

रहीम यार खान एयरबेस पर विमान उतारे पाकिस्तान: ओवैसी

नसीरउद्दीन

नई दिल्ली, 13 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे, जहां उन्होंने वायुसेना के लड़ाकों और अधिकारियों से मुलाकात की और उनका हौसला अफजाई भी किया। बता दें कि, प्रधानमंत्री मोदी की आदमपुर यात्रा भारत और पाकिस्तान के बीच कई दिनों तक चले भीषण संघर्ष के बाद हुई। 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पड़ोसी देश में आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच जमकर सैन्य संघर्ष हुआ। भारत और पाकिस्तान ने 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई। वहीं पीएम मोदी के इस दौर के बाद एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करके पाकिस्तानी प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख पर तंज कसा है। अपने एक्स हैंडल पर असदुद्दीन ओवैसी ने लिखा- क्या एस. शरीफ और ए. मुनीर अपने पट्टे पर लिए गए चीनी विमान को रहीम यार खान एयरबेस पर उतार पाएंगे? आदमपुर एयरबेस पहुंचने के बाद सिर्फ वायु योद्धाओं का हौसला ही नहीं बढ़ाया, बल्कि पड़ोसी मुल्क को सख्त संदेश भी दिया। उन्होंने यहां सिर्फ सेना के जवानों से बात ही नहीं की, बल्कि इसके जरिए पड़ोसी मुल्क के प्रोपेगैंडा को भी ध्वस्त कर दिया। इस मौके पर वायुसेना के जवानों के साथ पीएम मोदी की भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे भी लगाए। इस दौरान जो तस्वीरें सामने आई उसमें पीएम मोदी के पीछे एक मिग-29 लड़ाकू विमान और एक एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम साफ दिखाई दे रहा था। इससे ये संदेश साफ था- इसने न केवल पाकिस्तान के इस दावे को खारिज किया कि उसने आदमपुर एयरबेस को नुकसान पहुंचाया और एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को बर्बाद कर दिया।

गाजा संघर्ष के बीच इजराइल की 'आखिरी कोशिश', कैदियों की रिहाई पर वार्ता के लिए टीम जाएगी दोहा

जेरूसलम/दोहा। गाजा में बढ़ते संघर्ष के बीच इजराइल ने एक अहम कदम उठाते हुए कैदियों की रिहाई के लिए दोहा (कतर) में वार्ता को एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेजने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे आखिरी कोशिश करार दिया है, जो संघर्ष के और अधिक विस्तार को रोकने की मंशा के साथ की जा रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी बयान में कहा गया कि नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उनके विशेष मध्यपूर्व दूत स्टीव विटकॉफ़, और इजरायल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी से महत्वपूर्ण मुलाकात की। इस बैठक में कैदियों की रिहाई और संघर्ष की गंभीर होती स्थिति पर गहन चर्चा हुई। इजराइली अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यह वार्ता मंगलवार को दोहा में होगी। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से स्पष्ट किया गया कि, वार्ताएं केवल गोलीबारी के बीच ही होंगी, यानी इजराइल अपने सैन्य अभियानों को रोकने के लिए तैयार नहीं है। यह वार्ता ऐसे समय पर हो रही है, जब गाजा में इजराइली हमले तेज हो गए हैं और मानवीय संकट गहराता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय लगातार दोनों पक्षों से संयम बरतने और शांति वार्ता को प्राथमिकता देने की अपील कर रहा है।

गाजा में नाकाबंदी के कारण 57 बच्चों की भूख से मौतः डब्ल्यूएचओ

गाजा सिटी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया है कि गाज़ा पट्टी में लगभग पांच लाख लोग भयंकर भूखमरी से जूझ रहे हैं और दो मार्च से शुरू हुई इजरायली नाकाबंदी के बाद से अब तक 57 बच्चों की कुपोषण से मौत हो चुकी है। डब्ल्यूएचओ ने बताया कि दो मार्च 2025 से शुरू हुई नाकाबंदी के बाद अब तक कुपोषण से 57 बच्चों की मौत हो चुकी है और यह संख्या वास्तविक आंकड़े से कम हो सकती है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, अगर हालात नहीं बदले तो अगले 11 महीनों में पांच साल से कम उम्र के करीब 71 हजार बच्चे कुपोषण का शिकार हो सकते हैं। गाज़ा की पूरी 21 लाख आबादी लंबे समय से खाद्य संकट का सामना कर रही है, जिसमें करीब पांच लाख लोग कुपोषण, भुखमरी, बीमारी और मौत की स्थिति में हैं। यह दुनिया के सबसे गंभीर भूख संकटों में से एक है, जो इस समय सामने आ रहा है। उल्लेखनीय है कि फिलिस्तीनी आंदोलन हमास द्वारा युद्ध विराम को बढ़ाने की अमेरिकी योजना को अस्वीकार किये जाने के बाद 18 मार्च को, इजरायल ने गाजा पट्टी पर हमले फिर से शुरू कर दिए।

इजरायल और हमास के बीच संघर्ष विराम का कई बार उल्लंघन हुआ हैः अल थानी

दोहा। कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने कहा है कि इजरायल और फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के बीच संघर्ष विराम समझौते को कई उल्लंघनों के कारण पूरी तरह से लागू नहीं किया गया। गौरतलब है कि इजरायल और हमास के बीच तीन-चरणीय संघर्ष विराम समझौता जनवरी 2025 में अमेरिका, मिस्र और कतर की मध्यस्थता के साथ पार्टियों द्वारा किया गया था। हालांकि, मार्च में संघर्ष विराम का पालन नहीं किया गया। श्री अल थानी ने द वाशिंगटन पोस्ट अखबार को बताया, एक मध्यस्थ के रूप में मैं यथासंभव किसी पक्ष की आलोचना न करने की कोशिश करता हूं, लेकिन पहले समझौते में कई समस्याएं और उल्लंघन हुए थे, जिससे हम पक्षों के बीच विश्वास जीतने की अनुमति नहीं दे सके और सौदे के दूसरे चरण को जारी रख सकें। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने पश्चिम एशिया के दौरे (जिसमें दोहा की यात्रा भी शामिल है) के दौरान फिलिस्तीनी के पक्ष में बोलेंगे या नहीं। उन्होंने कहा, ÷हमने ऐसा कुछ नहीं सुना, लेकिन यह अंतिम समाधान है। कतर शुरू से ही दो-राज्य समाधान में दृढ़ विश्वास रखता है। उन्होंने कहा कि श्री ट्रम्प के साथ वार्ता के दौरान कई पहलुओं पर चर्चा की जाएगी, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा और रक्षा हैं।

लंदन की अदालत ने रूस के लिए जासूसी करने के मामले छह बुल्गारियाई लोगों को जेल की सज़ा सुनाई

लंदन। ब्रिटेन में लंदन की ओल्ड बेली आपराधिक अदालत ने रूस के लिए कथित तौर पर जासूसी करने के मामले में बुल्गारिया के छह नागरिकों को जेल की सजा सुनाई है। लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने सोमवार को एक बयान में कहा, ब्रिटेन में रहने वाले छह बुल्गारियाई लोगों के एक समूह को रूस की ओर से पूरे यूरोप में जासूसी अभियान का हिस्सा होने के लिए कुल मिलाकर 50 साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई गई है।÷ बयान में कहा गया है कि ओरलिन रूसेव, बिजर दज़म्बाज़ोव, कैटरीन इवानोवा, इवान स्टोयानोव, वान्या गेबेरोवा और तिहोमिर इवानचेव को पांच साल और तीन महीने से लेकर 10 साल और आठ महीने तक की सजा सुनाई गई है। पुलिस के अनुसार, इवानोवा, गेबेरोवा और इवानचेव को जासूसी करने का दोषी पाया गया, जबकि रूसेव, दज़म्बाज़ोव और स्टोयानोव ने मुकदमा शुरू होने से पहले ही जासूसी करने का अपराध स्वीकार कर लिया गया था।

अमेरिका के उत्तरी कैस्केड्स में ऑस्ट्रेलिया के तीन पर्वतारोहियों की मौत

एजेंसी
वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी कैस्केड्स में हुई दुर्घटना में ऑस्ट्रेलिया के तीन पर्वतारोहियों की मौत हो गई। हादसे में एक पर्वतारोही घायल हो गया। उत्तरी कैस्केड्स पश्चिमी उत्तरी अमेरिका में कैस्केड पर्वत शृंखला का हिस्सा है। यह दुनियाभर के पर्वतारोहियों के आकर्षण का केंद्र है। कैस्केड पर्वत शृंखला ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा और वाशिंगटन के बीच फैली हुई है। यह क्षेत्र उच्च गुणवत्ता वाले हिमनद और अल्पाइन इलाके के लिए जाना जाता है। सिएटल टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, वाशिंगटन के ओकानोगन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि उत्तरी कैस्केड्स रॉक क्लाइम्बिंग दुर्घटना सप्ताहांत हुई। माजामा से लगभग 16 मील पश्चिम में नॉर्थ अर्ली विंटर्स स्पायर के पास

एक खड़ी खाई के किनारे से नीचे उतरते समय उनके उपकरण विफल हो गए। चौथे पर्वतारोही को गिरने से आंतरिक रक्तस्राव और मस्तिष्क में गंभीर चोट लगी, लेकिन वह बच गया। वह वाशिंगटन पास के पूर्व में ट्रेलहेड पर वापस चला गया। उसने रविवार को लगभग 11:30 बजे 911 पर कॉल कर दुर्घटना की जानकारी साझा की। शेरिफ कार्यालय ने इन पर्वतारोहियों के नाम जारी नहीं किए हैं, लेकिन कहा है कि वे 36, 47 और 63 वर्ष के थे। ओकानोगन काउंटी खोज और बचाव समन्वयक क्रिस्टीना वुडवर्थ ने कहा कि यह हादसा शनिवार देररात या रविवार सुबह हुआ। वुडवर्थ ने कहा कि जीवित बचे व्यक्ति को गिरने वाली जगह से खुद को निकालने और अपने वाहन तक वापस चलने में कई घंटे लगे होंगे। ओकानोगन काउंटी शेरिफ कार्यालय के बयान के अनुसार स्नोहोमिश काउंटी हेलीकॉप्टर बचाव दल ने तीनों के शव बरामद कर लिए हैं।

ट्रंप के पक्ष में 'हश मनी' मुकदमे में पैरवी करने वाले टॉड ब्लैंश बने अमेरिका के कार्यवाहक लाइब्रेरियन ऑफ कांग्रेस

एजेंसी
न्यूयॉर्क। अमेरिका के उप अटॉर्नी जनरल और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हश मनी मामले में प्रमुख बचाव पक्ष के वकील रहे टॉड ब्लैंश को देश के कार्यवाहक लाइब्रेरियन ऑफ कांग्रेस के रूप में नियुक्त किया गया है। यह जानकारी अमेरिकी न्याय विभाग ने दी। ब्लैंश ने हाल ही में ट्रंप का प्रतिनिधित्व उस ऐतिहासिक आपराधिक मुकदमे में किया था, जिसमें उन्हें 34 आपराधिक आरोपों में दोषी ठहराया गया था। इसके बावजूद, ट्रंप के करीबी और समर्थक माने जाने वाले ब्लैंश को यह अहम पद सौंपा गया है। कार्ला हेडन, जो कि 2015 में तत्कालीन डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा नियुक्त की गई थीं, को पिछले सप्ताह व्हाइट हाउस द्वारा पद से हटा दिया गया। हेडन पर कुछ रूढ़िवादी आलोचकों ने ÷वोक एजेंडा को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। ब्लैंश, जो कभी एक

संघीय अभियोजक भी रह चुके हैं, ट्रंप प्रशासन के दौरान न्याय विभाग में सक्रिय रहे और बाद में ट्रंप के खिलाफ बाइडन प्रशासन द्वारा लाए गए दो मामलों में उनकी रक्षा की। इसके बाद उन्हें उप अटॉर्नी जनरल बनाया गया।

पाकिस्तान की टिकटॉक गर्ल सजल का वीडियो वायरल, कहा-फर्जी

एजेंसी
दुबई। पाकिस्तान की मशहूर टिकटॉक स्टार गर्ल सजल मलिक ने पिछले माह ऑनलाइन प्रसारित वीडियो पर अब चुप्पी तोड़ी है। इसमें कथित तौर पर उन्हें आपित्तजनक भाव भंगिमा में दिखाया गया है। सजल मलिक ने इस वीडियो को पूरी तरह फर्जी बताया। गल्फ न्यूज की खबर में सजल के इस वीडियो पर विस्तार से चर्चा की गई है। यह वीडियो 22 अप्रैल को पहली बार प्रसारित किया गया। धीरे-धीरे यह विभिन्न सोशल साइट्स में वायरल हो गया। सजल मलिक ने जारी बयान में इसमें किसी भी तरह की संलिप्तता से साफ इनकार किया। उन्होंने कहा वीडियो पूरी तरह से फर्जी है। इस घटना के बाद से वह मानसिक रूप से परेशान हैं।

कुछ लोगों ने वीडियो की वैधता पर सवाल उठाए हैं। कइयों ने सजल मलिक की आलोचना की है। इसके बाद सजल मलिक ने पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने लीक के स्रोत की गहन जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह ऑनलाइन ट्रोलिंग उनके चरित्र हनन के बराबर है। उल्लेखनीय है कि सजल मलिक आकर्षक स्ट्रीट इंटरव्यू और टिकटॉक पर सोशल कमेंट्री के लिए जानी जाती हैं। उनके 176,000 से अधिक फॉलोअर्स हैं। इस घटना के कारण उन्हें निजता के हनन का सामना करना पड़ा है।

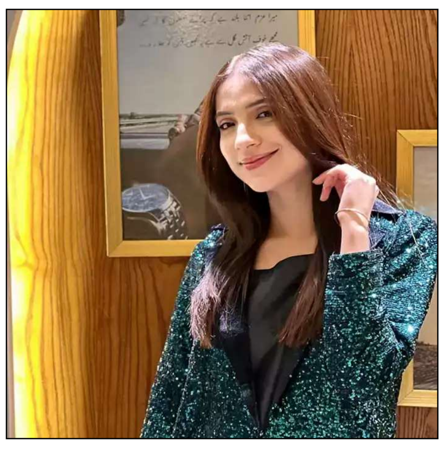

हालांकि बयान से पहले उनकी चुप्पी ने अटकलों को हवा दी। अब उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह इस मामले को सुलझाने के लिए कानूनी कार्रवाई करेंगी।

अमेरिका में कार दुर्घटना में दो भारतीय छात्रों की मौत, एक घायल

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका की क्लीवलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी के दो भारतीय छात्रों की 10 मई की सुबह लैंकेस्टर काउंटी में पेंसिल्वेनिया टर्नपाइक पर एक कार दुर्घटना में जान चली गई। न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने शोक संतप्त परिवारों को सहायता का आश्वासन दिया है।

इस हादसे में एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। गल्फ न्यूज की खबर के अनुसार, स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में मृतकों की पहचान 23 वर्षीय सौरव प्रभाकर और 20 वर्षीय मानव पटेल के रूप में हुई है। पेंसिल्वेनिया स्टेट पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना रीडिंग इंटरचेंज के करीब ब्रेकनॉक टाउनशिप में माइलपोस्ट 286.5 के पास सुबह 7:08 बजे हुई। पुलिस के अनुसार, कार सड़क से उतर गई। पहले कार एक पेड़ से टकराई और इसके बाद एक पुल से टकराकर रुक गई।

आपातकालीन टीम ने पाया कि कार चला रहे प्रभाकर और पीछे की सीट पर बैठे पटेल मृत मिले।

अधिकारियों के अनुसार, कार की अगली सीट पर बैठा एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। उसे स्थानीय रीडिंग अस्पताल पहुंचाया गया। लैंकेस्टर काउंटी कोरोनर के कार्यालय ने पुष्टि की है कि दोनों छात्रों की मृत्यु दर्दनाक चोटों से हुई है। पेंसिल्वेनिया राज्य पुलिस फॉरेंसिक सेवा इकाई दुर्घटना की जांच में सहायता कर रही है।

सीजफायर प्रस्ताव ठुकराने के बाद रूस ने यूक्रेन पर किया ड्रोन हमला, शांति वार्ता की जताई सहमति

एजेंसी
कीव। रूस और यूक्रेन के बीच जारी तीन साल से अधिक लंबे युद्ध के बीच क्रेमलिन ने बिना शर्त संघर्षविराम (सीजफायर) प्रस्ताव को ठुकरा दिया, लेकिन इसी के साथ इस सप्ताह संभावित शांति वार्ता में शामिल होने की इच्छा भी जताई है। इस घोषणा के कुछ ही घंटों बाद रूसी सेना ने यूक्रेन पर 100 से अधिक'शहीद' और डिकोय ड्रोन से रातभर हमले किए। यह जानकारी यूक्रेनी वायुसेना ने दी।

हालांकि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की द्वारा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को गुरुवार को तुर्की में आमने-सामने बातचीत के लिए दी गई चुनौती पर अब तक क्रेमलिन की ओर से सीधा जवाब नहीं आया है। रूसी प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव नेकहा, हम एक दीर्घकालिक शांतिपूर्ण समाधान की

गंभीरता से तलाश कर रहे हैं। बस यही कहना है। जब उनसे पूछा गया कि रूसी पक्ष से इस्तांबुल कौन जाएगा, तो उन्होंने स्पष्ट जानकारी देने से इनकार कर दिया।अमेरिका और यूरोपीय देशों ने हाल के दिनों में युद्ध रोकने के लिए तेज कूटनीतिक प्रयास किए हैं। इस युद्ध में अब तक दोनों देशों के दसियों हजार सैनिक और 10,000 से अधिक यूक्रेनी नागरिक मारे जा चुके हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में यह सबसे बड़ा सैन्य संघर्ष है, जिसमें रूस ने यूक्रेन के लगभग 20 प्रतिशत भूभाग पर कब्जा कर रखा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉशिंगटन में कहा कि उन्हें इस्तांबुल में होने वाली वार्ता को लेकर सकारात्मक उम्मीद है। उन्होंने यह भी बताया कि वह उस दिन कतर और यूएई यात्रा के दौरान ÷वार्ता में शामिल होने के लिए उड़ान भरने पर विचार कर रहे हैं। इससे पहले सप्ताहांत में रूस ने अमेरिका और यूरोपीय नेताओं द्वारा प्रस्तुत संघर्षविराम प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया था, लेकिन गुरुवार को इस्तांबुल में प्रत्यक्ष वार्ता के लिए सहमति जताई। वहीं यूक्रेन और उसके सहयोगी चाहते थे कि वार्ता से पहले रूस सोमवार से संघर्षविराम लागू करे, जिसे मॉस्को ने अस्वीकार कर दिया।

हमास ने अमेरिकी-इजराइली सैनिक एडन अलेक्जेंडर को 19 महीने बाद किया रिहा

एजेंसी
गाजा। फिलिस्तीनी संगठन हमास ने 19 महीने से गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए अमेरिकी-इजराइली सैनिक एडन अलेक्जेंडर को रिहा कर दिया है। यह कदम संघर्षविराम की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। हमास के अनुसार, यह रिहाई अमेरिकी प्रशासन से हुई बातचीत के बाद की गई। इजराइली अधिकारियों ने भी अलेक्जेंडर की रिहाई की पुष्टि की है, हालांकि उन्होंने विवरण साझा नहीं किया। अधिकारियों के अनुसार, यह प्रक्रिया गोपनीय रूप से आगे बढ़ाई जा रही है।हमास द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, यह कदम संघर्षविराम प्राप्त करने, सीमाओं को खोलने और गाजा पट्टी में हमारे लोगों तक मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए मध्यस्थों द्वारा किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। संगठन ने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया में उसने सकारात्मकता और लचीलापन दिखाया है। बयान में अमेरिकी प्रशासन से यह अपील भी की गई कि वह इस निर्मम युद्ध को समाप्त करने के लिए अपने प्रयास जारी रखे, जिसे नेतन्याहू द्वारा गाजा के बच्चों, महिलाओं और निहत्थे नागरिकों के खिलाफ चलाया जा रहा है यह रिहाई ऐसे समय पर हुई है जब गाजा में मानवीय संकट और युद्ध की भयावहता चरम पर है। अमेरिका और कतर जैसे देशों के मध्यस्थ प्रयासों के कारण संघर्षविराम की उम्मीदें फिर से प्रबल हुई हैं। उल्लेखनीय है कि एडन अलेक्जेंडर को 07 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए सीमा पार हमले में उनके सैन्य अड्डे से अपहृत कर लिया गया था।

सुरक्षा प्रमुख की मौत की खबरों के बीच लीबिया के त्रिपोली में हिंसक झड़प

त्रिपोली। लीबिया की राजधानी त्रिपोली में प्रतिद्वंद्वी सशस्त्र समूहों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। रिपोर्टों के अनुसार, ये झड़पें राष्ट्रपति परिषद से संबद्ध स्थिरता सहायता विभाग के प्रमुख अब्दुल-गनी अल-किकली उर्फ गनीवा की मौत की सूचना के बाद शुरू हुयी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, श्री अल-किकली (घनीवा) की मौत त्रिपोली मिलिट्री ज़ोन से संबद्ध 444 ब्रिगेड के मुख्यालय में हुई। उनकी वहां मौजूदगी का कारण स्पष्ट नहीं है। इस घटना के साथ ही त्रिपोली के दक्षिणी इलाकों में भारी हथियारों से गोलीबारी की आवाज़ें सुनी गईं और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पिछले कुछ घंटों में त्रिपोली और उसके आसपास सैन्य गतिविधियों के वीडियो सामने आए

हैं, जिसमें ज़ाविया, ज़िंतान और मिसराता शहरों से सशस्त्र गुटों को राजधानी की ओर बढ़ते देखा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के चिकित्सा आपातकालीन विभाग ने झड़पों के बाद पूर्ण अलर्ट की घोषणा की, जबकि गृह मंत्रालय ने त्रिपोली के निवासियों को उनकी सुरक्षा के लिए घर पर रहने की सलाह दी। मितीगा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने सभी उड़ानें निलंबित कर दी हैं और उन्हें 250 किमी दूर मिसराता अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया है। इसके साथ ही त्रिपोली के कुछ हिस्सों में स्कूल भी बंद कर दिए। संयुक्त राष्ट्र लीबिया सहायता मिशन (यूएनएसएमआईएल) ने त्रिपोली में तनाव कम करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वह त्रिपोली और पश्चिमी क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों और बढ़ते तनाव पर करीबी से नजर रखे हुए है। मिशन ने सभी पक्षों से उकसावे वाली कार्रवाइयों से बचने और संवाद के जरिए विवाद सुलझाने की अपील की है।

अफगानिस्तान के सर्वोच्च नेता अखुंदजादा शरिया के पक्षधर, खुफिया अफसरों से मदद का आह्वान

एजेंसी
काबुल। इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान (आईएए) के सर्वोच्च नेता शेख मुल्ला हेबतुल्ला अखुंदजादा ने कहा कि खुफिया सेवाओं को किसी को भी खुले तौर पर या गुप्त रूप से धार्मिक और इस्लामी रीति-रिवाजों का अपमान करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। उन्होंने खुफिया अफसरों से मुल्क में शरिया लागू करने में मदद का आह्वान किया। द काबुल टाइम्स की खबर के अनुसार, आईईए के उप प्रवक्ता मुल्ला हमदुल्ला फितरत के रविवार को जारी बयान के अनुसार, सर्वोच्च नेता ने खुफिया अधिकारियों के एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान यह टिप्पणी की। अखुंदजादा ने खुफिया जानकारी को सरकार की रीढ़ बताया। सर्वोच्च नेता ने कहा कि इस्लामी व्यवस्था के दुश्मनों की गुप्त

और प्रत्यक्ष योजनाओं को बेअसर करना होगा। उन्होंने कहा कि खुफिया सेवाओं को शरिया को लागू करने और लोगों की मानसिकता को आकार देने के लिए अन्य विभागों के साथ काम करना चाहिए। सर्वोच्च नेता ने कहा कि खुफिया अधिकारियों को लोगों के प्रति दया दिखानी चाहिए। संदेह के आधार पर व्यक्तियों को हिरासत में लेने से बचना चाहिए।

राजशाही समर्थक आंदोलन की तैयारी बैठक के दौरान शिवसेना नेपाल के अध्यक्ष गिरफ्तार

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल में राजशाही की पुनर्बहाली के लिए 29 मई से शुरू होने जा रहे बेमियादी आंदोलन की हुई तैयारी बैठक के बीच से पुलिस ने शिवसेना नेपाल के अध्यक्ष अनिल बस्नेत को गिरफ्तार कर लिया। नेपाल पुलिस की टीम ने विभिन्न राजनीतिक दल और संगठनों की संयुक्त बैठक के बीच ही पहुंचकर बस्नेत को तिनकुने हिंसक घटना में सहभागी होने के आरोप में गिरफ्तार किया।

तुर्किये में चार दशक से जारी कुर्द संघर्ष के समाप्त होने के आसार

एजेंसी
अंकारा। तुर्किये की एक जेल में बंद कुर्द नेता अब्दुल्ला ओकलान के सशस्त्र समूह कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी ने लगभग चार दशक से जारी संघर्ष को समाप्त करने की घोषणा की है। सशस्त्र समूह के करीबी मीडिया आउटलेट फिरात न्यूज एजेंसी ने कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी के इस कदम की सूचना दी।अल जजीरा न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, देश में जारी हिंसा को समाप्त करने का आह्वान जेल में बंद नेता अब्दुल्ला ओकलान ने फरवरी में किया था। इस आह्वान पर कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी ने लंबा मंथन किया। पिछले शुक्रवार को उत्तरी इराक में समाप्त हुई पार्टी कांग्रेस के बाद समूह ने ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी ने कहा कि इन्हें जल्द ही जनता के साथ साझा किया जाएगा। फिरात न्यूज एजेंसी के कांग्रेस के दौरान ओकलान का बयान पढ़ा गया। हिंसा का रास्ता छोड़ने की घोषणा में कहा गया कि सशस्त्र संघर्ष ने कुर्द अधिकारों को दबाने की कोशिश करने वाली नीतियों को सफलतापूर्वक चुनौती दी है। कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी ने अपना ऐतिहासिक मिशन पूरा कर लिया है। पार्टी की 12वीं कांग्रेस ने संगठनात्मक ढांचे को भंग करने और सशस्त्र संघर्ष की अपनी नीति को समाप्त करने का फैसला किया है।

तुर्किये की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु के अनुसार,

सत्तारूढ़ एके पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि यदि कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी के इस निर्णय को पूरी तरह से लागू किया जाता है तो यह एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मोड़ होगा। इससे क्षेत्रीय परिदृश्य में बदलाव आएगा। इससे उत्तरी इराक और सीरिया को भी राहत मिलेगी। ओकलान 1999 से जेल में बंद है। 1980 के दशक से जारी हिंसा में अब तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि पार्टी को तुर्किये और अधिकांश पश्चिमी देशों ने आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी ने युद्ध विराम की घोषणा में शांति वार्ता के लिए कानूनी तंत्र की स्थापना सहित विघटन के लिए शर्तें रखी हैं। समूह ने कहा कि कुर्द लोग शांति और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अपनाएंगे। कुर्द राजनीतिक दल और लोकतांत्रिक संगठन लोकतांत्रिक राष्ट्र के गठन को सुनिश्चित करने के लिए आगे आएंगे। कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी की यह घोषणा क्षेत्र में बड़े बदलाव की पृष्ठभूमि में हुई है, जिसमें सीरिया में नया प्रशासन, लेबनान में हिजबुल्लाह सशस्त्र समूह का कमजोर पड़ना और गाजा में इजराइल-हमास युद्ध शामिल हैं। हाल के वर्षों में पीकेके तुर्किये के अंदर छिटपुट हमलों तक सीमित रहा है, क्योंकि उसने अपने लड़ाकों को पहाड़ी सीमा पार करके इराक में भेज दिया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि शांति की यह पहल अक्टूबर में तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के गठबंधन सहयोगी देवलट बहसेली ने शुरू की थी। बहसेली ने कहा था कि अगर कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी हिंसा का रास्ता छोड़ती है तो ओकलान को पैरोल दी जा सकती है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

विदेश मंत्री जयशंकर ने की आस्ट्रेलियाई समकक्ष से बात, कहा- आतंक के खिलाफ हो 'जीरो टॉलरेंस'

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपनी ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वॉग से बातचीत की। उन्होंने हालिया घटनाक्रम के साथ आतंक के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के महत्व को रेखांकित किया। विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने पेनी वॉग को दोबारा विदेश मंत्री बनने पर शुभकामनाएं दी और पाकिस्तान के साथ संघर्ष से जुड़े हालिया घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होंने इस बात के महत्व को रेखांकित किया कि आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति होनी चाहिए। विदेश मंत्री ने इस दौरान भारत ऑस्ट्रेलिया 'दोस्ती' का उल्लेख किया और इस बहुआयामी संबंध को और अधिक प्रगाढ़ करने की अपनी रुचि जाहिर की।

बिहार की नाबालिग लड़की को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर तस्कर के कब्जे से कराया मुक्त

नई दिल्ली। मध्य जिली की स्पेशल स्टाफ ने रेड लाइट एरिया में बेचे जाने से पहले 15 साल की एक नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने नाबालिग का दो लाख रुपये में सौदा कर रहे युवक को भी दबोच लिया। पकड़े गए आरोपित की पहचान बिहार निवासी शशि कुमार (23) के रूप में हुई है।

मध्य जिले के डीसीपी एम. हर्षवर्धन ने बताया कि आठ मई को जिले की स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली थी कि बिहार से मानव तस्करी कर एक नाबालिग को दिल्ली लाया जा रहा है। आरोपित दो लाख रुपये में उसका सौदा करने की तैयारी कर रहा है। सूचना मिलते ही तुरंत एक टीम का गठन किया गया। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास जाल बिछाकर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के बाहर से आरोपित को दबोच लिया। उस समय उसके साथ नाबालिग भी मौजूद थी। आरोपित ने बताया कि वह बिहार के दरभंगा से ट्रेन में सवार हो रहा था तो उसे ट्रेन में नाबालिग मिली थी।

बवाना में युवक की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी जिले के बवाना थाना इलाके में युवक पर कुछ बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। इधर घायल को राहगीरों ने अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। डीसीपी निधिन वाल्सन ने बताया कि मुस्तफा को चाकू से घायल होने के कारण महर्षि वाल्मीकि अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद उसे रोहिणी स्थित अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मुस्तफा अपने साथी नूर आलम के साथ बवाना में काम खत्म करने के बाद पैदल घर लौट रहा था। जब वे बवाना सेक्टर-3 के पास पहुंचे तो सामने से आ रहे पांच अज्ञात बदमाशों ने मुस्तफा पर हमला कर दिया। स्थानीय निवासियों की मदद से नूर आलम ने मुस्तफा को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा लिया है। साथ ही हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं मृतक के परिजन और आस पास के लोगों ने बताया कि क्षेत्र में अक्सर आसामाजिक तत्वों द्वारा आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जाता है।

भाजपा देश भर में निकालेगी तिरंगा यात्रा, ऑपरेशन सिंदूर की बताएगी उपलब्धियां

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश भर में तिरंगा यात्रा निकालेगी। इस यात्रा का उद्देश्य भारतीय सेना का आभार जताने के साथ साथ ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना है।

तिरंगा यात्रा 13 मई से 23 मई तक आयोजित की जाएगी। भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े और तरुण चुघ, सांसद संबित पात्रा जैसे वरिष्ठ नेता इस अभियान का समन्वय करेंगे, जबकि पार्टी के शीर्ष नेता और मंत्री देश भर में रैलियों का नेतृत्व करेंगे। भाजपा के नेताओं के मुताबिक तिरंगा यात्रा के जरिए पार्टी देशभक्ति का संदेश देगी। तिरंगा यात्रा एक देशभक्ति पूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य देश भर में हमारे सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ाना है। अभियान के तहत संदेश दिया जाएगा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश

सुरक्षित है। 13 और 14 मई को यह यात्रा राज्यों की राजधानी में आयोजित की जाएगी। 15 मई को लोकप्रिय स्थानों पर तिरंगा यात्रा आयोजित की जाएगी। 16-17 मई को जिलों में, 19 से 23 मई तक सभी मंडल और विधानसभाओं में यात्राएं आयोजित की जाएंगी। सूत्रों के मुताबिक इस संबंध में पार्टी के मुख्यालय पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के महासचिवों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में तिरंगा यात्रा की रूप रेखा तैयार की गई। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव बढ़ता गया। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सात मई को "ऑपरेशन सिंदूर" चलाया और खूंखार दहशतगर्दों को ढेर कर दिया। बौखलाई पाकिस्तानी सेना ने भारत पर हमले की तमाम कोशिशें कीं, लेकिन नाकाम रहे। भारत ने स्पष्ट संदेश दिया कि अब किसी भी हाल में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पाकिस्तान को उसी की भाषा में मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा। यह नया दौर है और अब यही आम बात है। नेस्तनाबूद करके पहलगाम आतंकी हमले का जवाब दिया है। भारतीय वायु सेना ने आतंकी शिविरों पर हमला करने में भूमिका निभाई और भारतीय नौसेना ने सटीक हथियारों के मामले में साधन उपलब्ध कराए।

देशभर के 700 से ज्यादा जिलों में चलेगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) द्वारा देशभर में विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जाएगा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि यह अभियान 700 से ज्यादा जिलों में 29 मई से प्रारंभ होकर 12 जून तक चलेगा।

इस दौरान हमारे कृषि वैज्ञानिक एवं मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय कृषिकर्मियों के साथ टीम बनाकर प्रतिदिन अलग-अलग गांवों में पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद करेंगे तथा उन्हें खेती-किसानी के संबंध में अपने स्तर पर और जागरूक करेंगे, विभिन्न सलाह देंगे। यह सारी कवायद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए 'लैब टू लैंड' के मंत्र को साकार करने के लिए की जा रही है। आधुनिक एवं आदर्श खेती के साथ ही यह एक देश, एक कृषि, एक टीम की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस संबंध में एक उच्चस्तरीय बैठक में दिल्ली में आयोजित की, जिसमें देशभर के 731 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के साथ ही देशभर में फैले आईसीएआर के 100 से अधिक संस्थानों तथा कृषि विज्ञान से जुड़े अन्य संस्थानों के साथ ही केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी हाईब्रिड मोड में शामिल हुए। बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी तथा आईसीएआर के महानिदेशक डा. एम.एल. जाट भी उपस्थित थे। शिवराज सिंह ने मीडिया को बताया कि इस रचनात्मक एवं महत्वाकांक्षी अभियान के पीछे मकसद यही है कि हमारी खेती उन्नत-विकसित हो और हमारे किसानों को इसका सीधा फायदा मिले।

पीएम मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन पर भाजपा नेताओं ने कहा, 'देशवासियों में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार रात आठ बजे राष्ट्र के नाम संबोधन में पाकिस्तान और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को कड़े शब्दों में संदेश दिया कि भारत आतंकवाद को नहीं सहेगा और पाकिस्तान से सिर्फ पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) तथा आतंकवाद पर चर्चा होगी। भाजपा नेताओं ने इसकी तारीफ करते हुए कहा कि इससे देशवासियों में नई ऊर्जा का संचार होगा। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, 'पीएम मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में पाकिस्तानी आतंकवाद के चिथड़े उड़ा दिए। उन्होंने पूरे घटनाक्रम का ब्योरा दिया।

उन्होंने स्पष्ट किया है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' रुका नहीं है, बल्कि सिर्फ स्थगित हुआ है। भारतीय सेनाओं को अभिनंदन है, जिन्होंने पाकिस्तान के चिथड़े उड़ा दिए। अब स्पष्ट हो गया है कि कोई आतंकी गतिविधि हुई, तो भारत ऐसे किसी भी आतंक का सफाया करने में पीछे नहीं हटेगा। पीएम मोदी ने पूरे विश्व को बता दिया है कि भारत क्या कर

सकता है। उनके संबोधन ने देशवासियों में एक नई ऊर्जा का संचार किया है।' भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, 'पीएम मोदी ने साफ किया है कि अगर पाकिस्तान से बात होगी, तो वह आतंकवाद और पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) पर होगी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान ने घुटने टेके और उसने ही संघर्ष विराम का प्रस्ताव दिया। पाकिस्तान को सबक सिखा दिया गया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी बंद नहीं हुआ है, अगर पाक ने कोई गलत हरकत की, तो उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। पीएम मोदी ने देश की जनता के सामने सभी स्थितियों को रखा और सेना को सैल्यूट किया।' भाजपा विधायक अजय महावर ने पीएम मोदी के संबोधन की तारीफ की। उन्होंने कहा, +टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं चलेगा। कुछ लोग अप्रत्यक्ष रूप से आलोचना करने की कोशिश करते रहते हैं, लेकिन पूरी दुनिया भारतीय सेना का लोहा मान रही है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान को उसके घुटनों पर लाने के लिए मजबूर कर दिया। हमें एकजुट होकर पीएम मोदी और भारतीय सेना का साथ देना चाहिए।'

कांग्रेस पाकिस्तान के प्रोपेगेंडा का शिकार हो जाती है : शाहनवाज हुसैन

एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं दिग्गज कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कराने पर अमेरिका की भूमिका पर सवाल उठाया और इसे अपमानजनक बताया। इस पर भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान के प्रोपेगेंडा का शिकार हो जाती है। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, क्या उन्हें अपनी सेना पर भरोसा नहीं है? 22 अप्रैल को पहलगाम घटना के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कड़ा जवाब देने की बात कही थी और वैसा जवाब दिया गया। हमने उनके नौ आतंकी अड्डों और 11 एयरपोर्ट को तबाह कर दिया। 100 से अधिक आतंकी मारे गए। हमने पाकिस्तान के 50 से अधिक सैनिक और ऑफिसर को मार गिराए। पाकिस्तान ने अपने घुटने टेक दिए, जब उन्होंने गिड़गिड़ाया तो सीजफायर हुआ। हमारा जो मकसद था कि आतंकी को मिट्टी में मिलाना है, वो पूरा हुआ। पाकिस्तान को उसकी भाषा में जवाब दिया गया। इस सब मामलों

पर सेना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके जानकारी दी। ऐसे में क्या कांग्रेस के नेताओं को भारत की सेना पर कम और पाकिस्तान पर ज्यादा भरोसा है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान जो प्रोपेगेंडा करता है, कांग्रेस उसका शिकार क्यों हो जाती है। पूरा देश आज भारतीय सेना के साथ है। भारतीय सेना ने जो ऑपरेशन सिंदूर किया, उससे पाकिस्तान को करारा जवाब मिला, यह याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा, कांग्रेस की दोहरी जुबान बोलने की आदत है। वो एक तरफ कहते हैं कि देश की सेना के साथ हैं। सेना ने अपना पराक्रम दिखाया और आतंकियों के ठिकानों को खत्म किया। कांग्रेस क्या चाहती है। जब देश में बड़े-बड़े हमले होते थे, तो वो खामोश रहती थी।

एयर इंडिया, इंडिगो की कई उड़ानें रद्द, यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा स्थिति के चलते जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान के कई हिस्सों से आने-जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गई है। साथ ही यात्रियों के लिए यात्रा संबंधी एडवाइजरी भी जारी की गई है। एयर इंडिया ने जम्मू, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट से आने-जाने वाली सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। यह निर्णय हाल के घटनाक्रमों और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। एयर इंडिया ने एक बयान में कहा, 'नवीनतम घटनाक्रम को देखते हुए और आपकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, जम्मू, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट से आने-जाने वाली उड़ानें मंगलवार, 13 मई को रद्द कर दी गई हैं। हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और आपको अपडेट रखेंगे। अधिक जानकारी के लिए, कृपया

हमारे संपर्क केंद्र पर 011-69329333 / 011-69329999 पर कॉल करें या हमारी वेबसाइट पर जाएं। इंडिगो ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की और 13 मई को कई उड़ानें रद्द कर दी गईं। इनमें जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़ जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गईं। इसी तरह श्रीनगर, लेह, राजकोट जाने वाली भी उड़ानें रद्द हैं। इंडिगो ने असुविधा के लिए खेद जताया है और कहा है कि हमारी टीम लगातार हालातों पर नजर बनाए रख रही है और हम आपको आगे की अपडेट के लिए सूचित करते रहेंगे। एयरपोर्ट आने से पहले कृपया ऐप या व्हाट्सएप पर अपनी उड़ान की जानकारी जरूर लें। वहीं दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से जारी एडवाइजरी के अनुसार, दिल्ली हवाई अड्डे पर कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है। हालांकि, हवाई क्षेत्र की बदलती स्थिति और नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था के कारण, कुछ उड़ानों के शेड्यूल में बदलाव हो सकता है और सुरक्षा जांच में अधिक समय लग सकता है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी-अपनी एयरलाइन से ताजा जानकारी लेते रहें। हैंडबैग और चेक-इन सामान के नियमों का पालन करें।

सुरक्षा चेकपॉइंट्स पर संभावित देरी को ध्यान में रखते हुए जल्दी पहुंचें। सुविधाजनक प्रक्रिया के लिए एयरलाइन और सुरक्षा कर्मचारियों का सहयोग करें। अपनी एयरलाइन या दिल्ली एयरपोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से उड़ान की स्थिति की जांच करें। यात्री सटीक जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें।

NAME CHANGE
I, VINAY KUMAR S/o GENDA LAL R/o A-85, Baghel Chowk, Bharat Vihar, South West Delhi, Delhi-110078, have changed the name of my minor son DHANANJAY aged 13 years and he shall be hereafter known as DHANANJAY SINGH.

NAME CHANGE
I, KRISHAN KUMAR SHARMA S/o CHANDRA BHAN SHARMA R/o B-2/358, B2-Block, Yamuna Vihar, Delhi-110053 have changed the name of my minor Daughter RAKSHITA SHARMA alias ANANYA SHARMA aged 17 years and she shall hereafter be known as ANANYA SHARMA.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Rimjhim D/O Aravind Shah, R/O HOUSE NO-N 44/275, GALI N0-9, SANJAY COLONY, samay pur, North West Delhi, Delhi -110042,declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Arvind Singh and Neelam Devi in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father and my mother are Arvind Shah and Lila Devi,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, VINITA RANI W/O HARISHCHANDRA R/O RZF-2/169, SECOND FLOOR FLAT NO-101, GALI NO5, SUNRISEAPARTMENT, MAHAVIR ENCLAVE, PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 declare that name of mine, my husband and my minor daughter has been wrongly written as VINEETA and HARISH CHANDER and CHANDNI in my minor daughter CHANDANI RAJPUT aged 13 years in her school records. And name of my husband has been wrongly written as HARISH CHANDER in my minor daughter CHANDANI RAJPUT aged 13 years in her Birth certificate- MCDOLIR-0111004894456 . The actual name of mine, my husband and my minor daughter are VINITA RANI, HARISHCHANDRA and CHANDANI RAJPUT, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as MAHESH CHAND alias MAHESH CHAND MITTAL S/o GAIN CHAND residing at 1192 , Near Hanuman Mandir, Sector -28 , Faridabad Sector -29 , Faridabad Haryana - 121008 have changed my name and shall hereafter be known as MAHESH CHAND MITTAL.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SUNITA GULIA W/o LATE BALJIT SINGH SANGWAN residing at Gali No. -5 , Near Sector-6, Patel Nagar, Bahadurgarh , Jhajjar, Haryana - 124507 declare that the name of mine has been wrongly written as SUNITA in my Husband's PPO No. – 735442500057 and his Service Records. The actual name of mine is SUNITA GULIA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINAY KUMAR S/o GENDA LAL R/o A-85, Baghel Chowk, Bharat Vihar, South West Delhi, Delhi-110078, have changed the name of my minor son DHRUV aged 11 years and he shall be hereafter known as DHRUV SINGH.

NAME CHANGE
I hitherto known as RAKSHIT S/o SANJEEV KUMAR residing at X-254/1A, Street No. 7, Brahmpuri, Garhi Mendu, PO: Seelampur, DIST: North East Delhi, Delhi – 110053 have changed my name and shall hereafter be known as RAKSHIT TOMAR.

NAME CHANGE
I hitherto known as VIJAY KUMAR alias VIJAY KUMAR TECKCHANDANI S/o Late R.D TECKCHANDANI, Residing at D-280, Sarvodaya Enclave, South Delhi, New Delhi - 110017 have changed my name and shall hereafter be known as VIJAY KUMAR TECKCHANDANI.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SANJAY KUMAR ARYA S/o DEWAN ARYA, Residing at RZ - 4, Sainik Enclave - 3, Jharoda Kalan, Dist: South West Delhi, Delhi - 110072, declare that name of my minor Daughter has been wrongly written as KANISHKA in my minor Daughter namely KANISHKA ARYA, aged 17 years in her 10th Class Educational Documents. The actual name of my minor Daughter is KANISHKA ARYA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as RENU AGARWAL alias RENU GOYAL D/O MADAN LAL W/O VIJAY GOYAL R/O C-185, SECTOR-26, NOIDA GAUTAM BUDDHA NAGAR NOIDA, UTTAR PRADESH-201301, have changed my name and shall hereafter be known as RENU GOYAL.

सार्वजनिक सूचना
जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल बरकत राम पुत्र श्री मुलख राज एवं श्रीमति सविता रानी पत्नी बरकत राम निवासी बी-9, उत्तम नगर, आनन्द विहार, डी.के. मोहन गार्डन, एस.ओं. पश्चिम दिल्ली, दिल्ली-110059 ने अपने तीसरे पुत्र शिवम सबलोक एवं पुत्रवधु कोमल निवासी बी-9, उत्तम नगर, आनन्द विहार, डी.के. मोहन गार्डन, एस.ओं, पश्चिम दिल्ली, दिल्ली-110059 को उनके अवज्ञाकारी एंव उद्दण्ड स्वभाव होने के कारण तथा मेरे मुवक्किल से लड़ाई झगडा, बदत्तमीजी, मार-पिटाई और गाली-गलौज के कारण मेरे मुवक्किल उनसे संबंध-विच्छेद कर, अपनी सभी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। मेरे मुवक्किल बरकत राम पुत्र श्री मुलख राज एवं श्रीमति सविता रानी पत्नी बरकत राम एवं घर के कोई भी अन्य सदस्य किसी भी कार्य के लिए जवाबदेह, जिम्मेदार एंव उत्तरदायी नहीं होंगे। अगर वह किसी से कर्ज लेता है या गैर कानूनी कार्यों में लिप्त होते है तो उसका जिम्मेबार । उत्तरदायित्व वह स्वयं होंगे । दिनांक 07.05.2025 को अपने उपरोक्त पुत्र और पुत्र बधू को घर से निकाल दिया था ।

RAJNIKANT Mishra advocate
HALL NO.04, SEAT NO.-9, DWARKA COURT DELHI-110054

NAME CHANGE
I hitherto known as SHANTI alias KANTI DEVI W/o RAM PRASAD R/o 151, 38-A/T-HUST C D Park, Jahangir Puri, North West Delhi, Delhi – 110033 have changed my name and shall hereafter be known as SHANTI.

NAME CHANGE
I, Ajay Kumar alias Ajay Jour S/O Narinder Kumar R/O H. No. H-4/82,FF, Sector -16, Rohini Delhi - 110089, have changed my name to Ajay Jour for all purposes

NAME CHANGE
I, SANDEEP S/o NAR SINGH R/o VPO: Kheri Sadh (42), Rohtak - 124021 have changed my name from SANDEEP to SANDEEP KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RAHUL S/o ASHOK R/o VPO: Dubaldhan Kirman, Jhajjar - 124022 have changed my name from RAHUL to RAHUL KADIAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I SHRADDHA RATRA W/O DEEPAK ARORA R/O B1/177, NIT, FARIDABAD, HARYANA-121001 HAVE CHANGE MY NAME TO SHRADDHA ARORA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, Ravindra Singh S/O Kehar Singh, R/O Plot No-324, Naipura, Loni Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, have changed the name of my minor son namely Akash aged 15 years and he shall hereafter be known as AASHISH.

Religion change
I, Rakhi D/O Raj Kumar R/O Jhuggi A-60, ITI ke Piche VTC: Jahangir Puri, District: North West Delhi, Delhi -110033, have changed my Religion Hindu to Muslim from dated 12.05.2025 and Changed my name from Rakhi to Samaiya

NAME CHANGE
I, PRIYA SHARMA W/O PRAVESH SHARMA R/O HOUSE NO 1/9820 THIRD FLOOR GALI NO 1 WEST GORAKH PARK SHAHDARA, DELHI - 110032 I have changed my name from Mamta Sharma TO PRIYA SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, AKASH DEEP S/o ANAND KUMAR R/o H.No. 2065, Near HSVP Office, Sector - 3 Part, Rohtak - 124001 have changed my name from AKASH DEEP to AKASHDEEP GARG for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RUHAN S/o DINESH SINGH R/o Beta-2, Sector - 37, One City, Rohtak - 124001 have changed my name from RUHAN to RUHAN BERWAL for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SONU Son of ALIJAN residing at A-1/237, J J COLONY, MADANPUR KHADAR, SARITA VIHAR, DELHI-110076 have changed my name and shall hereafter be known as SONU ANSARI.

NAME CHANGE
I, POONAM W/o SANDEEP KUMAR R/o VPO: Kheri Sadh (42), Rohtak - 124021 have changed my name from POONAM to POONAM SINDHU for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sumit S/O Ashish R/O H.No-1, Shivpuri Part 2, Deenpur Najafgarh, Najafgarh, PO Najafgarh, Dist: Najafgarh, Delhi-110043 have changed my name and shall hereafter be known as Sumit Shokeen.

NAME CHANGE
I, Rautela Laxmi D/O Hira Singh W/O Lalit Singh Negi R/O H no 84, Gali no 1, Sainik Enclave Sector 2 Uttam Nagar Mohan Garden West Delhi 110059, Have changed my name to Laxmi Rautela for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Satya Prakash Nagar S/O Anand Pal Nagar R/O Swami Shantanand Farm House Bhvapur Road Tigaon(95) Faridabad, Haryana 121101 Have changed my name to Satya Parkash Nagar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Neetu Khanna w/o Pankaj Chanana R/o J-30 Beri wala Bagh, Gali No-5, Hari Nagar, New Delhi - 110064 have changed my name to Kashish for all Purposes

NAME CHANGE
I, Sakshi Manha w/o Nitin Bhatia R/o H No-160-161 Top Floor Sector-4 Rohini Delhi -110085 have changed my name to Sakshi Bhatia for all Purposes

NAME CHANGE
I, ASHIMA KAPOOR D/O KAMAL KUMAR MALHOTRA R/O 1075, 3RD FLOOR, SECTOR-43, GALLERIA DLF-IV, GURGAON, HARYANA-122009 have changed my name to ASHIMA MALHOTRA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD ALAM s/o FIROZ MOHD R/O 2371, Gali Badrul Islam, Kucha chalan, Darya ganj Delhi - 110002. I have changed my name to MOHAMMAD ALIM permanently

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD ABID S/O MOHD SALEEM residing at H NO-850, CHURI WALAN, JAMA MASJID, DELHI-110006 have changed my name to MOHD ABID for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD MUSTUJAB KHAN S/O NAWAB KHAN residing at H NO- K-177 ,K-BLOCK,NEW SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my name to MUSTAJAB KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SALEEM S/O MOHD AQIL KHAN residing at H NO-876, CHURI WALAN,BAZAR MATIA MAHAL JAMA MASJID, DELHI-110006 have changed my name to MOHD SALEEM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MANJU W/O NANDU KUMAR residing at B-70/C, KH NO-148, 3RD FLOOR, PANCHSHEEL VIHAR, MALVIYA NAGAR, DELHI-110017 have changed my name to MANJU KUMARI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHAMBHU KUMAR MISHRA S/O UMA KANT MISHRA residing at H NO-173/1, GALI NO-7, THAN SINGH NAGAR, ANAND PARBAT, KAROL BAGH, DELHI-110005 have changed my name to SHAMBHU KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, THANKAMANY Mother of No-15675853H Rank- CHM Name-SABU K Presently residing at HOUSE NAME-SAJU BHAVANAM, KUNNATHOOR, PO-THURUTHIKKARA, DIST-KOLLAM, KERALA-690540, have changed my name from THANKAMANY to THANKAMANI for all future purposes vide Affidavit dated 12/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Gaurav Jain S/O Surender Kumar Jain R/O- 55,3 Main Market Sant Nagar, Burari, PO: Burari, Dist: North Delhi, Delhi -110084, have changed the name of my minor daughter namely Vernika Jain alias Jahanvi aged 15 years and she shall hereafter be known as Vernika Jain

NAME CHANGE
I, SUNITA SAMAL Wife of JC-772361F Rank-SUB Name-BALARAJ NAYAK R/o VILL-KURUNTI, PO-KUSUPANGA, TEHSIL-ODAPADA, DISTT-DHENKANAL, ODISHA-759121, have changed my name from SUNITA SAMAL to SUNITA NAYAK for all future purposes vide Affidavit dated 13/05/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

PUBLIC NOTICE
My Client Aamna Khatoon W/o late Sahzad Khan R/o RZ-522/25, Tughlakabad Extn, South Delhi, New Delhi-110019, have disowned and debarred his/her Son Shahid Khan & Wife Sony Khatoon, in above said property due to their activities ie out of control from his/her all movable, immovable properties. I have no relation with them in future.

R.K. Sharma & Associates
Advocates
Ch.No.244, Saket Court
NEW DELHI-110017

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Nirmla W/O Satish Rana, R/O HOUSE N0-138, POCKET- 8,SECTOR-24, ROHINI, PO Rohini Sector-7, DIST: North West Delhi, Delhi-110085,declare that name of mine and my husband has been wrongly written as Nirmla Devi and Satish Kumar in my Rasan card no 654448 and name of my husband has been wrongly written as Satish Kumar in my voting card no KQF1809771.The actual name of mine and my husband are Nirmla and Satish Rana,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, VINITA RANI W/O HARISHCHANDRA R/O RZF-2/169, SECOND FLOOR FLAT NO-101, GALI NO5, SUNRISEAPARTMENT, MAHAVIR ENCLAVE, PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 declare that name of mine, my husband and my minor daughter has been wrongly written as VINEETA and HARISH CHANDER and CHANDNI in my minor daughter CHANDANI RAJPUT aged 13 years in her school records. And name of my husband has been wrongly written as HARISH CHANDER in my minor daughter CHANDANI RAJPUT aged 13 years in her Aadhar Card- 581881557069. The actual name of mine, my husband and my minor daughter are VINITA RANI, HARISHCHANDRA and CHANDANI RAJPUT, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री देशराज पुत्र स्व0 श्री गंगाराम एवं उनकी पत्नी श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री देशराज दोनो निवासी मकान न0 आर.जेड.ए.-4, बजाज एन्क्लेव एक्सटेंशन, नियर न्यू आर्य पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली-110078 ने अपने बड़े पुत्र यश कुमार व उसकी पत्नी (पूत्रबधु) सुरेखा व छोटे पुत्र पंकज कुमार व उसकी पत्नी (पुत्रवधु) हेमा सभी निवासीगण मकान न0 आर.जेड.ए.-4, बजाज एन्क्लेव एक्सटेंशन, नियर न्यू आर्य पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली-110078 को अपनी चल व अचल संपत्ति से उनके अभद्र व्यवहार, मारपीट, गाली गलौच व अनियंत्रित होने के कारण बेदखल कर दिया है और उन लोगों से अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कार्य व किसी भी प्रकार के लेन देन के प्रति मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नही हैं और ना ही भविष्य में होगें।

SHIV UPADHYAYA ADVOCATE
306, LAWYERS CHAMBER,
DWARKA COURT COMPLEX, SECTOR 10,
DWARKA, NEW DELHI-110075
Mob. 9818234505

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुविक्कल राजू चौधरी पुत्र स्व0 बुनिलाल मन्टो निवासी-एफ-/935, संगम विहार, नई दिल्ली ने अपने पुत्रों राहुल चौधरी एवं पुत्रवधू श्रीमती मुस्कान एवं दूसरे पुत्र रोमी को इनके गलत आचरण, दुर्व्यवहार करने तथा नियंत्रण से बाहर होने के कारण अपनी सभी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। इन सबसे मेरे मुविक्कल का कोई रिश्ता-नाता नही है और यदि कोई भी व्यक्ति मेरे मुविक्कल के पुत्रों व पुत्रवधू के साथ कोई भी लेन-देन या कोई करार करता है तो उसके लिये वह व्यक्ति स्वंय जिम्मेदार होगा उसके लिये मेरे मुविक्कल किसी भी तरह से जिम्मेदार नही होंगे।

अरूण कुमार तिवारी अधिवक्ता
Chamber 310, Saket Courts Complex,
New Delhi-110017

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि **मेसर्स हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड ने सेक्टर-66, गोल्ड सेंटर एक्सटेंशन रोड, गुड़गांव, हरियाणा-122002** में स्थित यूनिवर्सल बिजनेस पार्क नामक इमारत में 8वीं मंजिल पर 5000 वर्ग फीट के निर्मित क्षेत्रफल वाली यूनिट संख्या 807 खरीदी है। उक्त मंजिल के संबंध में मेसर्स ब्लेज़ प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मेसर्स यूनिवर्सल बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स वाटिका लिमिटेड के पक्ष में दस्तावेज़ संख्या 39 के अनुसार दिनांक 01.04.2016 को कन्वेयन्स डीड निष्पादित की गई थी। मूल कन्वेयन्स डीड का पता नहीं चल पाया है और आवेदन संख्या-2790758/2025 के तहत एफआईआर, पी.एस॰ क्राइम ब्रांच, दिल्ली में दिनांक 28.04.2025 को पंजीकृत की गई थी। जिस किसी को भी उपर्युक्त दस्तावेज मिलें, कृपया उन्हें **हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड, मोहन एस्टेट मेट्रो स्टेशन, ए-44, मधुरा रोड विहार, मोहन कोऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली ङ्क 110044** के प्रबंधक को सौंप दें। **लॉ वेरिटास॰ उत्तर (अधिवक्ता और कानूनी सलाहकार) से कार्यालय संख्या 11, पहली मंजिल, भवन संख्या ए-44/ए, सेक्टर- में संपर्क करके ऐसा करें। 16, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301;**
लैंडलाइन: +910120-3101683,
ई-मेल: accounts@lvnorth.in

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Rimjhim D/O Aravind Shah, R/O HOUSE NO-N 44/275, GALI N0-9, SANJAY COLONY, samay pur, North West Delhi, Delhi -110042,declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Arvind Singh and Neelam Devi in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father and my mother are Arvind Shah and ???? Devi,which may be amended accordingly.

खनन माफियाओं पर कसेगा शिकंजा, पंचकूला में अवैध खनन पर मानवाधिकार आयोग सख्त

चंडीगढ़। प्रदेश की राजधानी से सटे पंचकूला के पिंजौर-नालागढ़ रोड, रायपुर रानी और मोरनी की पहड़ियों सहित चंडी मंदिर के आसपास अवैध खनन धड़ल्ले से चल रहा है। हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने पंचकूला जिले में अवैध खनन गतिविधियों का स्वतः संज्ञान लेते हुए कड़े निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने अवैध खनन माफिया और प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत के चलते पर्यावरणीय नुकसान और नागरिकों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ पर भी चिंता व्यक्त की है। हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने पिंजौर-नालागढ़ रोड, मल्लाह रोड, रायपुर रानी, मोरनी, बरवाला और चंडीमंदिर सहित कई क्षेत्रों में भारी मात्रा में हो रही अवैध खनन से कानून व्यवस्था, पर्यावरण और नागरिकों की सुरक्षा पर चिंता जताते हुए पुलिस प्रशासन को तुरंत अवैध खनन माफियाओं पर शिकंजा कसने के निर्देश दिए हैं। वहीं, आयोग ने प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल खड़े हुए स्पष्ट किया कि पंचकूला जिले में अवैध खनन मामले में पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारियों की कथित मिलीभगत के चलते हाल ही में हुई गिरफ्तारियों के बावजूद, जिले में बड़े पैमाने पर अवैध खनन अब भी जारी है। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब अमरावती पुलिस चौकी के प्रभारी सब-इंस्पेक्टर राजबीर सिंह को ड्यूटी के दौरान अवैध खननकर्ताओं ने दौड़ाकर धमकाया। यह घटना कानून-व्यवस्था के पूर्ण पतन और सरकारी कर्मचारियों की सुरक्षा पर खतरे को दर्शाती है।

हरियाणा में खोले जाएंगे 350 नए वीटा बूथ

सोनीपत। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हैफेड और वीटा के गुणवत्तापूर्ण उत्पाद अब एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे। इसके लिए डेयरी फेडरेशन और हैफेड मिलकर मॉडल पार्लर स्थापित करेंगे, जिससे आमजन को विश्वस्तरीय उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला मिलेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की घोषणा के अनुसार इस वर्ष 350 नए वीटा बूथ खोले जाएंगे। डॉ. शर्मा व उनकी धर्मपत्नी डॉ. रीटा शर्मा ने सोनीपत के कामी रोड स्थित श्याम महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित वीटा बूथ का उद्घाटन किया। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के हर परिवार को सहकार से जोड़ने के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश सरकार ने सहकारिता विभाग का बजट 58.8 प्रतिशत बढ़ाया है। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस वित्त वर्ष में डेयरी फेडरेशन 15 प्रतिशत अधिक दूध संकलन का लक्ष्य लेकर चल रही है। दूध उत्पादकों के लिए मुख्यमंत्री दूध प्रोत्साहन योजना के तहत 70 करोड़ रुपये का अतिरिक्त आवंटन किया गया है। हर जिले में चिलिंग प्लांट और हर खंड में दूध संकलन केंद्र खोलने की कार्ययोजना भी बनाई गई है। भारत-पाक तनाव पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की कायराना हरकत का भारतीय सेना ने सटीक जवाब दिया।

चुनावी रंजिश में दो गुटों में हिंसक झड़प, चार घायल, सरपंच की कार जलाई

हिसार। निकटवर्ती गांव ढाणी पाल में चुनावी रंजिश के चलते दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान एक गुट के लोगों ने सरपंच की गाड़ी को आग लगा दी और कई घरों में तोड़फोड़ की गई। हालांकि की दूसरे गुट ने गाड़ी को आग लगाने के आरोपों से इंकार करते हुए कहा कि उनकी गाड़ी में आग दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद लगी है। बताया जा रहा है कि दोनों गुटों के बीच कुछ दिन पहले सरकारी बाग की बोली को लेकर भी आपस में विवाद हुआ था और बाग की बोली छुड़वाने वाले राजेश की गाड़ी पर पत्थरबाजी कर उसकी गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। दो गुटों के बीच झगड़े की सूचना मिलने पर डायल 112 टीम व पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों गुटों के लोगों को अलग अलग कर मामले को शांत करवाया। शहर थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर अस्पताल में उपचाराधीन घायलों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शी राजेंद्र के मुताबिक सरपंच सुरेंद्र गुट के कुलदीप विकास व नरेश के साथ कैंची चौक स्थित शराब ठेके के सामने रविवार रात को किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद उन लोगों ने हमारे लोगों की गाड़ी से पीछा किया और विरोधी पक्ष के घरों में घुसकर तोड़फोड़ तथा मारपीट करते हुए एसआई अरुण के घर में तोड़फोड़ कर उसकी मां समेत 60 वर्षीय रोशनी और उसके भाई 36 वर्षीय सीताराम के मारपीट कर घायल कर दिया।

खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास पर है सरकार का फोकसः लक्ष्मण यादव

रेवाड़ी। राव तुलाराम स्टेडियम में रेवाड़ी के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव और बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार ने हरियाणा खेल उपकरण प्रावधान योजना 2023-24 के तहत रेवाड़ी विधानसभा व बावल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों व शहरी क्षेत्रों के लिए लगभग एक करोड़ 50 लाख रुपये की लागत के खेल उपकरण का वितरण किया। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए उन्हें बेहतर खेल सुविधाएं प्रदान कर रही हैं जिससे खिलाड़ियों को मार्गदर्शन भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के साथ ही बेहतर इंफ्रास्टक्चर विकसित करने पर सरकार का पूरा फोकस है। प्रदेश के हर क्षेत्र में खेल प्रतिभा अनुरूप खेल नर्सरियां विकसित की गई हैं और हर खेल में खिलाड़ियों को तराशते हुए उन्हें दुनिया में अपनी पहचान कायम करने के लिए खेल क्षेत्र में सहयोग दिया जा रहा है।

जल निकासी पर दिया जाए विशेष ध्यान, ड्रेनों और माइनर की सफाई व गहराई की जाए सुनिश्चित : मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए राज्यभर में चल रही अल्पकालिक परियोजनाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून से पहले सभी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने आज यहां सिंचाई एवं जल संसाधन, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी तथा शहरी स्थानीय निकाय विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिए कि राज्य में सभी ड्रेनों और माइनरों की तत्काल सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की जलभराव या बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरस्वती नदी, मारकंडा नदी और टांगरी नदियों की भी डिसिल्टिंग करके गहराई सुनिश्चित करते हुए रिवर बेड को सुदृढ़ किया जाए, जिससे जलधाराओं का प्राकृतिक प्रवाह बना रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ड्रेनों आदि में जलकुंभी उगते हैं, उनकी तुरंत सफाई करवाई जाए, ताकि जल प्रवाह में कोई बाधा उत्पन्न न हो। साथ ही, सभी बांधों की पूर्व जांच की जाए और यदि कहीं भी कोई कमी या क्षति पाई जाती है तो उसे समय रहते ठीक किया जाए। उन्होंने कहा

कि मानसून से पहले सभी अल्पावधि कार्यों को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए और सिंचाई एवं जल संसाधन व जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी स्थानीय जन प्रतिनिधियों और संबंधित उपायुक्त को भी दी जाए। राज्य में खालों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेशभर में 20 वर्ष से पुराने खालों की सूची तैयार की जाए, ताकि उनकी सफाई व मरम्मत की कार्य योजना बनाई जा सके। मुख्यमंत्री ने यमुना नदी को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए विशेष दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि यमुना नदी में किसी भी प्रकार का गंदे पानी का नाला न गिराया जाए। उन्होंने कहा कि जहां-जहां इंडस्ट्रियल वेस्ट नदी में प्रवाहित हो रहा है, वहां तुरंत सीईटीपी (कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) की स्थापना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि संबंधित शहरों में सीईटीपी परियोजनाओं के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि सीईटीपी से निकलने वाले शुद्ध जल का उपयोग सिंचाई जैसे कार्यों में भी किया जा सके, इसके लिए एक अलग व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने मानसून से पहले सभी वाटर हार्वेस्टिंग और वाटर रिचार्जिंग स्ट्रक्चरों की सफाई और सुदृढ़ीकरण के निर्देश भी दिए, ताकि वर्षा जल का अधिकतम संचयन और भूजल स्तर को बेहतर बनाने के प्रयास सफल हो सकें। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया कि हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की बैठक में 282 करोड़ रुपए की लागत की 209 अल्पावधि परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। इनमें से 103 परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है और शेष परियोजनाएं अनुमोदन के विभिन्न चरणों में हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि 30 जून तक सभी ड्रेनों की सफाई का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

सिविल डिफेंस प्रशिक्षण राष्ट्र सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

एजेंसी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की एनएसएस सेल द्वारा सिविल डिफेंस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयंसेवकों को सुरक्षा, सतर्कता एवं राष्ट्र सेवा से जुड़ी आवश्यक जानकारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गणित विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. जितेन्द्र सिंह सिक्का जी रहे, जिन्होंने अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में कहा कि समाज के प्रत्येक नागरिक को वर्दीधारी बलों के प्रति सम्मान और आभार का भाव रखना चाहिए कृ चाहे वे सीमा पर तैनात हमारे वीर सैनिक हों अथवा समाज की सेवा में समर्पित होम गार्ड व सिविल डिफेंस के कर्मठ सदस्य। जब हम अपने घरों में निश्चित रहते हैं, तो ये टीमें हमारी सुरक्षा की जिम्मेदारी बखूबी निभा रही होती हैं। एनएसएस को

ऑर्डिनेटर प्रो. सविता राठी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि वर्तमान समय में भारत-पाक संबंधों में व्याप्त तनाव के चलते देश के नागरिकों का सजग, सतर्क एवं प्रशिक्षित होना अति आवश्यक है। ऐसे में सिविल डिफेंस प्रशिक्षण राष्ट्र सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर सिविल डिफेंस टीम बिजेन्द्र राठी जी के नेतृत्व में प्रशिक्षण हेतु उपस्थित हुई। होम गार्ड टीम से श्री मनोज हुड्डा ने प्रशिक्षण में कुल 16 बचाव तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया, जिनमें से 8 एक व्यक्ति द्वारा किए जा सकते हैं और 8 दो व्यक्तियों द्वारा तकनीकें सम्मिलित रहीं। स्वयं सेवकों को अत्यंत प्रभावी एवं व्यावहारिक ढंग से विभिन्न बचाव तकनीकों फॉरवर्ड ड्रैग मेथड, फायरमैन लिफ्ट, पिगी बैक कैरी (पीठ पर लादकर), दो हाथों की कुर्सीनुमा विधि, तदर्थ स्ट्रेचर निर्माण, सिर-पैर उठाने की विधि का प्रदर्शन एवं अभ्यास करवाया। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों ने सेवा, सुरक्षा एवं समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को गंभीरता से निभाते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भागीदारी की, जिससे यह आयोजन अत्यंत सार्थक, सफल एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

अवैध पेयजल कनेक्शन पर कसेगा शिकंजा

एजेंसी

जींद। पेयजल व सीवरेज के अवैध कनेक्शनों पर शिकंजा कसने के लिए विभाग ने कमर कस ली है। इसके लिए जिला के सभी शहरो में पहले ऐसे उपभोक्ताओं को नोटिस दिया जाएगा ओर बाद में कनेक्शन काटे जाएंगे। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता एवं नोडल अधिकारी भानु प्रकाश शर्मा ने बताया कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जिला के सभी शहरी क्षेत्र में विभाग की टीम बनाकर लोगों के पेयजल व सीवरेज से संबंधित समस्याओं को दूर किया जा रहा है। इसके तहत विभाग की टीम घर-घर जाकर पेयजल कनेक्शन की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में कुछ पेयजल उपभोक्ताओं द्वारा सर्विस स्टेशन के लिए पेयजल का उपयोग किया जा रहा है या अन्य तरीके से अवैध कनेक्शन किए हुए हैं, ऐसे उपभोक्ताओं के खिलाफ जींद शहर में खंड समन्वयक दिनेश मालिक व ईश्वर सिंह, उचाना में कुशल शर्मा, नरवाना में सुरेंद्र नरवाल, जुलाना में सोमलता सैनी व सफीदों में बलवान सिंह व पिल्लूखेड़ा में सुरेंद्र दुग्गल के नेतृत्व में अभियान चलाया जाएगा। जिला सलाहकार रणधीर मताना ने कहा कि कुछ लोगों द्वारा सब्जी व हरे चारे के लिए पेयजल का गलत तरीके से उपयोग किया जाता है। अगर कोई भी उपभोक्ता पेयजल का उपयोग सब्जी

उगाने व हरा चारा उगाने के लिए करता हुआ पाया जाता है तो उसको पहले नोटिस दिया जाएगा और बाद में उसका पेयजल का कनेक्शन काट कर उसके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि उपमंडल अभियंता, कनिष्ठ अभियंता व जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन सदस्यों की निगरानी में यह अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही जल संरक्षण अभियान के तहत विभाग की टीम शहरी क्षेत्र में घर-घर जाकर पेयजल कनेक्शन चैक करेंगी।

आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी रोकने को डीसी ने व्यापारियों से की बैठक

एजेंसी

झज्जर। वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत प्रशासनिक सतर्कता और नागरिक सहयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने गैस एजेंसी एसोसिएशन, पेट्रोल पंप एसोसिएशन व किराना एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ विशेष बैठक आयोजित की। बैठक में जिले में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति, स्टॉकिंग की स्थिति और सुरक्षा मानकों पर विस्तार से चर्चा की गई।

डीसी स्वप्निल पाटिल ने सोमवार को कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जिला झज्जर में आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी और अवैध भंडारण कानूनन अपराध माना जाएगा। उन्होंने बताया कि इस आदेश के अंतर्गत चावल, गेहूं, दालें, खाद्य तेल, सब्जियां, दूध एवं दुग्ध उत्पाद, दवाइयां, पेट्रोल-डीजल जैसी आवश्यक वस्तुओं का अनावश्यक भंडारण दंडनीय है। बैठक में डीसी ने पेट्रोल पंप और गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों को सुरक्षा मानकों की पूरी अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह संस्थान न केवल उत्पाद आपूर्ति के प्रति सजग

रहना है बल्कि सुरक्षा प्रोटोकॉल का भी गंभीरता से पालन करें। मीटिंग में एसडीएम रविंद्र यादव, डीएफएससी अशोक शर्मा, एएफएसओ अमरजीत, आईओसीएल प्रतिनिधि अश्विन यादव, बीपीसीएल प्रतिनिधि अवनीश कुमार, पेट्रोल पंप एसोसिएशन प्रधान नसीब कादयान, गैस एजेंसी एसोसिएशन प्रधान सतबीर दहिया, किरयाना, होलसेल एसोसिएशन प्रधान प्रकाश सिंह अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन को आश्वस्त किया कि जिले में राशन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है और भविष्य में भी इसमें कोई बाधा नहीं आने दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि वे प्रशासन के सभी निर्देशों की पूरी गंभीरता से पालना करेंगे।डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि यह समय सजग और जिम्मेदार नागरिक बनने का है।

उच्च अधिकारी प्रतिमाह कम से कम चार स्कूलों का करें निरीक्षण : ढांडा

एजेंसी

जींद। डीआरडीए सभागार में जिला परिवेदना समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने की। बैठक में कुल 18 शिकायतें रखी गई, जिसमें से चार का निपटान हुआ और 14 को अगली बैठक के लिए रखा गया। इन शिकायतों में बहुत पुराने-पुराने मामले हैं तथा लंबे समय से विवाद चल हुए हैं। इसलिए उनमें जांच के लिए समय लगता है। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रदेशभर के स्कूलों में हर जिला में डीसी, एसपी, एसडीएम तथा डीएसपी को हर महीने राउंड लेने के लिए बोला गया है। जिससे स्कूलों की मूलभूत समस्याओं का पता चल सके तथा शिक्षा का स्ट्रक्चर गति पकड़े। चाहे ढांचागत समस्या हो या जिस भी तरह की समस्या हो उसका पता चल कर उसे तुरंत प्रभाव से दूर करवाया जाएगा। समय पर स्कूलों में किताबें न भेजने के संबंध में पूछे गए सवाल पर मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि सभी स्कूलों में किताबें समय पर भेज दी गई हैं। इसके अलावा अन्य जो भी कार्य समय पर होना है, वह जिला के सभी उच्च अधिकारी प्रतिमाह कम से कम चार स्कूलों का निरीक्षण कर वहां बच्चों को दी जा रही गुणवत्तापूरक शिक्षा एवं उनकी मूलभूत सुविधाओं की जांच करें।

सब समय पर हो रहा है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम में हटाए गए कर्मचारियों के संबंध में सवाल पूछने पर बताया कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम एक वर्ष के लिए नियुक्ति देता है। उनको हटाया नहीं गया है। उनका समय समाप्त हो गया है। प्रदेशभर में अबकी बार स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ी है तथा अभीतक तो दाखिले शुरू हैं। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि अगर किसी स्कूल में कोई कमी आंकी जाती है तो उसको पूरा करवाएं ताकि शिक्षा स्तर और अधिक मजबूत हो सके। इस अवसर पर उचाना के विधायक देवेंद्र अत्री, बीजेपी के जिला प्रधान तेजेन्द्र ढूल, डीसी मोहम्मद इमरान रजा, पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंहए, डीसी विवेक आर्य, एएसपी सोनाक्षी सिंह सहित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल से मुलाकात करते हुए

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा सरकार में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर के जगाधरी निवास पर जाकर उनके साथ शिष्टाचार मुलाकात कर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श किया। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि उनकी यह मुलाकात शिष्टाचार मुलाकात हुई व अलग-अलग विषयों पर महत्वपूर्ण विचार विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व भाजपा सरकार की हर नीति जन हित में है। हरियाणा प्रदेश भाजपा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अनेकों ऐसी जनकल्याणकारी योजनाएं बनाई है। जिनका सीधा लाभ जनता को मिल रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन करने का काम किया है। लोगों को ऑनलाइन तरीके से योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार का प्रयास रहा है कि केंद्र और प्रदेश की योजनाओं का लाभ आखिरी छोर पर बैठे व्यक्ति तक को मिले।पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि ने आज हमारा हरियाणा विश्व पटल पर चमक रहा है। यह हमारे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी के अथक प्रयासों से संभव हुआ है। भाजपा एकमात्र राजनीतिक पार्टी है जो संगठनात्मक रूप से कार्य करते हुए सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के मूल मंत्र के साथ बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है।

प्रगतिशील किसानों ने मशरूम की खेती कर अन्य किसानों को दिखाई राहः ओम प्रकाश यादव

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा सरकार प्रदेश के किसानों को परंपरागत फसल चक्र से निकालकर फलों व सब्जियों की खेती व आधुनिक तकनीक के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही है। जिला महेंद्रगढ़ के कुछ प्रगतिशील किसानों ने मशरूम की खेती करके अन्य किसानों को नई राह दिखाई है। यह बात नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव ने बागवानी विभाग के अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों की बदौलत अब किसान धीरे-धीरे प्राकृतिक खेती की तरफ भी बढ़ रहा है। विभाग के अधिकारी भी लगातार इसी प्रकार किसानों को प्रोत्साहित करते रहें। उन्होंने कहा कि जिले की भौगोलिक स्थिति व किसानों की कम जोत क्षेत्र को देखते हुए मशरूम की खेती किसानों की आय बढ़ाने के लिए बेहतर विकल्प के रूप में उभरा है।जिला उद्यान अधिकारी डॉ. प्रेम ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपनाई गई मशरूम की खेती के लाभार्थियों के साथ-साथ विभाग द्वारा चलाई जा रही अन्य स्कीमों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बागवानी विभाग द्वारा लो कोस्ट मशरूम हट 30 गुणा 20 फुट बनाने पर 30 हजार रुपये का

खर्चा आता है जिस पर अनुसूचित जाति के किसानों को 85 प्रतिशत व सामान्य किसानों को 75 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। इसी तरह 100 बटन मशरूम ट्रे जिसकी लागत 30 हजार रुपए होने पर अनुसूचित जाति के किसानों को 85 प्रतिशत व ओ एस्टर मशरूम ट्रे जिसकी लागत 30 हजार रुपए होने पर सामान्य किसान को 50 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है।

उन्होंने बताया की इस स्कीम के लाभ की अधिकतम सीमा प्रति किसान एक मशरूम हट व 100 मशरूम ट्रे की ही है। विधायक ओमप्रकाश यादव ने जिला उद्यान अधिकारी को इस स्कीम का फायदा ज्यादा से ज्यादा किसानों को पहुंचाने के लिए मशरूम हट का क्षेत्र व मशरूम ट्रे की अधिकतम सीमा बढ़ाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने बागवानी लगाने वाले सभी किसानों से आह्वान किया कि वे बागवानी फसलों का बीमा मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना के माध्यम से अवश्य करवाएं ताकि प्राकृतिक आपदा आने पर उचित नुकसान की भरपाई हो सके।

आठ दिवसीय प्रशिक्षण में जिले के 40 मेंटोर लेंगे हिस्सा

एजेंसी

जींद। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत शिक्षा विभाग द्वारा राज्य स्तर पर सभी एबीआरसी और बीआरपी को केआरपी के तौर पर आठ दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें सभी केआरपी अपने जिलों में सभी प्राथमिक शिक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। जिला जींद के मेंटोर को दो चरणों में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पहला बैच 14 मई से 21 मई तक चलेगा व दूसरा बैच 24 मई से एक जून तक चलेगा। पहले व दूसरे बैच में 40-40 मेंटर प्रशिक्षण लेंगे। जिला समन्वयक एफएलएन राजेश वशिष्ठ ने बताया कि इस प्रशिक्षण के पहले तीन दिन में मेंटर की भूमिका, जिम्मेदारियां और आगामी सत्र में बच्चों के सीखने के स्तर को बढ़ाने की रणनीतियों को लेकर कार्य एवं शिक्षकों को सहयोग विषय को लेकर होगा। इसके बाद अगले पांच दिन भाषा शिक्षण एवं गणित में शिक्षण के तरीकों एवं सत्र 2025- 26 में आगामी योजना, नई पाठ्य पुस्तकों को लेकर कार्य एवं शिक्षण अधिगम सामग्री को लेकर जानकारी दी जाएगी। जिला जींद से राज्य प्रशिक्षण समूह में अमनदीप एबीआरसी, प्रवीण कुमार एबीआरसी और बलराज एबीआरसी का चयन किया गया। जिन्होंने आठ दिन पंचकूला में प्रशिक्षण लिया है व अब ये राज्य स्तर पर अलग-अलग जिलों के मेंटर

को प्रशिक्षण देंगे। जिला समन्वयक एफएलएन राजेश वशिष्ठ ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में एसटीसी सदस्य अमनदीप, प्रवीण कुमार, बलराज के साथ बैठक आयोजित करके प्रशिक्षण पर चिंतन मंथन किया ताकि नई शिक्षा नीति को मजबूती दी जा सके व बच्चों को बिना भय के खेल खेल में शिक्षा मिले ।

सोनीपत के गांव भिगान में सुधरा लिंगानुपात, उपायुक्त ने किया सम्मानित

सोनीपत। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जिला सोनीपत के गांव भिगान को वर्ष 2024 में बेहतरीन लिंगानुपात प्रति एक हजार लड़कों पर 1486 लड़कियां हासिल करने के लिए उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने सम्मानित किया। इस उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में गांव की तीन मेधावी छात्राओं को 1.5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

कक्षा 10वीं में प्रथम आई अंकिता को 75 हजार रुपये, द्वितीय स्थान पर रही मीनू को 45 हजार तथा तृतीय स्थान प्राप्त ब्यूटी को 30 हजार रुपये का चेक व प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

NAME CHANGE

It is for general information that I, Bharpai W/O Late Shri Daya Chand R/o Rathiwas, Sidhrawati Gurgaon, Haryana-122413, declare that name of mine has been wrongly written as ANITA DEVI in my service records. the actual name of mine is Bharpai respectively which may be amended accordingly

नर्सिंग स्टाफ चिकित्सा क्षेत्र की रीढ़ व मानवता की मिसाल :डीपी वत्स

एजेंसी

हिसार। चिकित्सा क्षेत्र की रीढ़ ही नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ होता है, जो वास्तव में मरीज के ठीक होने में उतनी ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जितनी एक डॉक्टर। पूरी मानव जाति को नर्सिंग समुदाय का उनकी सेवाओं के लिए आभारी होना चाहिए। यह कहना है पूर्व राज्यसभा सांसद जनरल डीपी वत्स का। वे महाराजा अग्रसेन चिकित्सा महाविद्यालय के टेकचंद सभागार में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर कार्यक्रम में नर्सिंग छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनके साथ महाविद्यालय निदेशक (प्रशासन) डॉ. आशुतोष शर्मा व मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. राजीव चौहान ने भी पैरामेडिकल स्टाफ को बधाई दी। कार्यक्रम का शुभारंभ लेफ्टिनेंट जनरल डीपी वत्स ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि ये अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। फ्लोरेंस ने 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान दुश्मन देश के घायल सैनिकों की सेवा कर मानवता की अद्भुत मिसाल पेश की थी, जिसके चलते आज हम उन्हें याद करते हैं। आर्मी के मेडिकल में तो उनकी याद में नाईटिंगेल वार्ड भी बनाए हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर जितना महत्त्वपूर्ण है, उतना ही नर्सिंग स्टाफ भी। नर्सिंग की पढ़ाई कर रही छात्राओं को मानवता और समाज की सेवा का प्रण लेकर इस विश्व को बेहतर बनाने और फ्लोरेंस नाइटिंगेल की तरह आदर्श पेश करने के लिए प्रेरित होना चाहिए।प्रिंसिपल नर्सिंग कॉलेज डॉ. प्रोमिला पांडे ने नर्सिंग की छात्राओं को मानवता की सेवा करने व अपनी ज़िम्मेदारी के प्रति कर्तव्य बद्ध रहने की शपथ दिलाई और चिकित्सा के क्षेत्र में बिना भेदभाव के हर रोगी की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

संघर्ष विराम और मजबूत ग्लोबल संकेतों से झूमा शेयर बाजार, स्टॉक मार्केट में दिखी 4 साल की सबसे बड़ी सिंगल डे रैली

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का ऐलान होने के बाद आज घरेलू शेयर बाजार में पिछले 4 साल की सबसे बड़ी तेजी दर्ज की गई। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स इंट्रा-डे में 3 हजार अंक से भी अधिक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने भी 900 अंक से अधिक की छलांग लगाई। पिछले 4 सालों में सेंसेक्स और निफ्टी की ये अभी तक की सबसे बड़ी सिंगल डे रैली रही है। अगर वृद्धि प्रतिशत की बात की जाए, तो आज के कारोबार में सेंसेक्स 3.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी ने 3.82 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। वृद्धि प्रतिशत के लिहाज से 2021 से लेकर अभी तक की अवधि में ये शेयर बाजार की दूसरी सबसे बड़ी बढ़त रही। इसके पहले 1 फरवरी 2021 को सेंसेक्स और निफ्टी 4.7 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए थे। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर बने तनाव के कम होने से निवेशकों के सेंटीमेंट्स में काफी सुधार हुआ है। इसके साथ ही अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड और टैरिफ को लेकर सकारात्मक बातचीत हो जाने के कारण भी मार्केट सेंटीमेंट्स पॉजिटिव हुए हैं। यही कारण है कि घरेलू शेयर बाजार में आज चौतरफा तेजी का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से शेयर बाजार के निवेशकों को 1 दिन में ही 16 लाख करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत जोरदार मजबूती के साथ हुई थी।

अमेरिका-चीन में हुई ट्रेड डील, दोनों देश टैरिफ में 115 फीसदी कटौती पर हुए सहमत

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच जिनेवा में चल रही दो दिवसीय बैठक के बाद ट्रेड डील पर सहमति बन गई है। दोनों देशों ने टैरिफ में 115 फीसदी कटौती करने का ऐलान किया है। जिनेवा में दोनों देशों के बीच हुए समझौते के मुताबिक अमेरिका, चीन के सामानों पर 30 फीसदी और चीन, अमेरिकी सामानों पर 10 फीसदी टैरिफ लगाएगा। दोनों देशों के बीच टैरिफ में हुए ये बदलाव 14 मई, 2025 से लागू हो जाएंगे। अमेरिका और चीन के बीच जिनेवा में चल रही दो दिवसीय बैठक के बाद जारी एक बयान में बताया कि दोनों देश एक-दूसरे पर टैरिफ घटाने पर सहमत हो गए हैं। अमेरिका और चीन दोनों देशों के बीच हुई इस बैठक के बाद बनी सहमति अमेरिका ने चीन पर 90 दिनों के लिए टैरिफ 30 फीसदी कर दिया है। वहीं चीन ने भी अमेरिका के लिए 90 दिनों के लिए टैरिफ को 125 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी कर दिया है। अमेरिका और चीन ने कहा कि वे टैरिफ पर 90 दिनों के विराम पर सहमत हो गए हैं। इससे पारस्परिक शुल्कों में तेजी से कमी आएगी, जिससे निवेशकों को कुछ भरोसा हुआ कि पूर्ण पैमाने पर व्यापार युद्ध टल गया है। उल्लेखनीय है कि यह बैठक 9 मई से चल रही थी, जिसकी अगुवाई अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट और चीनी उप-प्रधानमंत्री हे लिफेंग ने की है।

किसानों को उनकी उपज खरीद का भुगतान होने में देरी नहीं होना चाहिए- शिवराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देश के कृषि क्षेत्र की प्रगति के संबंध में कृषि भवन में समीक्षा बैठक की और वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शिवराज ने किसानों से चना, मसूर, उड़द एवं अरहर की खरीद के संबंध में निर्देश देने के साथ ही अधिकारियों से कहा कि ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए, जिससे कि किसानों को उनकी उपज खरीद का भुगतान होने में देरी नहीं हो। उन्होंने मीडिया को बताया कि देश में चावल और गेहूं का वास्तविक स्टॉक बफर मानक के मुकाबले काफी ज्यादा है। समीक्षा बैठक में शिवराज ने इस बात पर संतोष के साथ ही प्रसन्नता व्यक्त की कि चावल-गेहूं का वास्तविक स्टॉक, बफर मानक के मुकाबले ज़्यादा है। चावल का वास्तविक स्टॉक 135.80 एलएमटी के बफर मानक के मुकाबले 389.05 एलएमटी है। गेहूं का वास्तविक स्टॉक 74.60 एलएमटी के बफर मानक के मुकाबले 177.08 एलएमटी है। इस प्रकार चावल व गेहूं का वास्तविक स्टॉक 210.40 एलएमटी के बफर मानक के मुकाबले 566.13 एलएमटी है। गेहूं के लिए प्रमुख राज्य उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व बिहार हैं। कटाई की स्थिति 2 मई 2025 तक मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात में 100 प्रतिशत, उत्तरप्रदेश में 94 प्रतिशत, पंजाब में 97 प्रतिशत एवं बिहार 96 प्रतिशत गेहूं की कटाई पहले ही हो चुकी है।

आयकर विभाग ने वर्ष 2025-26 के लिए सभी 7 आईटीआर फॉर्म किए अधिसूचित

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए सभी 7 आयकर रिटर्न फॉर्म (आईटीआर) अधिसूचित कर दिए हैं। केंद्रीय प्रत?यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने अधिसूचना के जरिए आईटीआर-फॉर्म-7 को अधिसूचित किया है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा कि आकलन वर्ष 2025-26 के लिए सभी सात आयकर रिटर्न फॉर्म (आईटीआर) अधिसूचित कर दिया गया है। इससे पहले छोटे और मझोले करदाताओं द्वारा दाखिल किए जाने वाले आईटीआर फॉर्म एक और चार को 29 अप्रैल को अधिसूचित किया गया था। ट्रस्ट और धर्मार्थ संस्थानों द्वारा दाखिल किए जाने वाले आईटीआर-7 फॉर्म को 11 मई को अधिसूचित किया गया। आईटीआर-1 और 4 में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है, जिसे 29 अप्रैल, 2025 को अधिसूचित किया गया था, जो सूचीबद्ध इक्विटी से पूंजीगत लाभ आय की रिपोर्टिंग से संबंधित है।

ऑपरेशन सिन्दूरः ट्रावोमिंट ने तुर्की, अजरबैजान की एयरलाइनों के टिकट बेचने बंद किये

नयी दिल्ली। भारत की अग्रणी ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसी ट्रावोमिंट ने पाकिस्तान के साथ सीमा पर तनातनी के बीच उसको एकतरफा समर्थन देने के तुर्की और अज़रबैजान के रवैये को देखते हुए अपने प्लेटफार्म पर उनकी एयरलाइनों के टिकटों की बुकिंग बंद कर दी है। ट्रावोमिंट ने एक विज्ञप्ति में बताया कि कहा कि उसने तुर्की एयरलाइंस, पेगासस एयरलाइंस, कोरेंडन एयरलाइंस और अज़रबैजान एयरलाइंस (एजेडएएल) के लिये टिकटों की सभी बिक्री निलंबित करने का निर्णय किया है। उसने कहा है कि भविष्य में किसी भी घटनाक्रम के बावजूद उसका निर्णय अपरिवर्तित रहेगा और आगे भी ट्रावोमिंट इन देशों की ट्रैवेल इकाइयों के साथ कोई साझेदारी नहीं करेगा। उसका कहना है कि यह निर्णय राष्ट्रीय भावना के अनुरूप है तथा ट्रावोमिंट की देशभक्ति और अपने ग्राहकों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इसके अतिरिक्त, ट्रावोमिंट ने उन यात्रियों के लिये रद्द करने का शुल्क माफ कर दिया है, जिन्होंने पहले ही इन गंतव्यों के लिये उड़ानें बुक कर ली थीं। उसका कहना है कि आपातकालीन एवं मानवीय यात्रा आवश्यकताओं पर मामला-दर-मामला आधार पर विचार किया जायेगा। ट्रावोमिंट के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी आलोक कुमार सिंह ने कहा,' हम एक गौरवान्वित भारतीय ओटीए हैं, और हमारी जिम्मेदारी और कर्तव्य सबसे पहले राष्ट्र और उसके लोगों के प्रति हैं।श्री सिंह ने कहा, यह बहिष्कार नहीं है- यह उन लोगों से अलगाव का प्रतीक है जो चुप्पी साधे हुये हैं और अनिश्चितता के इस समय में हमारे साथ खड़े नहीं हैं। तुर्की के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय की एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि 2024 में भारत से 3.30 लाख यात्रियों ने वहां की यात्रा की थी। पिछले 10 साल में भारत से सैर-सपाटे के लिए तुर्की जाने वाले यात्रियों की संख्या करीब दो गुनी हो गयी है, जो वहां के पर्यटन उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है। इसी तरह अजरबैजान के पर्यटन बोर्ड के हवाले से कहा गया है कि पिछले वर्ष भारत से 2.44 लाख लोगों ने वहां की यात्रायें कीं। पाकिस्तान में आतंकवादियों और उनके ठिकानों पर भारत ऑपरेशन के दौरान सोशल मीडिया पर भारत के लोगों ने तुर्की और अजरबैजान की सरकारों की ओर से पाकिस्तान को दिये गये एकतरफा समर्थन के लिये उनकी आलोचना की थी। आलोचकों ने इन देशों के पर्यटन उद्योग को भारतीय लोगों से होने वाले लाभ के बावजूद पाकिस्तान को उनके समर्थन पर रोष जताया था।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.67 प्रतिशत उबलकर 61.43 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.58 प्रतिशत की तेजी के साथ 64.28 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

सी-डॉट, सिनर्जी क्वांटम ड्रोन आधारित प्रणालियों के लिए मिल कर करेंगे क्वांटम प्रौद्योगिकी का विकास

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) की दूरसंचार अनुसंधान एवं विकास एजेंसी सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) ने क्वांटम प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की अत्याधुनिक डीप-टेक कंपनी सिनर्जी क्वांटम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ उन्नत क्वांटम प्रौद्योगिकी से सुरक्षित दूरसंचार प्रणालियों की प्रौद्योगिकी पर मिल कर काम करने का समझौता किया है। दोनों के बीच इस मामले में एक करार पर हस्ताक्षर किए गए है। इस उद्देश्य ड्रोन आधारित क्वांटम की डिस्ट्रिब्यूशन (क्यूकेडी) प्रणालियों के विकास में सी-डॉट और सिनर्जी क्वांटम के बीच सहयोग को औपचारिक रूप प्रदान करना है जिनमें दूरसंचार प्रौद्योगिकी तत्परता स्तर (टीआरएल) छह या उससे ऊपर की पोलराइजेशन (समन्वयकारी) एन्कोडिंग के लिए छद्म बीबी84 प्रोटोकॉल का उपयोग किया जाता है। दूरसंचार विभाग की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि यह साझेदारी आत्मनिर्भर भारत पहल के अंतर्गत स्वदेशी अनुसंधान एवं नवाचार को मजबूती प्रदान करने तथा उभरती एवं सुरक्षित दूरसंचार प्रौद्योगिकियों में भारत की क्षमता बढ़ाने के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस सहयोग अंतर्गत सी-डॉट और सिनर्जी क्वांटम संयुक्त रूप से ड्रोन-आधारित तैनाती के लिए अनुकूलित क्वांटम संचार प्रौद्योगिकियों के विकास को आगे बढ़ाएंगे। सी-डॉट के सीईओ डॉ. राजकुमार उपाध्याय ने कहा, क्वांटम प्रौद्योगिकियों में अगली पीढ़ी के सुरक्षित संचार के लिए अपार संभावनाएं हैं और सिनर्जी क्वांटम के साथ यह सहयोग इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में स्वदेशी क्षमता बढ़ाने के हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाता है।सिनर्जी क्वांटम इंडिया के संस्थापक और सीईओ जय ओबेरॉय ने सी-डॉट के साथ काम करने पर उत्साह व्यक्त किया और कहा कि इस साझेदारी में भारत को ड्रोन-आधारित क्वांटम सुरक्षित संचार में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने की क्षमता है।

अमेरिका-चीन ट्रेड डील से कच्चे तेल में तेजी, दो सप्ताह के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा क्रूड

एजेंसी

नई दिल्ली। । अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड डील फाइनल होने की खबर आते ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमत में एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है। पिछले कुछ दिनों से लगातार गिरावट का सामना कर रहा कच्चा तेल आज पिछले दो सप्ताह की ऊंचाई पर पहुंच कर कारोबार कर रहा है। कच्चे तेल की कीमत में आज एक ही दिन में तीन प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है। आज की तेजी के कारण भारतीय समय के अनुसार शाम 6 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 3.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 66.38 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 4 प्रतिशत उछल कर 63.59 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया था। माना जा रहा है कि अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड डील फाइनल हो जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की मांग में तेजी आ सकती है। हालांकि ये तेजी कितने दिन तक कायम रहेगी, इसके बारे में अभी से कुछ भी नहीं कहा जा सकता है,

क्योंकि तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक प्लस ने जून के महीने में कच्चे तेल के उत्पादन में बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। ऐसा होने पर मांग की तुलना में कच्चे तेल की उपलब्धता अधिक हो सकती है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमत में एक बार फिर गिरावट का दौर शुरू हो सकता है।

क्रूड ऑयल के अलावा कमोडिटी मार्केट में आज एग्रो कमोडिटीज में से एक हल्दी ने हलचल मचा रखी है। हल्दी की कीमत में 1 दिन में ही 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी आ गई है। हल्दी का मई महीने का वायदा 14,300 रुपये के स्तर को पार कर गया है। हल्दी की कीमत में पिछले 3 महीने से लगातार तेजी बनी हुई है। इस अवधि में इस कमोडिटी में 15 प्रतिशत तक का उछाल आ चुका है।

श्रीराम जनरल इंश्योरेंस का मुनाफा आठ प्रतिशत चढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीराम जनरल इंश्योरेंस कंपनी (एसजीआई) वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए सकल लिखित प्रीमियम (जीडब्ल्यूपी) में 876 करोड़ रुपये से 25 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी लेकर 1,099 करोड़ रुपये हो गया जबकि शुद्ध लाभ आठ प्रतिशत बढ़कर 130 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने यहां बयान जारी कर बताया कि यह वृद्धि मोटर बीमा खंड में केंद्रित रणनीति और बेहतर वितरण नेटवर्क का प्रतिफल है, जिसने कंपनी को बीमा उद्योग की औसत वृद्धि दर से कई गुना बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाया है। चौथी तिमाही में उसका जीडब्ल्यूपी 876 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,099 करोड़ रुपये हो गया जबकि शुद्ध लाभ आठ प्रतिशत बढ़कर 130 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पूरे वित्तीय वर्ष 2025 के दौरान, कंपनी का जीडब्ल्यूपी 24 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3,036 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,753 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि सामान्य बीमा उद्योग की छह प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के मुकाबले चार गुना अधिक है। इसी अवधि में एसजीआई का शुद्ध लाभ 13 प्रतिशत बढ़कर 455 करोड़ रुपये से 515 करोड़ रुपये हो गया।

एसजीआई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल अग्रवाल ने कहा, हमारी रणनीतिक प्राथमिकताओं विशेष रूप से मोटर बीमा खंड में केंद्रित दृष्टिकोण ने हमें बाजार की अस्थिरताओं के बावजूद लचीलापन और चपलता प्रदान की है। आगे चलकर हम डिजिटल परिवर्तन, विविध पोर्टफोलियो और कम सेवा वाले क्षेत्रों में गहरी पैठ बनाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। कंपनी की वित्तीय मजबूती का प्रमाण इसका 3.51 का सॉल्वेंसी अनुपात है, जो बीमा नियामक द्वारा निर्धारित न्यूनतम 1.50 की आवश्यकता से काफी अधिक है। साथ ही, मार्च 2025 तक एसजीआई ने 65.17 लाख लाइव पॉलिसी दर्ज कीं, जो पिछले वर्ष के 62.59 लाख से अधिक हैं। डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में भी एसजीआई ने बड़ी छलांग लगाई है। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में कंपनी ने 5,479 नए वित्तीय सलाहकारों की नियुक्ति की, जिससे कुल सलाहकारों की संख्या 89,621 हो गई है। कंपनी का लक्ष्य है कि वित्त वर्ष 2030 तक यह आंकड़ा दो लाख तक पहुंचे।

सरकार ने नागरिक उड़ानों को अनुमति दी, 32 बंद हवाई अड्डे फिर से खुले

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अपने सभी 32 हवाई अड्डों को फिर से खोल दिया है, जो भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के कारण 9 मई से बंद थे। सरकार ने यह कदम उड़ान संचालन को फिर से शुरू करने के लिए नोटैम्स (एयरमैन को नोटिस) जारी करने के बाद उठाया गया है।नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि 15 मई, 2025 को 05ऱ्29 बजे तक नागरिक विमान परिचालन के लिए 32 हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करने की अधिसूचना हटा दी गई है। ये सभी हवाई अड्डे अब तत्काल प्रभाव से नागरिक विमान परिचालन के लिए उपलब्ध हैं। मंत्रालय के मुताबिक फिर से खुलने वाले अन्य हवाई अड्डों में श्रीनगर, अमृतसर, लुधियाना, भुंतर, किशनगढ़, पटियाला, शिमला, कांगड़ा-गग्गल, भठिंडा, जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, हलवारा, पठानकोट, जम्मू, लेह, मुंद्रा, जामनगर, हीरासर, पोरबंदर, केशोद, कांडला और भुज शामिल हैं। इस आदेश के बाद चंडीगढ़ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने घोषणा की कि 12 मई सुबह 10 बजे से उड़ानों का संचालन फिर से शुरू कर दिया गया है। इस बीच इंडिगो एयरलाइंस ने 'एक्स' पोस?ट पर साझा की गई एक ट्रैवल एडवाइजरी में कहा कि हवाई अड्डों पर उसके सभी ऑपरेशन धीरे-धीरे फिर से शुरू हो जाएंगे। हालांकि, विमानन दिग्गज ने कहा कि जैसे-जैसे स्थिति सामान्य होगी, निर्धारित उड़ानों में देरी हो सकती है और यात्रियों को उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह दी। कंपनी ने कहा कि यात्रियों को सलाह दी जाती है।

भारत-पाकिस्तान तनाव से प्रभावित मार्गों पर एयर इंडिया फिर से शुरू करेगी परिचालन

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एअर इंडिया अब हालात सामान्य होने के बाद उड़ानें फिर से शुरू कर रही है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने की वजह से देश के 32 एयरपोर्ट्स से फ्लाइट रद्द कर दी गई थीं। एअर इंडिया ने एक्स पोस्ट में बताया कि हवाई अड्डों को फिर से खोलने के बारे में विमानन अधिकारियों की अधिसूचना के बाद कंपनी जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट के लिए अपनी उड़ानें यानी परिचालन शुरू करने की दिशा में काम कर रही है। इसके अलावा इंडिगो एयरलाइंस ने भी हवाई अड्डों के फिर से खुलने के बाद अपनी उड़ानें बहाल करने की कोशिश कर रही है। एअर इंडिया ने कहा कि हम इस समय आपकी समझदारी की

सराहना करते हैं, क्योंकि हमारी टीमें इन हवाई अड्डों पर परिचालन को सामान्य बनाने के लिए काम कर रही हैं। कृपया आगे की अपडेट के लिए बने रहें। इसके साथ ही किसी अन्य जानकारी के लिए 011-69329333/011-69329999 नंबर पर संपर्क करें। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि बदलती परिस्थितियों के कारण 15 मई तक बंद 32 एयरपोर्ट्स तत्काल प्रभाव से एयरक्राफ्ट ऑपरेशन्स के लिए उपलब्ध हैं। यात्रियों को फ्लाइट्स की जानकारी के लिए एयरलाइन कंपनियों की वेबसाइट देखने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही बताया कि एयरपोर्ट्स से यात्रा करने वाले यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी संबंधित एयरलाइनों से सीधे फ्लाइट स्टेटस की जांच करके अपडेट रहें। उल्लेखनीय है कि भारत ने 7 मई, 2025 को पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर के तहत एयर स्ट्राइक कर 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले का बदला लिया है। इस दौरान भारत ने 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जबकि इस ऑपरेशन में 100 से ज्यादा आतंकियों की मौत हुई। इसके बाद से भारत पाकिस्तान में तनाव बढ़ गया था। हालांकि, 10 मई से दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम लागू है।

वैगन आर, आल्टो के 10 व ईको में आएंगे छह एयरबैग : मारुति सुजुकी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी वैगन आर, आल्टो के 10 और ईको मॉडल की सभी कारों में छह एयरबैग को मानक के रूप में शामिल किया है। कंपनी द्वारा यह अपडेट सुरक्षा को बढ़ाने के लिए किया है। अब इन कारों में सफर के दौरान यात्री पहले से ज्यादा सुरक्षित रहेंगे। मारुति सुजुकी इंडिया प्रबंधन द्वारा जारी बयान के मुताबिक वैगनआर, ऑल्टो के 10, सेलेरियो और ईको जैसे मॉडल के सभी संस्करणों में छह एयरबैग की पेशकश करेगी। कंपनी ने कहा कि यह कदम विभिन्न क्षेत्रों में ग्राहकों के लिए बढ़ी हुई सुरक्षा की पेशकश करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा कि भारत में तेजी से फैल रहे आधुनिक सड़क ढांचे, हाई-स्पीड एक्सप्रेस-वे और विकसित हो रहे मोबिलिटी पैटर्न से पता चलता है कि मजबूत सुरक्षा उपायों की जरूरत पहले कभी इतनी अधिक नहीं थी। वैगन आर, ऑल्टो के 10, सेलेरियो और ईको में छह एयरबैग को मानक बनाने के निर्णय के साथ कंपनी यह सुनिश्चित कर रही है कि सभी के लिए बेहतर सुरक्षा उपलब्ध हो। पार्थो बनर्जी ने बताया कि इन मॉडल की अपार

लोकप्रियता को देखते हुए, यह कदम बड़ी संख्या में मोटर चालकों के लिए सुरक्षा मानकों को काफी हद तक बढ़ाता है और देश भर में यात्रियों की सुरक्षा में समग्र रूप से योगदान देता है। दरअसल मारूति अपने एरेना बिक्री नेटवर्क के जरिये वैगन आर, ऑल्टो के 10, सेलेरियो और ईको जैसे मॉडल की बिक्री करती है, जबकि नेक्सा नेटवर्क के जरिये वह बलेनो, ग्रैंड विटारा और इनविक्टो जैसे प्रीमियम मॉडल बेचती है।

अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगा सकता है भारत

मुंबई। अमेरिका के स्टील पर शुल्क लगाने के फैसले के बाद अब भारत भी अब अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) को इस प्रस्ताव की जानकारी दी है। अमेरिका भारतीय स्टील और एल्युमीनियम के निर्यात पर शुल्क वसूल रहा है। अमेरिका के स्टील शुल्क से बुरी तरह प्रभावित हुआ है भारत का निर्यात भारत ने विश्व व्यापार संगठन को सोमवार को दिए नोटिस में कहा है कि भारत छूट को समाप्त कर कुछ अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ा सकता है। भारत का कहना है कि ये अपने बचाव में उठाया गया कदम है। भारत का कहना है कि अमेरिका द्वारा स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों पर शुल्क लगाए जाने से उसके करीब 7.6 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस साल सत्ता में आने के बाद अपने संरक्षणवादी दृष्टिकोण को जारी रखा और दुनिया के कई देशों पर टैरिफ लगाने का एलान कर दिया। अपने पिछले कार्यकाल के दौरान भी ट्रंप ने स्टील और एल्युमीनियम पर राष्ट्रीय सुरक्षा की आड़ में शुल्क लगाए थे। भारत दुनिया में कच्चे इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। ऐसे में ट्रंप द्वारा स्टील और एल्युमीनियम पर लगाए गए शुल्क का भारत के निर्यात पर बड़ा असर पड़ा है।

कमोडिटी मार्केट में फिसला सोना, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। कमोडिटी मार्केट में सोना फिसलता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह चांदी की चमक भी फीकी पड़ती नजर आ रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 94 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से भी नीचे फिसल गया है। ये सोने का पिछले 5 दोनों का सबसे निचला स्तर है। इसी तरह चांदी की कीमत भी गिर कर 96 हजार रुपये प्रति किलोग्राम से नीचे चली गई है। एमसीएक्स की तरह ही कॉमेक्स (सीओएमईएक्स) पर भी सोना 3,280 डॉलर प्रति औंस के स्तर से नीचे फिसल गया है। सोने की तरह ही चांदी की कीमत भी कॉमेक्स पर 33 डॉलर प्रति औंस के नीचे पहुंच गई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिका और चीन के बीच हुई ट्रेड डील के कारण सोने में 'सेफ हेवेन' के रूप में होने वाले निवेश में कमी आ सकती है। अभी तक दुनिया के कई देशों के बीच जारी तनाव और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा थोपी गई नई टैरिफ पॉलिसी के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में निवेशक सेफ हेवेन यानी सुरक्षित निवेश के रूप में सोने में बढ़-चढ़ कर पैसा लगा रहे थे, लेकिन अब स्थितियां बदलने लगी हैं। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड डील फाइनल होने के साथ ही भारत और पाकिस्तान के बीच भी

सीजफायर का ऐलान हो गया है। इसके अलावा रूस और यूक्रेन युद्ध के भी खत्म होने की उम्मीद बन गई है। इसकी वजह से सोने की मांग पर दबाव बन गया है। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि दुनिया में किसी भी तरह का तनाव बढ़ने पर सोने की मांग में भी तेजी आती है। इसी तरह तनाव घटने पर सोने की मांग घट जाती है। पिछले कुछ दिनों से अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई थी। कहीं युद्ध के कारण तनाव बना हुआ था, तो दुनिया के कई देशों में अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी का डर छाया हुआ था। इन वजहों से दुनिया के ज्यादातर देशों के बाजारों में लगातार उथल-पुथल की स्थिति देखी जा रही थी। ऐसा होने के कारण ज्यादातर निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश मानते हुए इस चमकीली धातु की जम कर खरीदारी कर रहे थे, लेकिन अब स्थितियां विपरीत होने लगी हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक साथ स्थितियां सकारात्मक होने लगी हैं। यानी तनाव घटता हुआ नजर आने लगा है। इसका असर सोने की मांग में आई कमी के रूप में भी नजर आ रहा है। यही कारण है कि सोने की कीमत पिछले 5 दिन के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। हालांकि राजीव दत्ता का कहना है कि लॉन्ग टर्म में सोने की कीमत तेजी बनी रह सकती है, लेकिन शॉर्ट टर्म में सोना अपनी चमक खोता हुआ नजर आ रहा है। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थिरता आने के बाद सोने की कीमत में एक बार फिर तेजी का रुख बनेगा।

क्यों नवजात शिशु के लिए मां का दूध है बेस्ट, जानें ब्रेस्टफीडिंग के फायदे

नवजात शिशु के लिए मां का दूध बहुत जरूरी होता है क्योंकि वो जन्म से 6 महीने तक कोई तरल या खाद्य पदार्थ नहीं खा सकता है इसलिए उसे मां का दूध ही देना बेस्ट होता है जिससे उसके शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत मिलती है. तो इस आर्टिकल में जानेंगे ब्रेस्टफीडिंग क्यों है जरूरी.

मां का दूध नवजात शिशु के लिए सुरक्षा कवच का काम करता है. फॉर्मूला की तुलना में, स्तन के दूध में मौजूद पोषक तत्व आपके बच्चे के लिए ज्यादा फायदेमंद होता है. जब बच्चा जन्म लेता है तब से लेकर 6 महीने तक केवल मां का दूध ही बच्चे के लिए आहार की पूर्ति का जरिया होता है. ये नवजात शिशु के लिए अमृत के समान होता है और इसे लिक्विड गोल्ड भी कहा जाता है. इसमें कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं जैसे प्रोटीन, जिंक, आयरन, कैल्शियम, फॉस्फोरस जो बच्चों की सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं. इसलिए बच्चे की ग्रोथ के लिए मां का दूध बेस्ट होता है. स्तनपान बच्चे के स्वस्थ जीवन को सुनिश्चित करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है. हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन की सिफारिशों के विपरीत, 6 महीने से कम उम्र के आधे से भी कम शिशुओं को विशेष रूप से स्तनपान कराया जाता है.

मां का दूध बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए भी जरूरी है. इसलिए डॉक्टर्स भी नवजात शिशु को ब्रेस्टफीडिंग कराने की ही सलाह देते हैं. तो चलिए जानते हैं कि ब्रेस्टफीडिंग के क्या फायदे होते हैं और कैसे ये बच्चों के विकास में मदद करता है.

नवजात शिशु की ग्रोथ में मदद करता है

नवजात शिशु के लिए मां का दूध किसी अमृत से कम नहीं होता है. इसके कई फायदे हैं. इसमें कई पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट्स और एंजाइम होते हैं जो बच्चे की सेहत को दुरुस्त रखने के साथ ही ग्रोथ करने में भी मदद करते हैं.

इम्युनिटी को बूस्ट करता है

पोषक तत्वों से भरपूर मां का दूध बच्चे की इम्युनिटी को बूस्ट करता है. जिससे बच्चें को गंभीर बीमारियों का खतरा कम हो सकता है. नवजात शिशु को निमोनिया और दस्त जैसी बीमारियों का खतरा ज्यादा रहता है. ऐसे में मां का दूध दवा की तरह काम करता है.

डाइजेशन में सुधार

ब्रेस्टफीडिंग कराने से शिशु का पाचन तंत्र स्वस्थ्य रहता है, क्योंकि मां के दूध में कुछ एंजाइम होते हैं जो नवजात के डाइजेशन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं जिससे बच्चों को कब्ज जैसी समस्या से राहत मिलती है.

आइक्यू लेवल को बढ़ाता है

मां के दूध में फैटी एसिड होते हैं जो नर्व टिश्यू के बेहतर विकास में मदद करते हैं. जो बच्चों के आइक्यू लेवल को बढ़ाने में हेल्प करता है. इसी तरह उनका हृदय बेहतर तरीके से काम करता है और हार्ट संबंधी बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है.

कश्मीर : अमेरिकी दबाव के सामने मोदी खामोश

कश्मीर पर पाकिस्तान का मान जाना कोई खास बात नहीं है। लेकिन भारत अगर मध्यस्थता स्वीकार कर लेता है तो यह बहुत बड़ी बात होगी। अभी तक कि स्वतंत्र विदेश नीति के बिल्कुल उलट। भारतीय हितों के विपरीत। भारत की संसद के दोनो सदनों ने 22 फरवरी 1994 को सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पास किया था कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है।क्या प्रधानमंत्री मोदी युद्धविराम की तरह कश्मीर पर भी किसी समझौते को मान जाएंगे? बहुत बड़ा सवाल!अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा ट्वीट बहुत खतरनाक है। इसमें वे स्पष्ट रूप से कश्मीर के मामले में मध्यस्थता की बात कर रहे हैं। भारत हमेशा कहता रहा है कि यह द्विपक्षीय मसला है और भारत किसी तीसरे को इसमें शामिल नहीं करेगा। शिमला समझौता में यह सबसे अहम बात है। उसके बाद कई बार पाकिस्तान ने कभी संयुक्त राष्ट्र, कभी अमेरिका, कभी चीन के जरिए मध्यस्थता करवाने की कोशिश की मगर भारत ने कभी स्वीकार नहीं किया।

इन्दिरा गांधी जिन्हें अभी अमेरिका द्वारा घोषित युद्धविराम के बाद देश में सबसे ज्यादा याद किया जा रहा है उन्होंने 1971 का युद्ध जीतने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भुट्टो को शिमला बुलाकर यह समझौता किया था। और उसमें लिखवाया था कि कश्मीर का मुद्दा दोनों देश मिलकर सुलझाएंगे। तीसरे किसी का दखल नहीं होगा।लेकिन पहले युद्धविराम की अप्रत्याशित घोषणा और अब उसके बाद कश्मीर समस्या सुलझाने का दावा बता रहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप का दबाव काम कर गया है। पाकिस्तान का उसमें आना कोई खास बात नहीं। उसके पास क्या है? 75 साल में उसने क्या हासिल किया? आज चीन उसके साथ था और वह भी उसके नहीं भारत से दुश्मनी की वजह से और अमेरिका उसे टूटने नहीं देना चाहता था इसलिए उसने युद्ध विराम करवाकर उसे बचा लिया, नहीं तो पाकिस्तान कितने दिन और भारत से लड़ पाता?वहां के शासक इसे समझते हैं। लेकिन अपने देश की जनता को उलझाए रखने के लिए युद्ध विराम के बाद भी गोलाबारी, ड्रोन अटैक करते रहे। केवल यह बताने के लिए कि हम लड़ सकते हैं। और ठीक यही बात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अपने देश को संबोधित करते हुए कही। झूठी शान बताते हुए कि-हमारे सेना ने यह कर दिया वह कर दिया वे केवल जंग का महिमामंडन करते रहे।

जैसे युद्ध जिन्दगी के लिए सबसे जरूरी चीज है। इसी तरह की जज्बाती बातों ने पाकिस्तान की अवाम को 75 साल से उलझाए रखा है। और वे ऐसे ही रहें इसमें पाकिस्तान के नेताओं का दोष तो है ही चीन और अमेरिका भी यही चाहता है।

पाकिस्तान की जनता को देखना होगा कि चीन और अमेरिका जो उसके दोस्त हैं कितनी तरक्की कर चुके हैं और उनका मुल्क वहीं का वहीं है। भारत के साथ आजाद हुआ था। भारत हर क्षेत्र में कहीं से कहीं निकल गया लेकिन पाकिस्तान अभी भी कर्जा लेकर अपने खर्चे चलाने पर मजबूर है। अभी आईएमएफ से 12 हजार करोड़ रुपए अमेरिका ने दिलवाए।

इसलिए कश्मीर पर पाकिस्तान का मान जाना कोई खास बात नहीं है। लेकिन भारत अगर मध्यस्थता स्वीकार कर लेता है तो यह बहुत बड़ी बात होगी। अभी तक कि स्वतंत्र विदेश नीति के बिल्कुल उलट। भारतीय हितों के विपरीत। भारत की संसद के दोनो सदनों ने 22 फरवरी 1994 को सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पास किया था कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। और जिस हिस्से पर पाकिस्तान ने कब्जा कर रखा है वह भी। याद रहे यह प्रस्ताव उस समय की कांग्रेस सरकार ने उस समय पास करवाया था जब जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा चलाए जा रहे आतंकवाद का सबसे भीषण समय था। पाकिस्तान एक तरफ कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियां चला रहा था दूसरी तरफ दुनिया में यह झूठा प्रचार कर रहा था कि भारत दिल्ली में बैठकर कश्मीरियों पर शासन कर रहा है।जबकि हकीकत यह थी कि पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के कारण वहां चुनाव नहीं हो पा रहे थे। मगर भारत वहां राजनीतिक प्रक्रिया चला कर चुनाव का माहौल तैयार कर रहा था। ऐसे समय में अन्तरराष्ट्रीय जगत को सही स्थिति बताने के लिए केन्द्र सरकार ने अपना एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र भेजा। और जानते हैं उसका नेता किस को बनाया। विपक्ष के नेता को।क्यों? ताकि यह संदेश जाए कि पूरा भारत कश्मीर के मामले में एक है। अटल बिहारी वाजपेयी को दल का अध्यक्ष बनाया और जम्मू कश्मीर के नेता फारुक अब्दुल्ला को उस दल में शामिल किया। आज कांग्रेस बिना शर्त सरकार को पूरा समर्थन दे रही थी। पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद से ही। मगर जब बिल्कुल युद्ध जैसा माहौल हो गया तो सत्तारुढ़ पार्टी बीजेपी वीडियो जारी करके यह बताने लगी कांग्रेस के प्रधानमंत्री कितने कमजोर थे।अब कमजोर थे ताकतवर थे पता नहीं मगर कश्मीर पर किसी की मध्यस्थता स्वीकार करना तो बड़ी बात किसी को इस पर बात भी करने की इजाजत नहीं देते थे। देश एक बहुत अनिश्चित मोड़ पर खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी बिल्कुल खामोश हैं। पहलगाम के बाद दो आल पार्टी मीटिंग हुई मगर एक में भी प्रधानमंत्री नहीं आए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दोनों में मौजूद थे। जबकि उनसे कहा गया कि जब नेता सत्ता पक्ष नहीं आ रहा हो तो नेता प्रतिपक्ष को जाने की क्या जरूरत? मगर राहुल ने अपनी जिम्मेदारी को समझा और वहां जाकर दोनों बार सरकार को पूरा समर्थन देने का भरोसा देकर आए।लेकिन अब एक अचानक अमेरिका द्वारा युद्ध विराम और फिर दूसरा कश्मीर पर अमेरिका की मध्यस्थता राहुल को बोलने पर मजबूर करेगी। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर उनका दायित्व है। कश्मीर का मामला बहुत नाजुक है। भारत की भावनाओं से जुड़ा है। इसमें अचानक कोई तीसरा देश दखल देने की कोशिश करे यह भारत के लोगो को कभी स्वीकार नहीं होगा।प्रधानमंत्री मोदी को इस पर अपना रुख साफ करना चाहिए। अभी अचानक युद्धविराम से देश हतप्रभ है। शांति सब चाहते हैं। मगर उसकी घोषणा हम करते तो बात दूसरी थी। अभी जिस भाषा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बात कर रहे हैं वह नहीं होती। उनकी भाषा लिखने योग्य भी नहीं है। ट्रोलों जैसी। घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। भारत चीखने लगा! यह एक प्रधानमंत्री की भाषा होती है? अपनी जनता को बेवकूफ बनाने की कोशिश। उसके समर्थक चीन और अमेरिका भी जानते हैं कि पाकिस्तान युद्ध में ज्यादा दिन भारत के सामने टिक नहीं पाएगा। इसलिए उन्होंने युद्धविराम करवाया। पाकिस्तान को बचाने के लिए।मगर अब कश्मीर पर बात लाकर ट्रंप ने किसी बड़े गेम के संकेत दे दिए हैं। यह अमेरिका के, चीन के, पाकिस्तान के फायदे में हो सकता है। मगर भारत के नहीं। किसी दबाव में कश्मीर पर बात करना उसके स्वाभिमान के खिलाफ है।मोदीजी को स्टेंड लेना पड़ेगा। नहीं तो देश लेगा। अगर ट्रंप और मोदी यह समझते हैं कि वे कश्मीर पर कोई फैसला ले सकते हैं तो भारी भूल कर रहे हैं।

ऊपर बताया ही इसीलिए कि यह 22 फरवरी 1994 का संसद के दोनों सदनों का सर्वसम्मत प्रस्ताव है। इसमें कोई फेरबदल नहीं हो सकता। और अगर कश्मीर पर कोई बात करना है तो पहले संसद से इसकी अनुमति लेना होगी।विपक्ष पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद से ही संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहा है। ट्रंप के ताजा बयान कश्मीर के बाद फिर यह मांग दोहराई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है।मोदी के लिए यह समय बहुत मुश्किल है। अचानक युद्धविराम को उनके समर्थक भी धोखा मान रहे हैं। इससे पहले जातिवार गणना की घोषणा से भी उन्हें बहुत धक्का लगा था। जिसे वे राष्ट्रविरोधी, अरबन नक्सल का अजेंडा, भारत को तोड़ने की साजिश बताते घूम रहे थे वही उनके नेता ने कर दिया।

उस सदमे से वे उबरे नहीं थे कि ट्रंप ने पहले युद्धविराम और फिर कश्मीर पर मध्यस्थता की घोषणा कर दी। मोदी की छवि पर बहुत विपरीत प्रभाव पड़ा है। वे खामोश हैं। उनके पास कोई जवाब नहीं है।

संपादकीय

युद्धविराम का असली खेल

पिछले बुधवार को शुरु हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में एक नया जोश और उम्मीद जागी थी कि अब आतंकवाद के पीड़ितों को इंसाफ मिलेगा और पहलगाम हमले का करारा जवाब पाकिस्तान को दिया जाएगा। इस ऑपरेशन के बाद सरकार की तरफ से यही कहा भी गया कि न्याय कर दिया गया। लेकिन फिर पाकिस्तान की तरफ से आक्रमण शुरु हुए, उनका भी माकूल जवाब भारतीय सेना ने दिया। हालांकि इनमें सीमा पर बसे नागरिकों को जान-माल का काफी नुकसान हुआ, लेकिन देशभक्ति और राष्ट्रवाद के नाम पर इन पर सरकार से सवाल करना गुनाह मान लिया गया। इस बीच शनिवार शाम को अचानक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खबर दी कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान दोनों पक्षों से लंबी चर्चा की है और उनकी मध्यस्थता के कारण अब युद्धविराम हो गया है।युद्ध खत्म होगा, इस बात पर राहत तो महसूस हुई, लेकिन यह राहत क्षणिक ही थी क्योंकि कुछ ही देर में पाकिस्तान की तरफ से हमले फिर शुरु हो गए। और फिर शनिवार देर रात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अपने राष्ट्र को संबोधित करते हुए बताया कि उनकी ऐतिहासिक जीत हुई है। यह झटका काफी नहीं था कि रविवार सुबह डोनाल्ड ट्रंप का एक और ट्वीट आ गया, जिसमें ट्रंप ने दावा किया कि अब वह हजारों सालों से चले आ रहे कश्मीर विवाद को भी सुलझाने में मदद करेंगे।देश ने पहले भी पांच युद्ध देखे हैं, कई बड़े आतंकी हमलों के जख्म खाए हैं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के खिलाफ हुई साजिशों को झेला है, लेकिन शनिवार से लेकर रविवार तक जितने झटके देश को मिले, ऐसा शायद कभी नहीं हुआ। इनमें सबसे अधिक दुख की बात यह रही कि इतना कुछ होता रहा और नरेन्द्र मोदी का एक लाइन का ट्वीट, एक वाक्य का राष्ट्र के नाम संबोधन सुनाई नहीं दिया। कम से कम रविवार शाम साढ़े छह बजे तक तो यही स्थिति थी।

देश में अब तक जो नहीं हुआ, वो नरेन्द्र मोदी ने मुमकिन कर दिखाया। श्री मोदी ने देश की संप्रभुता को दांव पर लगाते हुए अमेरिका को हमारे मामले में दखलंदाजी की अनुमति दे दी। जिस अंदाज में ट्रंप ने सीज़फायर को लेकर दावे किए उससे तो यही लगता है।

भारत शांतिप्रिय देश है, बावजूद इसके भारत 1947, 1962, 1965, 1971, और 1999 पांच बार युद्ध का हिस्सा बना। इसमें 62 के चीन के आक्रमण में भारत को हार मिली, लेकिन बाकी सारे युद्ध जो पाकिस्तान के साथ लड़े गए, उसमें हमें जीत हासिल हुई। भारत ने यह हमेशा सुनिश्चित किया कि कोई तीसरा देश हमारे मामले में दखलंदाजी न करे। लेकिन इस समय 2025 में पाकिस्तान के साथ जो युद्ध की स्थिति बनी, उसमें पहले तो ऑपरेशन सिंदूर चला कर नरेन्द्र मोदी ने यह बताया कि उनकी सरकार पहले की नीतियों पर ही चलेगी और हमले पर जवाबी कार्रवाई करेगी। लेकिन सात मई को हुए आपरेशन सिंदूर में मिली सफलता के महज 3 दिन बाद ही ट्रंप ने 10 मई की शाम को अचानक दुनिया को संदेश दिया कि उनकी मध्यस्थता के कारण दोनों देश युद्धविराम पर सहमत हुए हैं। 78 सालों में कभी किसी देश ने इस तरह भारत के नाम पर अपना बयान जारी नहीं किया। यहां तक कि रूस ने भी कभी भारत के साथ दोस्ती का ऐसा नाजायज फायदा उठाया, लेकिन ट्रंप ने ऐसा किया तो जाहिर है नरेन्द्र से सवाल हो रहे हैं कि वो पूरे मामले की सच्चाई ब क्या उन्होंने ट्रंप को मध्यस्थता करने कहा, अगर ऐ तो फिर उस विपक्ष को भरोसे में क्यों नहीं लिया, जो से इस मुद्दे पर सरकार के साथ खड़ा है। कांग्रेस की त से फिर से संसद का विशेष सत्र बुलाने और सर्वद बैठक में नरेन्द्र मोदी के शामिल होने की मांग की ग लेकिन ऐसा लगता नहीं कि सरकार विपक्ष की बात सु

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने तो के नाम संबोधन में इसे पाकिस्तान की ऐतिहासिक कहा, लेकिन श्री मोदी ने तब भी देश को यह नहीं ब कि भारत अगर जीत का दावा कर रहा है तो पाकिस्तान हार क्यों नहीं मान रहा। अपने संबोधन शरीफ ने अमेरिका, ब्रिटेन, कतर, सऊदी अरब, तु और चीन सबका शुक्रिया अदा किया। ऐसे में भारत बताना चाहिए कि अगर ये सारे देश पाकिस्तान के खड़े थे तो क्या इन्होंने भारत का विरोध किया है।

युद्ध : विनाश का वैश्विक व्यापार

हर युद्ध की सबसे बड़ी कीमत आम आदमी चुकाता है। जान-माल के नुकसान के साथ-साथ आम जीवन की बुनियादी ज़रूरतें और सामाजिक प्रगति भी बुरी तरह प्रभावित होती है। सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी-उन्मूलन जैसे जनकल्याणकारी क्षेत्रों के बजट में कटौती कर रक्षा खर्च बढ़ा देती हैं, जिससे आम जनता का जीवन और भी कठिन हो जाता है।युद्ध मानव सभ्यता के इतिहास का एक दुखद, लेकिन महत्वपूर्ण अध्याय रहा है। प्राचीन काल से लेकर आज तक, भले ही युद्धों के स्वरूप बदलते रहे हों, परंतु उनके मूल कारण आज भी वही हैं-सत्ता की लिप्सा, प्रभुत्व की चाह और संकुचित राष्ट्रवाद। महाभारत का महासंग्राम हो या प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध, हर संघर्ष के बाद शेष रह जाती हैं, केवल लाशें, उजड़े नगर, बिखरे सपने और मानवता की हार। विडंबना यह है कि आज जब विज्ञान और तकनीक नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुकी है, तब भी दुनिया युद्ध के उन्माद से ग्रस्त है, संकुचित राष्ट्रवाद का ज्वर चढ़ा है, हर देश दूसरे को आंखें दिखा रहा है, मानो एक-दूसरे के खून का प्यासा हो। परिस्थितियां धीरे-धीरे तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रही हैं।

यूक्रेन, जो कभी सोवियत संघ का हिस्सा था, अब %नार्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन% (नाटो) से जुड़ना चाहता है। %नाटो% ने रूस को घेरने की मंशा से यूक्रेन का समर्थन किया और यह टकराव युद्ध में बदल गया। यह संघर्ष तीन साल से जारी है। यूक्रे न के शहर खंडहरों में तब्दील हो गए हैं और बुनियादी ढांचे ध्वस्त हो गए हैं। अब तक दोनों पक्षों के कुल 1.90 लाख से अधिक सैनिक मारे गए और 2.80 लाख से अधिक घायल हुए हैं। यूक्रेन की 1.43 करोड़ आबादी विस्थापित हो चुकी है, जिनमें से 65 लाख से अधिक शरणार्थी बनकर विदेश चले गए हैं और शेष अपने ही देश में दर-दर भटक रहे हैं। यूक्रेन की अर्थव्यवस्था चरमरा चुकी है, वहीं पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते रूस की अर्थव्यवस्था भी गंभीर दबाव में है।

%हमास% के हमले और नागरिकों को बंधक बनाए जाने के जवाब में इज़राइल ने गाज़ा पर भीषण हमला किया। इस बदले की आग में हज़ारों निर्दोष लोगों की जानें गईं और लाखों घायल हुए, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। गाज़ा के करीब 19 लाख लोग विस्थापित हो चुके है, 70प्रतिशत से अधिक आवास नष्ट हो चुके हैं और अस्पताल, स्कूल, पानी और बिजली व्यवस्था का लगभग 90प्रतिशत ढांचा पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। भोजन और पानी जैसी बुनियादी ज़रूरतों का भी गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।

सूडान में 2023 से सेना और रैपिड सपोर्ट फोस% (आरएसएफ) के बीच जारी संघर्ष में 61,000 से अधिक लोग मारे गए और 1.2 करोड़ विस्थापित हुए हैं। म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद गृहयुद्ध छिड़ा, जिसने लाखों को शरणार्थी बना दिया। यमन में 2014 से जारी युद्ध ने 68प्रतिशत आबादी को मानवीय सहायता पर निर्भर कर दिया। इथियोपिया में टिग्रे संघर्ष ने हजारों की जान ली और लाखों को भुखमरी की कगार पर पहुंचा दिया। इराक, लेबनान और अफगानिस्तान के ज़ख्म आज भी हरे हैं।हर युद्ध की सबसे बड़ी कीमत आम आदमी चुकाता है। जान-माल के नुकसान के साथ-साथ आम जीवन की बुनियादी ज़रूरतें और सामाजिक प्रगति भी बुरी तरह प्रभावित होती है। सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी-उन्मूलन जैसे जनकल्याणकारी क्षेत्रों के बजट में कटौती कर रक्षा खर्च बढ़ा देती हैं, जिससे आम जनता का जीवन और भी कठिन हो जाता है। भूख, बेरोजगारी और असमानता बढ़ती है। युद्ध का अंजाम केवल विनाश होता है, फिर भी युद्ध क्यों जारी रहते हैं? इसे क्यों नहीं रोका जाता? आखिर कौन हैं वे, जो युद्ध से लाभ उठा रहे हैं? दरअसल, युद्ध केवल दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं होता, यह एक सुनियोजित योजना का हिस्सा होता है, जिसमें कुछ ताकतें पर्दे के पीछे से भारी लाभ कमाती हैं।युद्ध के पीछे असली कारण संसाधनों पर कब्जा, हथियारों की बिक्री, मंदी से जूझती अर्थव्यवस्था को गति देना और सत्ता को मजबूत करना होता है। तेल, खनिज, जल, जमीन और श्रम पर नियंत्रण पाने के लिए बार-बार लड़ाइयां लड़ी गई हैं। अमेरिका और यूरोपीय राष्ट्रों द्वारा यूक्रेन को हथियार देना एकतरफा नहीं है, बल्कि इसके पीछे यूक्रेन के संसाधनों और क्षेत्रीय प्रभाव पर पकड़ बनाने का रणनीतिक लक्ष्य भी है। इन युद्धों ने पुराने हथियारों के भंडार खाली कर दिए हैं। एआई ड्रोन,हाईपरसोनिक मिसाइलें और साइबर हथियार जैसी नई तकनीकों वाले हथियार भी आज़माए गए हैं। युद्ध एक ऐसी लाइव टेस्टिंग लैब बन चुका है, जहां नए हथियारों को परखा जाता है और उनके लिए बाज़ार तैयार किया जाता है।अब सभी देश हथियारों की दौड़ में शामिल हो गए हैं। इससे रक्षा उद्योग के लिए एक बड़ा बाजार खड़ा हुआ है। अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और जर्मनी जैसे देश बड़े हथियार निर्यातक हैं। युद्ध उनकी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर रहा है। पारंपरिक हथियारों से लेकर परमाणु, जैविक और अब आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस (एआई) आधारित स्मार्ट हथियारों तक, यह उद्योग युद्ध पर ही टिका है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपरी) की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में वैश्विक सैन्य खर्च 2.70 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।

विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाएं जब भी आर्थिक संकट और मंदी से गुजरती हैं तब युद्ध उनके लिए एक अवसर बन जाता है। हथियारों की खपत बढ़ती है, पुराना स्टॉक खाली होता है और नए उत्पादनों का बाजार तैयार होता है। अमेरिका, रूस, फ्रांस जैसे देश पुराने हथियारों को युद्ध में झोंककर अपनी सैन्य उत्पादन प्रणाली को पुनर्जीवित करते हैं। युद्ध उनके आर्थिक पुनरुद्धार की रणनीति बन जाता है।हाल की पहलगाम जैसी आतंकी घटनाएं निस्संदेह बहुत पीड़ादायक हैं, लेकिन यह भी सोचने की ज़रूरत है कि क्या इन हमलों के पीछे खडी बड़ी ताकतें दोनों देशों को युद्ध के रास्ते पर धकेलना चाहती हैं? जनता का आक्रोश जायज़ होते हुए भी, यह प्रश्न जरूरी है कि क्या ये हमले केवल आतंकियों के हैं या कोई और ताकत इन्हें अंजाम देकर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की ज़मीन तैयार कर रही है?वे जानते हैं कि कोई भी बड़ा देश आम जनता के समर्थन के बिना युद्ध नहीं लड़ सकता। पहलगाम जैसे आतंकी हमलों से उत्पन्न संवेदना का दोहन करना आसान होता है। युद्ध कई बार राष्ट्र की अस्मिता से जोड़ दिया जाता है। युद्ध के पहले ऐसी परिस्थितियां तैयार की जाती हैं कि शांति और सह-अस्तित्व में विश्वास रखने वाले लोग भी युद्ध के समर्थन में खड़े हो जाते हैं।

संकुचित राष्ट्रवाद को उकसाने में कॉर्पोरेट मीडिया और सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका है। फेक न्यूज़, उग्र भाषण और भावनात्मक उन्माद फैलाकर जनता को युद्ध के समर्थन में खड़ा कर दिया जाता है। लोग भ्रमित होकर प्रतिशोध की आग में युद्ध को न्याय समझने लगते हैं।यदि यह उन्माद तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ा, तो निश्चित ही जैविक, परमाणु और %एआई% आधारित विध्वंसक प्रणालियों का प्रयोग होगा। यह ऐसी तबाही ला सकता है जिसकी कल्पना भी भयावह है और जिसके परिणाम पूरी मानवता को सदियों भुगतने पड़ेंगे। इसलिए जरूरी है कि हम युद्धोन्मादी नेताओं, उकसाने वाले मीडिया संस्थानों और हथियार बेचने वाले देशों के खिलाफ एकजुट होकर युद्ध को ही चुनौती दें। यह लोगों की ज़िम्मेदारी है कि वे युद्ध को नकारें और शांति का रास्ता चुनें। विनाश नहीं, जीवन चुनें!

गर्मियों में बालों को होती है खास देखभाल की जरूरत

अक्सर गर्मियों के मौसम में हमारा पूरा फोकस सिर्फ स्किन केयर की तरफ होता है। किस तरह से स्किन को टैनिंग से बचाना है। सनस्क्रीम लगाकर बाहर निकलना आदि, लेकिन इस के बीच हम अपने बालों का ख्याल रखना भूल जाते हैं। महिलाओं से लेकर पुरुषों तक की खूबसूरती बढ़ाने का काम बाल काम करते हैं। इसलिए जितनी स्किन की केयर करनी चाहिए, उतना ही बालों को भी केयर और देखभाल की जरूरत होती है। गर्मियों में बालों का ख्याल नहीं रखने पर धूप, धूल और पॉल्यूशन के कारण यह डैमेज होकर टूटने लगते हैं। आइए जानते हैं कि गर्मियों में बालों की किस तरह से देखभाल करनी चाहिए।

गर्मियों में बहुत ज्यादा पसीना धूप और धूल से बाल खराब होने लगते हैं। जिसके कारण न सिर्फ बालों की ग्रोथ रुक जाती है। बल्कि बाल बहुत ज्यादा टूटने लगते हैं। ऐसे में अगर बालों की खास देखभाल न की जाए तो यह बहुत ज्यादा खराब हो सकते हैं। गर्मियों में आप ऐसे अपने बालों की देखभाल कर सकती हैं।

बालों की साफ-सफाई

गर्मियों के मौसम में सप्ताह में करीब 2 से 3 बार शैंपू करना चाहिए। क्योंकि गर्मी में पसीना निकलने के कारण पसीना और ऑयल स्कैल्प पर जमा होते रहते हैं। जिसकी वजह से खुजली और इंफेक्शन आदि हो जाता है। इससे बचने के लिए शैंपू करें। साथ ही बालों को धोने के लिए गर्म पानी के इस्तेमाल से बचना चाहिए। हालांकि आप गुनगुना पानी इस्तेमाल कर सकते हैं।

धूप से सुरक्षा

सूरज की हानिकारक यूवी किरणें न सिर्फ हमारी स्किन के लिए बल्कि यह बालों को भी काफी नुकसान पहुंचाती हैं। सूरज की हानिकारक यूवी किरणों के कारण बाल में ड्रायनेस की समस्या बढ़ सकती है। जिसके कारण बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। इसलिए धूप में निकलने से पहले हमेशा बालों को दुपट्टे या स्टोल से कवर कर लें।

कंडीशनर

बालों के लिए जितना ही जरूरी शैंपू होता है, उतना ही जरूरी कंडीशनर भी है। कंडीशनर से बालों को पोषण मिलता है। इसके इस्तेमाल से बाल हाइड्रेट रहते हैं और उलझते भी कम हैं। बालों पर बाजार के केमिकल युक्त प्रोडक्ट का इस्तेमाल किए जाने से बचना चाहिए। अगर आप चाहें तो घर की नेचुरल चीजों के इस्तेमाल से कंडीशनर बना सकते हैं। यह आपके बालों के लिए भी फायदेमंद होगा।

स्टाइलिंग टूल्स

अगर आप भी बालों की स्टाइलिंग के लिए बहुत ज्यादा हीटिंग टूल्स का इस्तेमाल करती हैं। तो आपको बता दें कि यह आपके बालों की क्वालिटी को नुकसान पहुंचा सकता है। हीटिंग टूल्स के यूज से बाल ड्राय होकर बहुत ज्यादा टूटने लगते हैं। ऐसे में अगर भी बालों को घना और मुलायम बनाए रखना चाहती हैं तो हीटिंग टूल्स के अधिक इस्तेमाल से बचना चाहिए।

ट्रिमिंग भी है जरूरी

बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए और दोमुहे बालों को कम करने के लिए समय-समय पर ट्रिम कराना चाहिए। ट्रिमिंग कराने से बालों की प्रॉब्लम से भी काफी हद तक राहत मिलती है।

अपने बच्चों को इंडिपेंडेंट बनाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

अगर आप अपने बच्चे को इंडिपेंडेंट बनाना चाहते हैं तो हमारे ये टिप्स आपके काम आ सकते हैं जिससे समय के साथ आपका बच्चा अपने काम खुद करना सीख जाता है।

जैसे ही बच्चा बड़े होने लगते हैं पेरेंट्स उसको अच्छी आदतें सिखाना शुरू कर देते हैं। सच बोलना, गाली न देना, बड़ों की रेस्पेक्ट करना, झगड़ा न करना जैसी आदतें बच्चों को सिखाई जाती हैं। इसी के साथ सभी पेरेंट्स अपने बच्चों को ज़िम्मेदार भी बनाना चाहते हैं जो शायद हर एक बच्चे को कामयाब बनाने के लिए ज़रुरी भी होता है। लेकिन जब पेरेंट्स अपने बच्चों को उनके अपने बेसिक काम करने में मदद कर रहे हैं तो कहीं न कहीं वो अपने बच्चों को डिपेंडेंट बना देते हैं। इससे उम्र के हर पड़ाव पर बच्चों में आश्रित रहने की आदत बन जाती है। जिससे बच्चे जीवन में हर काम को दूसरों की मदद से करते हैं। अगर आप अपने बच्चे को आत्मविश्वास से परिपूर्ण कर उनको भविष्य के लिए तैयार करना चाहते हैं तो ये टिप्स आपके काम आ सकते हैं।

बेसिक कामों की लिस्ट बनाएं

बच्चों को इंडिपेंडेंट बनाने के लिए आप उनके बेसिक कामों की एक लिस्ट तैयार करें। उनसे पूछें कि वो कौन से काम खुद कर सकते हैं और किन काम के लिए मदद की ज़रूरत है। जो काम वो खुद नहीं कर सकते उसके लिए आप बच्चों को अपने सामने प्रैक्टिस कराएं। आपको जो काम उनकी उम्र अनुसार मुश्किल लगते हैं उनको लिस्ट से बाहर कर दें।

परफेक्शन की उम्मीद न पाले

जब बच्चे किसी शुरू करते हैं तो ध्यान रखिए कि शुरुआत में उनसे गलतियां भी हो सकती हैं। अगर वो खुद से पानी लेकर पीने की कोशिश कर रहा है और गलती से पानी गिर जाए तो उसको डांटे नहीं। उसको आराम से वह काम करने का तरीका समझाएं। उसको बताएं कि गलतियां तो सभी से हो सकती हैं। काम परफेक्शन से न होने पर बच्चों को काम करने से न रोकें।

काम निपटाने के लिए उचित समय दें

शुरुआत में बच्चों को कोई भी काम करने में थोड़ा ज्यादा टाइम लगता है। उनको अपना काम करने के लिए पूरा समय दें। अगर आपके बच्चे को सुबह स्कूल यूनिफॉर्म पहनने में 10 मिनट लगते हैं तो आप इसको देखकर स्ट्रेस न लें। बल्कि आप इसके लिए अपना रूटीन 10 मिनट पहले शुरू कर दें। इस तरह बच्चे को तैयार होने के लिए सफिशिएंट टाइम मिल जाएगा।

रूटीन फॉलो करना सिखाएं

अपनी ज़िम्मेदारियां निभाने के लिए बच्चों को एक रूटीन की जरूरत होती है। उनका शेड्यूल डेली बदलने से उनको अपने काम के लिए कन्फ्यूजन पैदा हो जाता है। अगर बच्चा सोने से पहले अपने सारे खिलौने अपनी जगह पर रखता है तो उसको यही रूटीन रोज़ाना करने को कहें। बाद में या कल करना यह कहकर उसके रूटीन म बदलाव न करें। जिम्मेदार बनाने के लिए किसी भी काम को डेली एक ही रूटीन में फॉलो करना सिखाएं।

प्रशंसा करते रहें

बच्चा जब भी अपने काम करना शुरू कराता है तो हो सकता है कि वो उस काम को परफेक्शन न करें या उस काम को कर ही न पाए। लेकिन आप उसके किए गए प्रयास को सराहें। भले ही बच्चा गलती करे लेकिन वो सीखेगा करके ही इस तथ्य को हमेशा ध्यान रखें। मोटिवेशन मिलने से बच्चा लगातार उस काम को करते रहेगा और एक दिन बिना आपकी हेल्प के इंडिपेंडेंटली उस काम को करना सीख जाएगा।

पेरेंट्स से ज्यादा दोस्तों को पसंद क्यों करते हैं बच्चे

पेरेंट्स के साथ बच्चों का रिश्ता उम्र के हर पड़ाव पर बदलता रहता है। खासतौर पर जब बच्चा किशोरावस्था में जाता है तो उसे अपने पेरेंट्स की बातें बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगतीं और दोस्तों के साथ रिश्ता गहरा होता चला जाता है।

गेप होता है मुख्य कारण

एक समय के बाद बच्चों को अपनी पेरेंट्स की बातें बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगती है इसका मुख्य कारण है ऐज गेप। पेरेंट्स और बच्चों के विचार एक समय के बाद बहुत ज्यादा अलग हो जाते हैं जिस वजह से बच्चों को पेरेंट्स की बातें बुरी लगने लग जाती हैं।

कम से कम करें रोक-टोक

पेरेंट्स हमेशा बच्चों का भला चाहते हैं लेकिन बच्चों को एक उम्र के बाद रोक-टोक सुनने की आदत अच्छी नहीं लगती। ऐसे में होता यह है कि पेरेंट्स जब भी बच्चों को किसी काम को करने के लिए मना करते हैं तो बच्चों को लगता है कि वो उनका भला नहीं चाहते हैं।

अपने विचार ना थोपे

आप अपने बच्चों से क्या चाहते हैं इसके लिए जरूरी है कि आप उन्हे समझाएं। ना कि उनपर अपने विचार थोपें। अगर आप उन्हे किसी भी बाद के लिए टोक रहे हैं या किसी बात को पसंद नहीं कर रहे तो उन्हें समझाएं और उनका बिंदु सभी समझें।

दोस्त बने

अगर आपके बच्चों को दोस्त ज्यादा पसंद आ रहे हैं तो जरूरी है कि आप भी उनके दोस्त बने। दोस्त बनकर आप उन्हे आसानी से समझ पाएंगे और वो आपको।

गर्मियों में स्किन की देखभाल के लिए इस तरह बनाएं टोनर

गर्मी के मौसम में आपकी स्किन को अतिरिक्त ठंडक और ताजगी की आवश्यकता होती है और ऐसे में खीरे का इस्तेमाल करना यकीनन एक अच्छा विचार है। खीरे से टोनर बनाने के लिए सबसे पहले खीरे को ब्लेंडर में ब्लेंड कर लें।

स्किन की देखभाल का सबसे पहला नियम होता है कि आप अपनी स्किन और मौसम को ध्यान में रखते हुए स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चयन करें। यूं तो मार्केट कई तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स से अटा पड़ा है, लेकिन अगर स्किन की देखभाल के लिए घर पर ही इन प्रोडक्ट्स को तैयार किया जाए तो इसे सबसे अच्छा माना जाता है। यह ना केवल पॉकेट फ्रेंडली होता है, बल्कि नेचुरल होने के कारण इनसे स्किन को किसी तरह का नुकसान भी नहीं होता है। चूंकि अब गर्मियों का मौसम हैं तो ऐसे में आप स्किन की केयर के लिए घर पर ही टोनर बना सकते हैं। आप कई अलग-अलग इंग्रीडिएंट का इस्तेमाल करते हुए इसे बनाएं।

एलोवेरा जेल से बनाएं टोनर

गर्मी के मौसम में एलोवेरा जेल से बेहतर दूसरा कोई स्किन केयर इंग्रीडिएंट नहीं हो सकता है। यह ना केवल आपकी स्किन को ठंडक पहुंचाता है, बल्कि इसकी हीलिंग प्रॉपर्टीज भी आपकी स्किन को बेदाग बनाने में मदद करती है। एलोवेरा जेल से टोनर बनाने के लिए एक बाउल में आधा कप एलोवेरा जेल और आधा कप रोज वाटर डालकर मिक्स करें। जब यह अच्छी तरह ब्लेंड हो जाए तो आप इसे बोतल में डालें और फ्रिज में स्टोर करें।

ग्रीन टी टोनर

यह स्किन टोनर एजिंग स्किन के लिए काफी अच्छा है। एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होने के कारण ग्रीन टी फ्री रेडिकल्स को बेअसर कर सकती है और स्किन को यंगर बनाती हैं। इसे बनाने के लिए आप सबसे पहले एक कप ग्रीन टी तैयार करें। अब आप इसे ठंडा होने दें। फिर इसमें टी ट्री एसेंशियल ऑयल की पांच से छह बूंदें डालकर मिक्स करें। अब आप इसे एक स्प्रे बोतल में डालें और फ्रिज में स्टोर करें।

खीरे से बनाएं टोनर

गर्मी के मौसम में आपकी स्किन को अतिरिक्त ठंडक और ताजगी की आवश्यकता होती है और ऐसे में खीरे का इस्तेमाल करना यकीनन एक अच्छा विचार है। खीरे से टोनर बनाने के लिए सबसे पहले खीरे को ब्लेंडर में ब्लेंड कर लें। अब आप ब्लेंड किए हुए खीरे को एक साफ कपड़े से छान लें। खीरे के रस में रुई या रुई डुबोएं और इसे अपने पूरे चेहरे पर लगाएं। 10 से 15 मिनट के बाद साफ पानी से चेहरा धो लें।

शतावरी

हेल्थ फैक्ट्स

रोग भगाए, सौंदर्य निखारे, शक्ति बढ़ाए

- शतावरी में विटामिन 'ए' होता है जो त्वचा की सुंदरता को निखारता है साथ ही यह चेहरे की झुर्रियों को मिटाता है
- आयुर्वेद में शतावरी की पत्तियों और जड़ों को शुक्रजनन, शीतल, मधुर एवं दिव्य रसायन माना गया है, यह दमा, खांसी, दिल के रोग के लिए कारगर है
- शुगर में शतावरी चूर्ण का सेवन दूध के साथ नियमित करने से काफी फायदा पहुंचता है
- यदि मूत्र में खून आने की समस्या है तो शतावरी का सेवन नियमित रूप से करें

शतावरी का पौधा हमारे लिए वरदान साबित हो रहा है। इसका चूर्ण दूध के साथ लेने से हड्डियों को शक्ति प्रदान करता है व दर्द को तेजी से दूर करने में मदद करता है। शतावरी एक औषधीय पौधा है जिसका उल्लेख आयुर्वेद में किया गया है। इसका वनस्पतीय नाम है 'स्पारॅगस रेसमोसस' है। शतावरी में ऐसे अनेक गुण छुपे हुए हैं जो आपकी हर एक बीमारी को यूं गायब कर सकते हैं। इसको गुणों की खान कहना गलत न होगा।

स्त्री रोगों में लाभकारी = यह पौधा तमाम तरह के स्त्री रोगों जैसे बांझपन, गर्भपात या नई नवेली मां में दूध की कमी को पूरा करता है। आयुर्वेद में शतावरी की पत्तियों और जड़ों को शुक्रजनन, शीतल, मधुर एवं दिव्य रसायन माना गया है। यह दमा, खांसी, दिल के रोग के लिए कारगर है। परंपरागत रूप से शतावरी को महिलाओं की जड़ी बूटी माना गया है, हालांकि यह पौधा पुरु षों के हार्मोन लेवल को बढ़ा कर उनकी कामुकता में भी इजाफा कर सकता है।

शतावरी से अन्य लाभ

1. **अतिरिक्त वजन कम करे :** महिलाओं में मासिक धर्म के दौरान अतिरिक्त पानी की वजह से जो वजन बढ़ता है शतावरी उसे कम करता है।
2. **ब्रेस्ट मिल्क बढ़ाए :** प्रसूता माता को यदि दूध नहीं आ रहा हो या कम आता हो तो शतावरी की जड़ों के चूर्ण का सेवन दिन में कम से कम चार बार करना चाहिए।
3. **मधुमेह में फायदेमंद :** शतावरी की जड़ों के चूर्ण का सेवन बगैर शक्करयुक्त दूध के साथ नियमित किया जाए तो यह काफी फायदेमंद होता है।
4. **शक्तिवर्धक :** अगर शतावरी के पत्तों के रस को दो चम्मच दूध में मिला कर दिन में दो बार लें, तो यह शक्ति प्रदान करता है।
5. **यूरीन में खून में लाभकारी** : अगर मूत्र में खून आने की समस्या है तो शतावरी का सेवन नियमित रूप से करें।
6. **अल्सर दूर करे :** शतावरी काफी ठंडा होता है इसलिए यह बुखार, जलन और पेट के अल्सर को दूर कर सकता है।
7. **बीमारियों का नाश करे:** यह जड़ी-बूटी हैजा, टाइफाइड बुखार, ई.कोलाई आदि से लड़ सकता है।
8. सुंदरता बढ़ाए: शतावरी में विटामिन 'ए' होता है जो कि त्वचा की सुंदरता को निखारता है। यह चेहरे से झुर्रियों को मिटाता है।
9. **माइग्रेन दूर करे :** शतावरी की ताजी जड़ को मोटा-मोटा कूट लें, इसका रस निकालें और इसमें बराबर मात्रा में तिल का तेल मिलाकर पका लें। इस तेल को सिर में लगाएं और लाभ देखें।
10. **प्रजनन छमता बढ़ाए** : यह गर्भ को पूरी तरह से पोषण पहुंचा कर प्रजनन दर को बढ़ाता है।

मध्य आयु में हाई बीपी तो बुढ़ापे में स्मृति लोप

बोस्टन। वैज्ञानिकों ने कहा कि 50 वर्ष के आसपास की अवस्था में उच्च रक्तचाप का कई वर्षो बाद आपके दिमाग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कई अध्ययनों से यह पता चलता है कि मध्य आयु में हृदय संबंधी जोखिम खासकर रक्तचाप का संबंध स्मृति लोप से है।फ्रेमिंघम हार्ट स्टडी (एफएचएस) के आंकड़ों का इस्तेमाल करते हुए बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के अनुसंधानकर्ताओं ने एफएचएस के 378 लोगों पर यह अध्ययन किया है। इसमें 50-60 वर्ष की आयु में इन लोगों के रक्तचाप और 30 साल बाद 80 या उससे अधिक आयु की अवस्था में इनके दिमाग के काम करने की क्षमता पर अध्ययन किया गया। मध्य आयु में जिन लोगों को उच्च रक्तचाप था, उनके दिमाग ने बहुत बाद ज्यादा खराब प्रदर्शन किया। इस अध्ययन का प्रकाशन ''जर्नल ऑफ अल्जाइमर्स डिजीज' में हुआ है।

ज्यादा कॉफी पीना पिता बनने में हो सकता है बाधक

एक दिन में 200 मिली ग्राम से ज्यादा कॉफी पीने से शरीर में एस्ट्रोजन का उत्पादन बढ़ जाता है। एस्ट्रोजन का स्तर बढ़ने से महिला और पुरुषों दोनों में प्रजनन संबंधी विकार और नपुंसकता पैदा होती है। कामकाजी लोगों के कॉफी, चाकलेट और कोला एक मजबूत तनावरोधी का काम करते हैं और युवा पीढ़ी खासतौर से उत्तेजना के लिए इनका इस्तेमाल करती है, लेकिन जब इसकी तलब लत में बदल जाती है तो यह नपुंसकता पैदा करने लगता है। एक विशेषज्ञ का कहना है कि बहुत ज्यादा कॉफी पीने से पुरुषों की प्रजनन क्षमता प्रभावित होती है. जो पुरुष रोजाना दो कप या उससे ज्यादा कॉफी पीता है उसमें बाप बनने की संभावना बहुत कम होती है। जबकि लड़कियों में कैफीन फेलोपियन ट्यूब में पेसमेकर कोशिकाओं की प्रणाली को बाधित कर देता है.ये कोशिकाएं ट्यूब संकुचन का काम करती हैं और अंडों को ट्यूब में नीचे जाने से रोकती है। लेकिन जब महिलाएं बहुत ज्यादा कैफीन लेती हैं। उन्हें गर्भधारण करने में कैफीन नहीं लेनेवालों की अपेक्षा ज्यादा समय लगता है.इसलिए, अगर आप कुछ महीनों से परिवार को बढ़ाने की तैयारी में लगे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल रही है तो चाय, कॉफी, कोला और कोकोआ में पाए जानेवाले कैफीन की मात्रा कम से कम ले, खासतौर पर तब जब आप रोजाना 200 मिली ग्राम से ज्यादा कैफीन का उपभोग कर रहे हों।

एक अन्य विशेषज्ञ का कहना है कि कैफीन की ज्यादा मात्रा का सेवन करने वालों को प्रजनन संबंधी समस्याओं से लेकर गर्भपात तक की समस्या हो सकती है। इसलिए महिलाओं को उन खाने-पीने की उन चीजों का कम सेवन करना चाहिए, जिसमें ज्यादा मात्रा में कैफीन पाया जाता है, खासतौर पर जब वे गर्भधारण की अवस्था में हो या गर्भधारण करने की कोशिश कर रही हों। विशेषज्ञ कि गर्भवती महिलाओं को न सिर्फ कैफीन के सेवन से बचना चाहिए, बल्कि इसकी जगह स्वास्य के लिए हानिकारक चीजों जैसे शराब या चीनी से भरपूर सॉफ्ट ड्रिंक आदि से भी बचना चाहिए।

रात को ज्यादा रोशनी भी नींद न आने की वजह

अगर आपके आस-पड़ोस में रात में खूब रोशनी रहती हो तो आप अच्छी तरह सो नहीं पाएंगे, जिससे दिन में भी आपकी कार्यक्षमता प्रभावित होगी। एक नए शोध में इसकी जानकारी मिली है। कनाडा के वेंकुवर में 68वें अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी में अप्रैल 2016 में इस शोध को प्रस्तुत किया जाएगा जो रात में रोशनी से नींद प्रभावित होने के बारे में की गई है।कैलिफोर्निया की स्टैनफोर्ड यूनिर्वसटी के शोधकर्ता मौरिस ओहैयन ने बताया, ''हमारी दुनिया 24 घंटे काम करने वाला समाज बन गया है। हम बाहर खूब उजाला रखते हैं जैसे स्ट्रीट लाइटों के माध्यम से ताकि हमें कामकाज में आसानी हो और सुरक्षा का मसला भी है।' ओहैयन ने बताया, ''चिंता की बात यह है कि हमने अपने आसपास अंधेरे के आवरण को कम कर दिया है जिससे हमारी नींद प्रभावित हो रही है।'
ग्रामीण इलाकों और छोटे शहरों की तुलना में बड़े शहरों के लोग तीन से चार गुना अधिक रात के प्रकाश में रहते हैं। इस शोध के लिए 15 हजार 863 लोगों का फोन द्वारा 8 सालों तक सर्वेक्षण किया गया, जिसमें निद्रा से जुड़ी आदतों और नींद की गुणवत्ता जैसे सवाल किए गए थे। निष्कर्षों के अनुसार, कम प्रकाश में रहने वाले लोगों की तुलना में जो लोग अधिक प्रकाश में रहते थे वह नींद की कमी से ग्रसित थे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

हंसी के फूव्वारें

राज (हरीश से), ''सुनाओ दोस्त क्या हाल है?''

हरीश, ''बहुत बुरा हाल है. सब साथ छोड़ गए है एक बीवी थी वह भी कटी पतंग की तरह आसमान में कहीं उड़ती फिरती है, तुम अपना हाल सुनाओ.''

राज, ''मैं तो बड़े मजे में हूं. आजकल कटी पतंगें लूटना ही मेरा काम है, आराम से गुजर रही है.''

एक मशहूर क्रिकेटर का विवाह हुआ. विवाह के कुछ दिन उपरांत वह अपनी ससुराल गया तो उलकी साली शोखी से बोली, ''जीजा जी, दीदी कैसी लगी?''

क्रिकेटर बड़ी गंभीर आवाज में बोला, ''मीडियम फास्ट.''

विजय लक्ष्मी (शारदा से), ''मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए बहुत भाग्यशाली साबित हुआ?'' शारदा, ''वह कैसे.''

विजय लक्ष्मी, ''मेरा पड़ोसी इसी कारण अपना मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने खरीद लिया.''

काकुरो पहेली - 4053

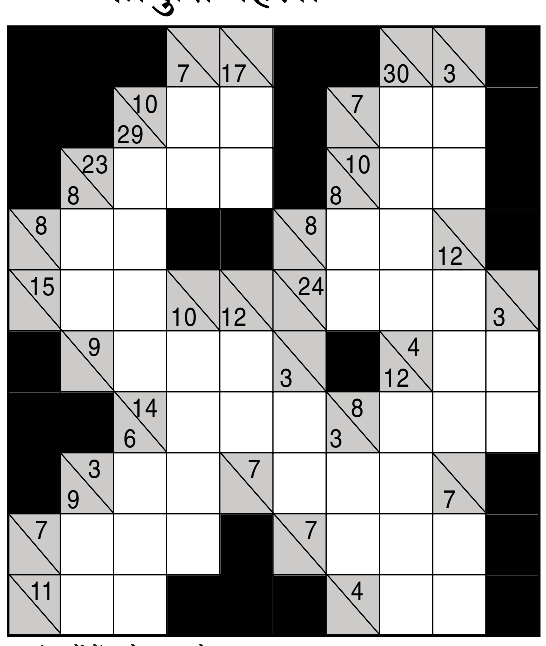

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16 → 1 2 3 4 6
23 → 6 8 9

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 4052 का हल

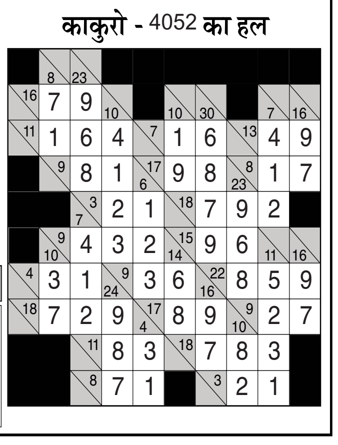

फिल्म वर्ग पहेली - 4053

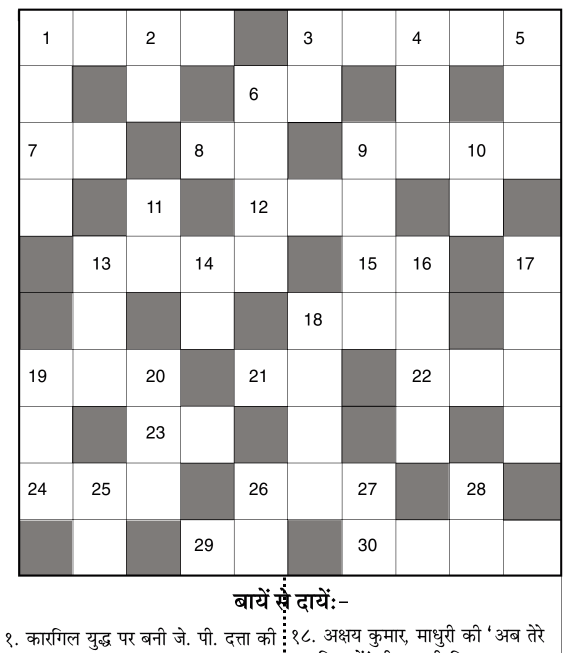

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६.'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4052

सुडोकू 4053

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

4052

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 4053

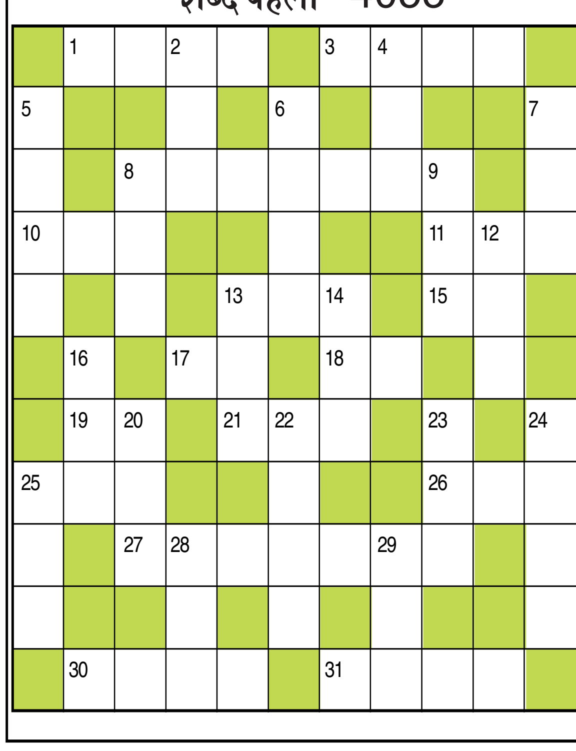

बाएँ से दाएँ

1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे

2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली -4052 का हल

कर्नाटक कांग्रेस ने कश्मीर को पाकिस्तान के नक्शे के साथ जोड़ा, विवादित पोस्ट किया डिलीट

एजेंसी

बेंगलुरू। कर्नाटक कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर एक बड़ी गलती कर दी, जिसके बाद से वह विवादों में है। पार्टी ने कश्मीर को पाकिस्तान के नक्शे के साथ जोड़ दिया। गलती का एहसास होने पर कांग्रेस ने पोस्ट को डिलीट भी कर दिया। दरअसल, इस पोस्ट का उद्देश्य पाकिस्तान को दिए गए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के लोन की आलोचना करना था, लेकिन पाकिस्तान का गलत नक्शा लगाने से पार्टी की आलोचना शुरू हो गई है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने इस गलती के लिये पार्टी की सोशल मीडिया टीम की खिंचाई की है। बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया टीम में कुछ लोगों की लापरवाही और नासमझी की वजह से ये गलती हुई। कांग्रेस ने इस पोस्ट को तुरन्त हटा दिया है। साथ ही उन लोगों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, जिन्होंने इस पोस्ट को अपलोड किया। गौरतलब है कि भारत-पाकिस्तान के बीच बीते कई दिनों से तनाव की स्थिति है। ये कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद शुरू हुई थी। ऐसे नाजुक समय में जब पहलगाम आतंकी हमले की वजह से कश्मीर पूरी दुनिया में चर्चा में है, तब कश्मीर को पाकिस्तान के नक्शे से जोड़ने की गलती करना कांग्रेस के लिए मुसीबत बन सकता है। सोशल मीडिया यूजर्स में भी इस गलती को लेकर नाराजगी है। लोग कर्नाटक कांग्रेस की आलोचना कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में एक लाख की इनामी महिला नक्सली सहित छह नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित अंदरूनी इलाकों में लगातार खोले जा रहे सुरक्षा कैंपों और नक्सलियों के विरूद्ध जारी प्रभावी कार्रवाई के फलस्वरूप संगठन में सक्रिय एक लाख की इनामी महिला नक्सली सहित छह नक्सलियों ने दंतेवाड़ा पुलिस केसामने आत्मसमर्पण कर दिया। इसमें दो महिला और चार पुरुष नक्सली शामिल हैं। आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई ।पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन लोन वर्राटू (घर वापस आइये) अभियान तथा छग शासन की ''पुनर्वास नीति'' के तहत मुख्य धारा से भटके नक्सलियों से संवाद कर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समाज के मुख्यधारा में लाया जा रहा है। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों को छग शासन की पुनर्वास नीति के तहत 50-50 हजार रूपये की सहायता राशि के साथ ही पुर्नवास नीति के तहत मिलने वाली अन्य सुविधाएं जैसे स्किल डेवलपमेंट हेतू प्रशिक्षण, कृषि भूमि इत्यादि मुहैया कराई जाने का आश्वासन दिया है। दंतेवाड़ा जिले में लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 230 इनामी सहित कुल 973 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ चुके हैं।

विशेष ट्रेन से अमृतसर में फंसे विदेशी नागरिकों व पर्यटकों को भेजा दिल्ली

चंडीगढ़,। भारत - पाकिस्तान सीमा पर तनाव के कारण पिछले पांच दिन से अमृतसर में फंसे विदेशी तथा स्वदेशी पर्यटकों को दिल्ली रवाना किया गया। पांच दिन से यहां फंसे इन पर्यटकों को दिल्ली पहुंचाने के लिए रेलवे ने विशेष ट्रेन वंदे भारत चलाई है। अमृतसर में रोजाना हजारों की संख्या में देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। यह पर्यटक दरबार साहिब, जलियांवाला बाग के अलावा अटारी बार्डर पर होने वाली रिट्रीट सेरेमनी को देखने जाते हैं। 6 मई को भी भारी संख्या में पर्यटक अमृतसर आए हुए थे। 7 मई की शाम भारत-पाक विवाद के चलते यहां रिट्रीट सेरमेनी बंद कर दी गई थी। जिसके चलते भारी संख्या में पर्यटक अमृतसर में ही फंस गए। तनाव बढ़ने के बाद जिला प्रशासन ने पर्यटकों को अमृतसर की सराय व अन्य स्थानों पर रोक दिया गया। हालात सामान्य होने के बाद अमृतसर से वन वे रिजर्वड वंदे भारत स्पेशल ट्रेन से चलाई गई। यह विशेष ट्रेन पर्यटकों को लेकर शाम चार बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई। अमृतसर रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर अजय सिंह ठाकुर ने बताया कि रेलवे की तरफ से विशेष ट्रेन का प्रबंध किया गया।

सीमा पर तनाव के बीच जैसलमेर में मिला बम, एसएमएस स्टेडियम को उड़ाने की धमकी, एयरपोर्ट शुरू

जयपुर । भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच राजस्थान के कई इलाकों में सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया है। जैसलमेर में सोमवार दोपहर एक बम मिला, जिसे सेना के बम निरोधक दस्ते ने समय रहते निष्क्रिय कर दिया। यह बम शहर से करीब 10 किलोमीटर दूर एक सुनसान इलाके में पाया गया।श्र स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद सेना को बुलाकर बम को डिस्पोज किया गया श्रीगंगानगर और इसके चार उपखंडों में सीमा से सटे तीन किलोमीटर क्षेत्र में रात सात बजे से सुबह छह बजे तक आमजन की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। इस दौरान टॉर्च या गाड़ियों की हेडलाइट का उपयोग भी प्रतिबंधित किया गया है। जैसलमेर के रामगढ़ से तनोट बॉर्डर जाने वाले रास्ते पर भी दोपहर तीन बजे के बाद बाहरी लोगों के जाने पर पाबंदी लगाई गई है। केवल स्थानीय निवासियों को ही आधार कार्ड दिखाकर आने-जाने की अनुमति है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पूरे मार्ग पर बैरिकेडिंग कर दी है।

विकसित खेती-समृद्धि किसान और गांव में भी गरीब का कल्याण यह हमारा लक्ष्य: केंद्रीय मंत्री शिवराज

एजेंसी

रायपुर। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि छत्तीसगढ़ के मोर भाई-बहनी मन ला- जय जोहार! तथा छत्तीसगढ़िया...सबले बढ़िया। उन्होंने अपने संदेश में छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर कहा कि मैं आपसे मिलने छत्तीसगढ़ आ रहा हूं...आज पहुंचूंगा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का निर्माण हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित छत्तीसगढ़ के लिए विकसित खेती-समृद्धि किसान और गांव में भी गरीब का कल्याण यह हमारा लक्ष्य है। डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में और हमारे युवा कर्मठ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में बेहतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि खेती के क्षेत्र में, किसानों के कल्याण के लिए और गरीबों के कल्याण के लिए कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण

विकास विभाग भी कोई कसर नहीं छोड़ेगा। आपने देखा इस सरकार के आने के पहले तक पांच साल पहले कितना अन्याय हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान के लिए पैसे भेजे लेकिन राज्य की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने अपना हिस्सा ही नहीं मिलाया। गरीबों के घर नहीं बन पाए, गरीब बेघर रह गए और आपको याद होगा कि उस समय भारतीय जनता पार्टी ने वचन दिया था कि जितने गरीब, जिनके आवास प्लस की 2018 की सूची में नाम हैं उन सबको मकान दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ में नई सरकार बनने के बाद अभी हमने पहले 11 लाख 65 हजार प्रधानमंत्री आवास योजना के घर स्वीकृत किए थे। मुझे खुशी है छत्तीसगढ़ की सरकार बहुत बेहतर काम कर रही है, इन घरों को तेजी से बना रही है, लेकिन अभी 3 लाख से ऊपर घर बचे हुए हैं। नाम तो सूची में है, लेकिन मकान आवंटित नहीं हुए, हमने कहा था हर एक को घर देंगे। बचे हुए लोगों को भी प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास स्वीकृत किए जा रहे हैं, कल पूरी सूची संतृप्त हो जाएगी, कोई नहीं बचेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उसके बाद भी यदि कोई बच गया हो, सूची में नाम ही न आया हो तो नया सर्वे भी चालू है। आपकी जिंदगी बेहतर बनाना ये मोदी सरकार का लक्ष्य है और इसकी प्राप्ति में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कल पहले रायपुर में कृषि और ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा करने के बाद अंबिकापुर में गरीब भाई-बहनों से भी मिलेंगे, आपसे मिलने की बहुत उत्सुकता है।

उत्तराखंड के हरिद्वार में हरकी पैड़ी के प्रवेश द्वारों पर बनेंगे बंकर, कवायद शुरू

एजेंसी

हरिद्वार। पाकिस्तान से तनाव के चलते देशभर के विभिन्न महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों की सुरक्षा बढ़ाई गई है। इसी क्रम में उत्तराखंड केहरिद्वार हरकी पैड़ी की भी सुरक्षा बढ़ायी जा रही है। इसके तहत हरकी पैड़ी के प्रवेश द्वारों पर बंकर बनाए जाएंगे। इसके लिए पैरामिलिट्री ने कवायद भीशुरू कर दी है। एसपी सिटी ने इसकी पुष्टि की है। प्रदेश के साथ हरिद्वार जिले के तीर्थस्थलों की सुरक्षा व्यवस्था को मुकम्मल बनाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यहां पर 2 कंपनी पैरामिलिट्री फोर्स भेजी है। इनमें से एक कंपनी को केवल हरकी पैड़ी की जिम्मेदारी दी गई है। ये कंपनी न केवल रोजाना शाम होने वाली गंगा आरती के समय मौजूद रहेगी, बल्कि दिन के समय में भी कंपनी के कई जवान हरकी पैड़ी पर तैनात रहेंगे। हरकी पैड़ी के सभी 8 एंट्री पॉइंट्स पर इनके लिए बंकर बनाने का काम शुरू हो चुका है। एसपी सिटी पंकज गैरोला ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से यह कदम उठाया गया है। इन बंकरों में पैरामिलिट्री फोर्स के जवान तैनात किए जाएंगे। गंगा सभा के महामंत्री

तन्मय वशिष्ठ का कहना है कि कुंभ जैसे बड़े आयोजन में भी ऐसे बंकर बनाए जाते हैं। इनके बनने से सुरक्षा में और इजाफा होगा।

प्रधानमंत्री के संबोधन से नहीं टल सकता संसद में व्यवस्थित चर्चा का विकल्प : सीपीआई(एम)

एजेंसी

कोलकाता। सीपीआई(एम) के महासचिव एम.ए. बेबी ने सोमवार रात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का भाषण संसद में एक व्यवस्थित चर्चा का विकल्प नहीं हो सकता। बेबी ने फेसबुक पर जारी बयान में लिखा, लोकतंत्र एकतरफा रास्ता नहीं होता।

प्रधानमंत्री का टेलीविजन पर दिया गया भाषण संसद में बयान की विषयवस्तु पर व्यवस्थित चर्चा का स्थान नहीं ले सकता। संसदीय लोकतंत्र में सरकार को जवाबदेह रहना होता है। प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले ही बेबी ने बताया था कि उन्होंने प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने संघर्षविराम की ताजा घटनाओं और अन्य राष्ट्रीय चिंताओं पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। प्रधानमंत्री के भाषण के बाद सीपीआई(एम) महासचिव ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कई अहम मुद्दों को

नजरअंदाज किया, जिनमें सीमा पार गोलाबारी में मारे गए लोगों के नामों का उल्लेख भी शामिल है।बेबी ने कहा, अपने भावनात्मक भाषण में प्रधानमंत्री ने उन लोगों का जिक्र करना भी जरूरी नहीं समझा, जो सीमा पार गोलाबारी में मारे गए और उनके परिवारों का भी कोई उल्लेख नहीं किया। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के लोगों की उस भूमिका को भी नजरअंदाज किया, जिसमें उन्होंने पिछले महीने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीड़ितों की मदद की थी। बेबी ने कहा, प्रधानमंत्री ने कश्मीरी जनता के साहस और पीड़ितों की मदद में उनके निस्वार्थ योगदान और हमले की स्पष्ट निंदा के बारे में एक शब्द तक नहीं कहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री न तो नफरत फैलाने वाले अभियानों की निंदा कर पाए और न ही उस विदेश सचिव का बचाव किया, जिसे सरकार की ओर से बोलने के कारण निशाना बनाया गया। सीपीआई(एम) ने साफ कहा कि लोकतंत्र में संवाद जरूरी है और प्रधानमंत्री का एकतरफा संबोधन उससे बचने का माध्यम नहीं हो सकता।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने छात्रों पर छोड़ी गहरी छाप, डब्ल्यूबीएमडीएफसी अध्यक्ष ने किया याद

एजेंसी

कोलकाता। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता से अवगत कराने वालीं कर्नल सोफिया कुरैशी आज तमाम बेटियों के लिए प्रेरणा बन गई हैं। हर कोई उन्हें सलाम कर रहा है। इस बीच पश्चिम बंगाल माइनॉरिटी डेवलपमेंट एंड फाइनेंस कॉरपोरेशन (डब्ल्यूबीएमडीएफसी) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक पी.बी. सलीम ने कर्नल सोफिया द्वारा एक वेबिनार में की गई प्रेरणादायक बातों को याद किया और कहा कि छात्रों पर उन्होंने एक मजबूत छाप छोड़ी है।

कर्नल कुरैशी, जो 2022 में कोलकाता स्थित फोर्ट विलियम पूर्वी कमान का मुख्यालय में तैनात थीं, डब्ल्यूबीएमडीएफसी के करियर गाइडेंस सीरीज के तहत आयोजित एक वेबिनार में शामिल हुई थीं। इस वेबिनार में हजारों छात्रों और पेशेवरों ने हिस्सा लिया, जो महामारी के दौरान अपने करियर को लेकर अनिश्चितताओं का सामना कर रहे थे। डब्ल्यूबीएमडीएफसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सलीम ने बताया कि उन्होंने (कर्नल कुरैशी) ने अपने शांत और दृढ़ मार्गदर्शन से

छात्रों पर गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने वेबिनार में अपनी यात्रा को ईमानदारी से साझा किया और बताया कि कैसे वह पहले वैज्ञानिक बनना चाहती थीं, लेकिन सेना में परिवारिक पृष्ठभूमि के कारण उनका रुझान सेना की तरफ हुआ। जब महिलाओं के लिए सेना में शामिल होने का अवसर आया तो उन्होंने उसे स्वीकार किया। अपने संबोधन में खासकर लड़कियों से कहा कि अगर आप सेना की वर्दी पहनना चाहती हैं तो इसके लिए कड़ी मेहनत करें, प्रेरणादायक वीडियो देखें, अपने माता-पिता से चर्चा करें और उन लोगों से दूर रहें जो आपको नकारात्मक बातें कहते हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि सेना में शामिल होने के लिए शारीरिक और मानसिक फिटनेस के साथ-साथ समय का सही प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण है। डब्ल्यूबीएमडीएफसी के अध्यक्ष ने बताया कि वेबिनार में उन्होंने लगभग दो घंटे तक छात्रों के साथ बातचीत की। उन्हें अध्ययन के टिप्स दिए और जीवन में किसी भी चुनौती को पार करने के लिए मार्गदर्शन किया। उनका यह संवाद आज भी हम सब के दिलों में जीवित है।

कंपनी अधिनियम और मौजूदा सहकारी अधिनियम के बीच संतुलन बनाकर नया कानून लाया जाना चाहिए: गडकरी

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितीन गडकरी ने पुणे में कहा कि महाराष्ट्र में एक नया कानून लाया जाना चाहिए, जो मौजूदा कंपनी अधिनियम और सहकारी क्षेत्र अधिनियम के बीच संतुलन बनाएगा। गडकरी पुणे जिले के सुपा में साहूकारों के खिलाफ आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में सहकारी आंदोलन केवल महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, केरल तथा देश के कुछ अन्य राज्यों में ही है। केंद्र सरकार ने इस आंदोलन को पूरे देश में फैलाने के लिए नए सहकारिता मंत्रालय के माध्यम से काम शुरू कर दिया है। सहकारी आंदोलन ने कई मजदूर वर्ग, गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के जीवन में सकारात्मकता लाया है। उन्होंने कहा कि सहकारी क्षेत्र ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाने में बहुत अच्छा

काम किया है। महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक को निश्चित रूप से इन सामाजिक और आर्थिक प्रभावों का अध्ययन करना चाहिए। सहकारी क्षेत्र को आम आदमी के कठिन परिश्रम वाले जीवन को सहने योग्य बनाने के लिए काम करना चाहिए। सहकारी आंदोलन ने डेयरी क्षेत्र में महान योगदान दिया है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने सहकारिता आंदोलन की सराहना करते हुए कहा कि इससे निश्चित रूप से किसानों के जीवन में आर्थिक समृद्धि आई है।राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि 12 मई 1875 को पुणे जिले के सुपा में साहूकारों के खिलाफ विद्रोह हुआ। इस विद्रोह ने साहूकारी प्रणाली के विकल्प के रूप में सहकारी आंदोलन को जन्म दिया।

साहूकारों के शोषण के कारण किसान और गरीब लोग हताश थे, उन्हें इस शोषण से मुक्त कराने के लिए साहूकारों के खिलाफ एक बड़ा विद्रोह हुआ। पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद शरद पवार ने कहा कि सहकारी आंदोलन इसी विद्रोह के कारण शुरू हुआ। उस समय राज्य सहकारी बैंक द्वारा शुरू की गई योजनाएं आज भी जारी हैं। राज्य सहकारी बैंक के माध्यम से आम आदमी के जीवन में खुशहाली लाने का कार्य निरंतर जारी है। बैंकों के वित्तीय सशक्तिकरण की चर्चा पूरे देश में चल रही है। वर्तमान में सहकारी समितियों को सक्रिय करने की आवश्यकता है। शरद पवार ने यह भी कहा कि इसके लिए निश्चित रूप से काम किया जाना चाहिए। इस अवसर पर प्रशासक विद्याधर अनास्कर ने परिचयात्मक भाषण दिया और दिलीप दिघे ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम के दौरान बैंक की वित्तीय बैलेंस शीट पुस्तिका का विमोचन किया गया। इसमें सहकारी क्षेत्र के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

हिसार में ईंट भट्टे पर काम कर रहे 39 बांग्लादेशी पकड़े

एजेंसी

हिसार। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और फिर सीजफायर के बाद पुलिस ने एक ईंट भट्ठे से 39 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। यह सभी अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। इनमें 14 पुरुष, 11 महिलाएं और 14 बच्चे शामिल हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस इन मजदूरों को बांग्लादेश डिपोर्ट करने की तैयारी कर रही है। जानकारी के अनुसार हांसी पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर तोशाम रोड स्थित ढाणी सांकरी के एक ईंट भट्टे पर मजदूरी कर रहे लोगों से पूछताछ की। इस दौरान इनके पास से किसी भारतीय होने का किसी तरह के डॉक्यूमेंट नहीं मिले हैं। इसके बा हांसी पुलिस ने इन 39 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ कर सदर थाने ले आई। ये सभी गैर कानूनी तरीके से ईंट भट्ठे पर रह रहे थे। पकड़े गए लोगों में 14 पुरुष, 11 महिलाएं और 14 बच्चे शामिल हैं। पुलिस के अनुसार पूछताछ में इन लोगों ने बताया कि वे काम की तलाश में अवैध रूप से बॉर्डर क्रॉस करके बांग्लादेश से यहां आए थे। इन लोगों ने यह नहीं बताया कि इनको बॉर्डर क्रॉस किसने करवाया था। इसे मामले में सुरक्षा एजेंसियां जांच कर रही हैं। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है कि ये कितने लंबे समय से यहां रह रहे थे और इनके हांसी तक पहुंचने का जरिया क्या रहा। हांसी एसपी अमित यशवर्धन ने बताया कि पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की थी।

करेंगुट्टा मुठभेड़ में मारे गए 20 नक्सलियों की शिनाख्त, 11 शव परिजनों को सौंपे गए

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले से जुड़ी तेलंगाना राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र करेंगुट्टा की पहाड़ी में अबतक के सबसे बड़े नक्सली विरोधी अभियान के दौरान बीते सात मई को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में मारे गए 20 नक्सलियों के शवों की शिनाख्त की गई। इसके बाद 11 शवों के पोस्टमार्टम और अन्य कानूनी औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। बीजापुर पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार यादव ने इस संबंध में यह जानकारी दीदरअसल, कोंडपल्ली, तुमरेल, कोंडपल्ली तामोपारा, पोचेर, हिरोली, भुसापुर, तुमरेल-तुमरपारा, भुसापुर-सरपंच पारा गांव के लोग बीजापुर जिला अस्पताल पहुंचे थे। इस दौरान

बीजापुर के कांग्रेस विधायक विक्रम शाह मांडवी भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि सुबह से पहुंचे ग्रामीण अपनी-अपनी बारी का इंतजार किस तरह कर रहे हैं, कभी वाहन नहीं मिलने की परेशानी, तो कभी शव की फोटो नहीं देख पाने की परेशानी। शव की पहचान न होने की तमाम परेशानियों को देखते हुए उन्होंने जिले के एसपी डॉ. जितेंद्र कुमार यादव से फोन पर संपर्क कर जल्द कार्रवाई पूरा करने की बात की। विधायक की पहल पर शव ले जाने के लिए वाहन और पुलिस अमला पहुंचा और इसके बाद परिजनों को मदद मिली। बीजापुर विधायक विक्रम शाह मंडावी ने राज्य की भाजपा सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एक तरफ ऑपरेशन को सफल बताते हुए 22 नक्सलियों को ढेर करने पर जवानों को बधाई देते हैं, दूसरी तरफ प्रदेश के गृह मंत्री कहते हैं कि बीजापुर में किसी प्रकार का ऑपरेशन नहीं हुआ है और इस मुठभेड़ या ऑपरेशन में 22 नक्सलियों के मारे जाने के जो आंकड़े आ रहे हैं, उसे गलत बताते हैं। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार में मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री दोनों के बयान आपस में विरोधाभासी हैं।

नागपुर में संघ के कार्यकर्ता विकास वर्ग-द्वितीय का शुभारंभ

एजेंसी

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता विकास वर्ग-द्वितीय का उद्घाटन सुबह नागपुर के रेशीमबाग स्थित डॉ हेडगेवार स्मृति भवन परिसर स्थित महर्षि व्यास सभागार में हुआ। इस अवसर पर संघ के सहसरकार्यवाह एवं वर्ग के पालक अधिकारी आलोक कुमारजी, सहसरकार्यवाह रामदत्त चक्रधरजी तथा वर्ग सर्वाधिकारी एवं पूर्वी उड़ीसा प्रांत के संघचालक समीर कुमार मोहंती ने भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर वर्ग का शुभारंभ किया। इस वर्ग में देशभर से 840 शिक्षार्थी सम्मिलित हुए हैं। जम्मू-काश्मिर से भी वर्ग में शिक्षार्थी आए हैं। वर्ग में 40 वर्ष आयु से कम स्वयंसेवक ही अपेक्षित हैं, जिन्होंने संघ के प्रांत एवं क्षेत्र स्तरीय वर्ग प्रशिक्षण को प्राप्त कर लिया है। कुल 25 दिवसीय इस वर्ग का सार्वजनिक समापन 05 जून को होगा। इस प्रशिक्षण वर्ग में सामाजिक

जागरूकता एवं सामाजिक परिवर्तन पर प्रशिक्षण दिया जाता है। आलोक कुमारजी ने देशभर से आए शिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता विकास वर्ग-द्वितीय ऐसा वर्ग है जो राष्ट्रवाद की भावना जगाता है। यहां शिक्षार्थियों को देश की विविधता की झलक मिलती है। साथ ही, सभी को यह अनुभव होगा कि भारत में विविधता होने के बावजूद मूल विचार एक ही है। इस वर्ग के कठिन परिश्रम से ही सिद्ध कार्यकर्ता उभर कर सामने आते हैं। यहां सभी के लिए भगवा ध्वज ही गुरु है। उन्होंने कहा कि यह वर्ग बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रारंभ हो रहा है। भारत देश संपूर्ण विश्व में भगवान बुद्ध, गांधीजी और योग के कारण जाना जाता है। इस वर्ग का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को एक निश्चित समयावधि में विकसित करना और उनके माध्यम से संगठन के कार्य को बढ़ाना है। कार्यकर्ता धीरे-धीरे विकसित होते हैं और इसी तरह कार्य की गति बढ़ती है। तमिलनाडु, केरल और कई अन्य राज्यों में कार्यकर्ताओं को संघर्ष करना पड़ा और ऐसे स्थिती में भी संगठन का विस्तार हो रहा है। नागपुर में 1927 को संघ का पहला प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ हुआ था। उसके बाद से हर साल देशभर में सैकड़ों वर्ग आयोजित होते हैं। नागपुर की पावन धरती पर कार्यकर्ता विकास वर्ग-द्वितीय का आयोजन कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी है और वे यहां के संस्कार को लेकर समाज में जाते हैं, ऐसा सहसरकार्यवाह आलोक कुमार ने अपने संबोधन में कहा।

तथागत की महापरिनिर्वाण धरा को विकास के नक्शे पर संवार रही योगी सरकार

एजेंसी

लखनऊ/ कुशीनगर। पूरी दुनिया को सत्य, अहिंसा, प्रेम व मानवता का संदेश देने वाले तथागत भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण धरा कुशीनगर को योगी सरकार न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय पर्यटन अपितु समग्र विकास के पैमाने पर संवार रही है। महापरिनिर्वाण स्थली और इससे जुड़े आयामों के पर्यटन विकास के लिए खजाना खोल देने वाली सरकार, मेडिकल कॉलेज की सौगात देने के बाद महात्मा बुद्ध के नाम कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का निर्माण करा रही है। बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने महापरिनिर्वाण मंदिर में चीवर चढ़ाने, रामाभार स्तूप पर कमल पुष्प अर्पित करने के बाद महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का जायजा लिया और इस धरा के विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता को प्रकट किया। कुशीनगर की ख्याति भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली के रूप में है लेकिन इसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन फलक पर निखारने की गंभीर पहल योगी सरकार में हुई। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष प्रयासों से बनवाए गए इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों हो चुका है। हाल के दिनों में कुशीनगर के पर्यटन विकास के लिए करीब 62 करोड़ रुपये की जो परियोजनाएं मंजूर की गई हैं उनमें से करीब 28 करोड़ रुपये सिर्फ महापरिनिर्वाण स्थली से जुड़े आयामों पर खर्च किए जाएंगे।

मध्य प्रदेश की धरती पर अब नहीं बचेंगे नक्सली : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में वर्ष-2026 तक देशभर से नक्सलवाद के खात्मे का संकल्प लिया गया है। इसे पूरा करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार भी केंद्र सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को चार दिन की लड़ाई में पस्त कर दिया। गृह मंत्री शाह के नेतृत्व में देशभर में नक्सल विरोधी अभियान संचालित हो

रहा है। इस अभियान को मजबूती देने के लिए मध्य प्रदेश पुलिस को आधुनिक हथियारों और तकनीक से लैस किया जा रहा है। राज्य सरकार नक्सलियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। बालाघाट की धरती पर यह अलंकरण समारोह नक्सलियों को सीधा संदेश है कि वे सरेंडर करें नहीं तो मारे जाएंगे।

प्रदेश की धरती पर नक्सल का खूनी खेल अब नहीं चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बालाघाट के लांजी में आयोजित क्रम से पूर्व पदोन्नति अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैज लगाकर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पदोन्नत कर किया और बधाई दी। उन्होंने कहा कि बालाघाट जिले के पिछले दिनों नक्सल मुठभेड़ों में शामिल रहे पुलिस फोर्स, हॉक फोर्स और विशेष सशस्त्र बल के 64 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को क्रम पूर्व पदोन्नति प्रदान की गई है। राज्य सरकार का यह महत्वपूर्ण कदम पुलिसकर्मियों का हौसला बढ़ाएगा। क्रम पूर्व पदोन्नति पुलिस इतिहास में स्वर्णिम क्षण है। उन्होंने कहा कि बालाघाट कभी अत्यधिक नक्सल प्रभावित 12 जिलों की सूची में शामिल था। सरकार की मंशा और पुलिस के परिश्रम से अब केंद्र सरकार ने बालाघाट को गंभीर समस्या वाली श्रेणी से बाहर कर अन्य श्रेणी में रखा है।

दवाएं भी दे सकती हैं दगा

दवाएं उतनी ही मात्रा में लेना चाहिए जितनी चिकित्सक ने लिखी हों। इससे कम या अधिक नुकसानदायक हो सकती हैं। अब तक ऐसी कोई औषधि नहीं है, जिसके कोई साइड इफेक्ट्स न हों। अतः अपने मन से खाई गई कोई दवा, जहर भी हो सकती है।

जीवन की रक्षा करने वाली दवाइयां हमेशा सुरक्षित नहीं होती हैं। यदि आप चिकित्सक की सलाह के बिना इन्हें मनमाने तरीके से ले रहे हो तो ये खतरनाक भी हो सकती हैं।

कोर्स और डोज पर दें ध्यान

लगभग सभी बीमारियों में दवाइयों की निश्चित मात्रा निर्धारित समय तक ही दी जाती है। खुराक एवं मात्रा में से किसी भी एक का ध्यान न रखा जाए तो ये दवाइयां खतरनाक हो सकती हैं। दमा के तेज अटैक से तुरंत राहत के लिए चिकित्सक ओरल स्टीरायड्स मरीज को देते हैं, लेकिन देखा गया कि करीब 5 से 10 प्रतिशत मरीज उन पर्चों को संभालकर रख लेते हैं ताकि जब दोबारा अटैक आए तो वही दवा फिर से खा लें। कई मरीज तो चिकित्सक को बिना बताए हफ्तों और यहां तक कि महीनों भी अपने मन से स्टेरायड्स खाते रहते हैं। इसके गंभीर परिणाम होते हैं। इसी तरह ब्लड प्रेशर की दवाइयों की खुराक बिना रक्तचाप नापे ज्यादा या कम नहीं करना चाहिए।

कहीं ऐसा तो नहीं करते

कई मरीजों के परिजन अस्पताल के आईसीयू में यह कहते हुए सुनाई पड़ते हैं कि हमारे मरीज को रक्तचाप की शिकायत अर्से से है और वे नियमित दवा खाते हैं। अब सिरदर्द की शिकायत होने पर भी उन्हें लगा कि रक्तचाप बढ़ गया है इसलिए एक गोली और खा ली।

इससे रक्तचाप तेजी से गिर गया तो आईसीयू में भर्ती करवाना पड़ा। कई लोग सिरदर्द, बदन दर्द के लिए एस्प्रीन, ब्रूफेन व अन्य दर्द निवारक दवाएं बिना निदान के अपने आप कई वर्षों तक लगातार लेते रहते हैं। ये दवाइयां कुछ समय के लिए सिर्फ दर्द को दबाती हैं। कारण को ठीक नही करती। इन दवाइयों से पेट में अल्सर, एनिमिया, गुर्दे खराब होना इत्यादि परेशानियां आ सकती हैं। कई लोग कमजोरी के लिए विभिन्न प्रकार के टॉनिक व विटामिन्स खाते रहते हैं। बी-कॉम्प्लेक्स व विटामिन-सी यदि ज्यादा ले भी लिए तो मूत्र के साथ निकल जाते हैं। लेकिन कुछ घुलनशील विटामिन्स जैसे विटामिन ए व विटामिन डी ज्यादा खुराक के कारण शरीर की प्राकृतिक प्रक्रिया में व्यवधान भी उत्पन्न कर सकते हैं।

एंटीबायटिक्स से बचें

एंटीबायटिक्स अपने मन से न लें। कई बार उनकी जरूरत नहीं होती। कई मरीज इस हिस्ट्री के साथ आते हैं कि पिछली बार जैसे लक्षण थे, इसलिए हमने आपका पिछला पर्चे दिखाकर दवा ले ली, लेकिन इस बार फायदा नहीं हुआ। एक ही एंटीबायटिक को बार-बार लेने से उससे शरीर में रोग-प्रतिरोधक शक्ति कम हो जाती है। ऐसी स्थिति में हल्की एंटीबायटिक असर नहीं करती। अब केवल ताकतवर एंटीबायटिक देने पर भी फायदा होता है। अधिक समय तक एंटीबायटिक खाने से बीमारी बढ़ती रहती है और कई बार उसके साइड इफेक्ट्स जैसे- दस्त होना, पेट खराब हो जाना, मुंह में छाले इत्यादि हो सकते हैं। इसलिए कोई सी भी एलोपैथिक दवाई चिकित्सक के परामर्श के बगैर न लें। खासकर वे लोग जो पहले ही से दवाइयां लेते रहते हैं, उन्हें विशेष ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि उनकी पहले की दवाइयां इन नई दवाइयों से मिल कर उनके लिए नई परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

दर्द को न करें नजरअंदाज

अपने शरीर में होने वाले दर्द को हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई बार ये दर्द किसी बीमारी का संकेत भी हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें अनदेखा करने की बजाय तुरंत इनका इलाज करवाकर बड़ी बीमारी को टाला जा सकता है...

पेट दर्द

पेट दर्द होना एक सामान्य सी बात है, लेकिन महानगरों में यह कुछ ज्यादा ही देखने में आता है। वजह यह कि महानगरों के लोगों का खाने-पीने का कोई वक्त नहीं होता। फिर बाहर के खाने से बचना भी यहां के लोगों के लिए मुश्किल होता है। जहां तक महिलाओं की बात है तो उनमें पेट का दर्द यूट्रस में होने वाली समस्याओं का संकेत हो सकता है। कई बार दर्द के साथ-साथ पेट में गड़बड़ भी हो सकती है जैसे- कब्ज या डायरिया। सही वजह पता लगाने का सबसे बेहतर तरीका है अल्ट्रासाउंड। इससे पेट की गांठ का आसानी से पता लगाया जा सकता है। अगर जल्दी पता लग जाए, तो सिर्फ दवा से ही इसका इलाज संभव है, लेकिन गांठ बढ़ जाने से की-होल सर्जरी करवानी पड़ती है।

कमर दर्द

कमर दर्द से भी तमाम लोग परेशान रहते हैं। दिनभर कंप्यूटर के सामने बैठे रहने से यह समस्या और भी बढ़ जाती है। कमर दर्द अगर नीचे की तरफ बढ़ने लगे और तेज हो जाए, तो जल्द से जल्द डॉक्टर को दिखाएं। कभी-कभी दर्द कुछ मिनट ही होता है और कभी-कभी यह घंटों तक रहता है। ऐसा दर्द पथरी की वजह से हो सकता है। इसकी जांच एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और यूरीन टेस्ट के जरिए करवाई जा सकती है।

जबड़े का दर्द

जबड़े का दर्द अक्सर जबड़ों के जॉइंट्स के ज्यादा काम करने की वजह से होता है। यह समय के साथ सही भी हो जाता है, लेकि न मुंह खोलते और बंद करते वक्त जब आवाज के साथ ऐसा दर्द हो तो यह जॉइंट की चोट की वजह से भी हो सकता है। साधारण एक्स-रे से इसका पता लगाया जा सकता है। दवा से इसका इलाज करवाया जा सकता है।

जोड़ों का दर्द

यह दर्द ज्यादातर मामलों में पचास साल की उम्र के बाद शुरू होता है। इसकी शुरुआत घुटनों में हल्के दर्द के साथ होती है। धीरे-धीरे यह दर्द हाथों की अंगुलियों के जोड़ों में भी आ जाता है। यह दर्द हिलने-डुलने से बढ़ता जाता है। दर्द के बढ़ जाने पर तुरंत ऑर्थोपेडिक डॉक्टर से संपर्क करें। एक्स-रे या बोन डेंसिटी टेस्ट से ऑस्टियोआर्थराइटिस या रुमेटॉइडआर्थराइटिस का पता लगाया जा सकता है। यह समस्या पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में पाई जाती है। इस बीमारी को जड़ से खत्म नही किया जा सकता, लेकिन फिजियोथेरेपी और स्टेरॉइड्स लेकर इसे बढ़ने से रोका जरूर जा सकता है। तकलीफ बढ़ने पर नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत भी पड़ सकती है।

अंगूठों का दर्द

अगर अंगूठों में दर्द रहता है तो यह गठिया का लक्षण हो सकता है। जोड़ों में ज्यादा यूरिक एसिड क्रिस्टल जमा हो जाने से यह दर्द होता है। वक्त गुजरने के साथ ही यह दर्द इतना असहनीय हो सकता है कि इससे चलने-फिरने में भी दिक्कत हो सकती है। इसे एक्स-रे द्वारा पहचानकर दवा से ठीक किया जा सकता है।

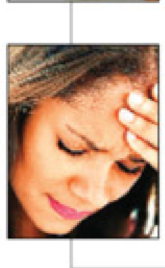

माथे का दर्द

ज्यादातर दर्द पूरे सिर में होता है, लेकिन जब यह दर्द काफी तेज हो तो यह गंभीर स्थिति हो सकती है, इसलिए सिर दर्द को कभी नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से मिलें। यह 50 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों में देखा जाता है।

पसीने का जड़ी-बूटी द्वारा उपचार

गर्मियों के मौसम मे चिल-चिलाती धूप व बढ़ती गर्मी पसीने का कारण बनती है जो शरीर से पसीने की दुर्गन्ध का भी मुख्य कारण है। साथ ही यह घमौरियों व चर्मरोग को भी जन्म देते है।

इस बढ़ती गर्मियो मे पसीने से निजात पाने के लिए जड़ी-बूटी द्वारा इसका उपचार संभव है।

एक बार पहने हुए वस्त्रों को बिना धोए अलमारी में न रखें। बिना धुले वस्त्रों को अलमारी में रखने पर दुर्गन्ध पैदा करने वाले बैक्टीरिया सक्रिय होकर वस्त्रों में दुर्गन्ध पैदा कर देते हैं।

शरीर की साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। नीम युक्त साबुन का नहाते वक्त इस्तेमाल करें तो बेहतर रहेगा।

जहाँ तक हो सके कड़ी धूप से बचें।

वस्त्र ऐसे पहनें जो शरीर से चिपके हुए न हों क्योंकि तंग वस्त्रों में ज्यादा पसीना आता है और वाष्पीकरण सही ढंग से नहीं हो पाता है जिससे कपड़ों से दुर्गन्ध आने लगती है।

सिन्थेटिक वस्त्र न पहनकर सूती वस्त्र पहने तो ज्यादा ठीक रहेगा।

तली-भुनी व मसालायुक्त चीजें न खाएँ।

मौसमी फलों का सेवन करें।

जड़ी-बूटी द्वारा उपचार

बबूल के पत्ते और बाल हरड़ को बराबर-बराबर मिलाकर महीन पीस लें। इस चूर्ण की सारे शरीर पर मालिश करें और कुछ समय रूक-रूक कर स्नान कर लें। नियमित रूप से यह प्रयोग कुछ दिनों तक करते रहने से पसीना आना बंद हो जाएगा।

दुर्गन्ध करे दूर

पसीने की दुर्गन्ध दूर करने के लिए बेलपत्र के रस का लेप शरीर पर करना चाहिए। अडूसा के पत्रों के रस में थोड़ा शंख चूर्ण मिलाकर शरीर पर लगाने से शरीर से पसीने की दुर्गन्ध दूर हो जाती है।

विटामिन डी की कमी घातक

विटामिन डी की कमी आपकी धमनियों को कठोर बना सकती है। एक नए अध्ययन के मुताबिक लोगों के शरीर में विटामिन डी की कमी धमनियों को सख्त बना सकती है।

विटामिन डी की कमी से रक्त वाहिनियों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है, इससे रक्तचाप (बीपी) बढ़ सकता है और दिल की बीमारियां हो सकती हैं। अध्ययन में शामिल जिन प्रतिभागियों ने विटामिन डी की उच्च मात्रा ली, उनकी रक्तवाहिनियों के स्वास्थ्य में सुधार देखा गया और उनका रक्तचाप भी कम हो गया था। अध्ययन में संस्थान के करीब 550 कर्मचारी शामिल हुए थे।

चिकन पॉक्स घबराएं नहीं

इन्हें जल्दी हो सकता है संक्रमण

गर्भावस्था के समय महिला को चिकन पॉक्स होने पर नवजात शिशु में संक्रमण का खतरा 70 प्रतिशत बढ़ जाता है। कमजोर रोग-प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को भी यह वायरस आसानी से शिकार बना लेता है, इसलिए गर्भ ठहरने के 14 हफ्ते के बाद दी गई पावर बूस्टर डोज को वैरिसैला वायरस के बचाव के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

डॉक्टरों का मानना है कि चिकन पॉक्स को समझने में मरीज देरी कर देते हैं, जिससे अक्सर इलाज मुश्किल हो जाता है। इसलिए सबसे पहले चिकन पॉक्स के लक्षण जानने जरूरी हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि सबसे खास लक्षण है शरीर में पानी युक्त लाल दानों का उभरना। इसके बाद मरीज को जुकाम व बुखार की शिकायत शुरू हो जाती है।

सावधानियां जरूर बरतें

एक बार आपको ये लक्षण दिख जाएं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। दूसरे लोगों को इससे सुरक्षित रखने का प्रयास भी करें। याद रखें कि हवा और खांसी के माध्यम से संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के शरीर तक पहुंच जाता है। बच्चों को विशेष रूप से चिकन पॉक्स के रोगी से दूर रखें। चिकन पॉक्स के रोगी घर से कम से कम निकलें। इससे एक परिवार का संक्रमण दूसरे परिवार तक पहुंचने से रुकेगा। रोगी के पास खूब सफाई रखें, जिससे संक्रमण बढ़ने न पाए।

दोबारा चिकन पॉक्स, दोगुनी सावधानी

जिन लोगों को दोबारा चिकन पॉक्स हो रहा है, उन्हें सचेत रहने की ज्यादा जरूरत होती है। चिकनपॉक्स एक बार हो तो अधिक गंभीर नहीं है, जबकि यदि दस साल की उम्र के बीच बच्चों को दो बार से अधिक बार हो तो ल्यूकीमिया बीमारी हो सकती है। ये खून से संबंधित बीमारी है, जिससे रक्त में पाई जाने वाली लाल रक्त कणिकाएं तेजी से क्षतिग्रस्त होती हैं।

साफ-सफाई का रखें ख्याल

कई लोगों को भ्रम है कि चिकन पॉक्स के रोगी को नहलाना नहीं चाहिए, जबकि सच यह है कि चिकन पॉक्स के मरीज को अतिरिक्त साफ-सफाई की जरूरत होती है। मरीज को रोज नीम के पानी से नहलाना चाहिए। साफ कपड़े पहनाने चाहिए। उसके बर्तन वगैरह भी अलग रखने चाहिए, ताकि उसका संक्रमण दूसरों तक न पहुंचे।

कब घातक होता है चिकन पॉक्स ? यों तो चिकन पॉक्स पूरी तरह से इलाज वाली बीमारी है और सही इलाज मिलने पर जल्दी ठीक भी हो जाती है। संक्रमण भी एक हफ्ते से दो हफ्ते के बीच में खत्म हो जाता है। लेकिन अगर सावधानियां न बरती जाएं तो दो से तीन हफ्ते तक संक्रमण शरीर में बढ़ता रहता है। अगर ये नियंत्रित न हो तो दिमाग और लीवर तक इसका असर पहुंच जाएगा। इसके बाद दूसरी बीमारियां आपको अपनी गिरफ्त में लेने लगती हैं। इनमें ज्वॉइंडिस यानी पीलिया जैसी बीमारी भी हो सकती है, जिसे आम लोग जानते-समझते हैं। हाइड्रोसेफेलिक्स जैसी गंभीर बीमारी भी हो सकती है, जिसका अक्सर लोगों ने नाम भी नहीं सुना होता। हाइड्रोसेफेलिक्स में दिमाग में पानी भर जाता है।

टीकाकरण ही एकमात्र बचाव

चिकनपॉक्स से बचाव के लिए सीएक्सवी वैक्सीनेशन एकमात्र विकल्प है। गर्भवती महिला को डोज दी जाती है, जिससे बच्चा सुरक्षित रहे। अगर गर्भवती महिला को दवा नहीं दी गई है तो जन्म के 14 हफ्ते के भीतर बच्चों को चिकन पॉक्स की तीन डोज दी जाना चाहिए। निजी नर्सिंग होम में टीका 1350 रुपए में उपलब्ध है।

मिथ और हकीकत

मिथ- गहरे रंग की चीजें खाने से गहरे दाग पड़ते हैं!

सच- गहरे दाग से बचना चाहते हैं तो केवल एक सूत्र याद रखें कि दागों पर बार-बार नाखून न लगें।

मिथ- चिकन पॉक्स ठीक होने के चार या पांच महीने तक नॉनवेज नहीं खाना चाहिए, वरना शरीर में खुजली हो जाती है।

सच- मेडिकल साइंस नॉनवेज खाने से कतई नही रोकती। यहां तक कि अगर आप सी फूड खाएं तो भी कोई नुकसान नहीं होता।

मिथ- चिकन पॉक्स के दौरान बाल नहीं धुलने चाहिए और नहाना भी नहीं चाहिए वरना शरीर में हवा घुल जाती है और बुढ़ापे में कई समस्याओं का सामना पड़ता है।

सच- आप रोज नहा सकते हैं। बाल भी धुल सकते हैं। केवल इतना ध्यान रखिए कि दाग वाले स्थान पर गीले तौलिए से न पोछें, वरना संक्रमण हो सकता है।

मिथ- अगर एक बार चिकन पॉक्स हो गया तो दोबारा नहीं हो सकता।

सच- ऐसा नहीं है। कई लोगों को ये दोबारा होता है। इसलिए किसी गलतफहमी में न रहें। सावधानी बरतें।

मिथ- खुजली वाले स्थान पर कुछ लगाना नही चाहिए।

सच- डॉक्टर ऐसा कोई परहेज नहीं बताते।

तुरंत एनर्जी दे सुबह का नाश्ता

सुबह का नाश्ता शरीर के लिए फायदेमंद होता है। जो शरीर को तुरंत एनर्जी प्रदान करता है। साथ ही नाश्ते मे अंकुरित अनाज तथा फलों में केला, पपीता, सेब, आम, अंगूर व शहद, दही ले तो यह और अधिक फायदेमंद होगा।

अंकुरित फलों व अनाज में एनर्जी

पसंदीदा फलों को जैसे केला, पपीता, सेब, आम, अंगूर, सबको छोटे-छोटे टुकड़े करके कांच के कटोरे में रखें। सबसे पहले तीन बड़े चम्मच, शहद डालें और फल डालें। उसके ऊपर योगार्ड (गाढ़ा दही) अगर आप इसे ठंडा खाना चाहते है तो इसे फ्रिज में रख दें, अब बाहर निकालकर नाश्ता करें। यह आपके लिए सुपाच्य तथा तुरंत स्फूर्ति देने वाला होगा। खासतौर पर महिलाओं के लिए पौष्टिकता, रक्तवृद्धि तथा त्वचा की नमी बनाए रखने वाला नाश्ता है। सभी विटामिन सी वाले फल यानी अंगूर, अनार, अनानस, संतरा, पपीता, मौसमी सभी फलों को काट लें। अब उस पर काला नमक, सफेद नमक, भुनाजीरा, नीबू डालकर मिक्स करें। इस तरह से अपनी दिनचर्या में पौष्टिक नाश्ता का समावेश करें। सुबह सही समय अवश्य नाश्ता करें। वक्त की कमी की वजह से कुछ भी खाकर पेट न भरें। अगर समय की कमी हो, तो रात में ही अंकुरित अनाज की तैयारी कर लें, रात में ही भिगा दें, जो अंकुरित अनाज आपको पसंद हो जैसे- काला चना, साबुत मूंग, लोभिया, मूंगफली दाना। सुबह उसमें प्याज, टमाटर, खीरा, ककड़ी, हरी धनिया, मिर्च महीन काट कर ऊपर से नीबू निचोड़ दें।

नमकीन दलिया फायदेमंद

काला नमक काली मिर्च, भुना जीरा डाल कर खाएं, अगर आप को कच्चा अंकुरित अनाज पसंद नहीं है, तो कुकर में एक सीटी लगा बनाया जा सकता है। बस हो गया आपका सेहतमंद नाश्ता तैयार। फिर कभी-कभी नमकीन दलिया भी तैयार करके खाया जा सकता है। चाहे तो आप इस नमकीन दलिया में स्वाद के लिए कोई पसंदीदा सब्जी भी डाली जा सकती है। इस तरह कम समय में पौष्टिक नाश्ता तैयार हो सकता है। सुबह के नाश्ते में हो सके तो दूध अवश्य लें। सुबह के समय पाचन क्रिया तेज होती है।

केसीसीआई ने ताइक्कांडो प्रशिक्षण के नए बैच की शुरुआत की

एजेंसी

नयी दिल्ली । भारत और कोरिया के बीच खेल और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए कोरियन कल्चरल सेंटर इंडिया (केसीसीआई) ने ताइक्कांडो प्रशिक्षण के नए बैच की शुरुआत की है। इस पहल में भारत के 45 स्कूलों के 3,195 छात्र शामिल हुए हैं। इसके तहत वर्ष 2021 से अब तक नौ हजार से अधिक छात्रों को ताइक्कांडो सिखाया जा चुका है। ताइक्कांडो कोरिया का पारंपरिक मार्शल आर्ट है यह शारीरिक और मानसिक मजबूती विकसित करने में मदद करता है। यह खेल 1988 के सियोल ओलंपिक में पहली बार प्रदर्शनी के रूप में शामिल हुआ और 2000 के सिडनी ओलंपिक में आधिकारिक ओलंपिक खेल बना। आज यह खेल दुनियाभर में लोकप्रिय है, और भारत में इसका तेजी से विस्तार हो रहा है। इस अवसर पर भारत ताइक्कांडो के अध्यक्ष नामदेव संपत शिरगांवकर ने कहा, हम भारत में ताइक्कांडो की स्थिति को और मजबूत करना चाहते हैं और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाना हमारा मुख्य लक्ष्य है। विश्व ताइक्कांडो चैंपियनशिप 2025 और लॉस एंजेलेस ओलंपिक 2028 के लिए हमारी तैयारियां जारी हैं। केसीसीआई के निदेशक ह्वांग इल योंग ने कहा, हम भारत में ताइक्कांडो को एक लोकप्रिय और सुलभ खेल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कोहली का नाम भारतीय क्रिकेट इतिहास में दर्ज रहेगा: रेवंत

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने महान क्रिकेटर विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका नाम भारतीय क्रिकेट के इतिहास में दर्ज रहेगा।टेस्ट क्रिकेट से विराट के संन्यास पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने ट्विटर पर पोस्ट किया और खेल में पूर्व भारतीय कप्तान के असाधारण योगदान की सराहना की। उन्होंने कोहली को एक अत्यंत अनुशासित और प्रतिबद्ध खिलाड़ी बताया, जिन्होंने

अनेक रिकॉर्ड बनाए तथा देश के लाखों युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया। श्री रेवंत रेड्डी ने भारतीय क्रिकेट की विरासत में एक उल्लेखनीय अध्याय जारी रखने के लिए कोहली की सराहना की और उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से परे उनकी यात्रा के अगले चरण में बड़ी सफलता प्राप्त करने की शुभकामनाएं दीं।

बीसीबी ने शॉन टैट को तेज गेंदबाजी कोच किया नियुक्त

ढाका। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज शॉन टैट को अपनी टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है।शॉन टैट का अनुबंध नवंबर 2027 तक होगा। वह आंद्रे एडम्स का स्थान लेंगे। टैट इस महीने के आखिरी में टीम के साथ शामिल होंगे। टैट ने एक दशक तक चले अपने करियर में ऑस्ट्रेलिया के लिए सभी प्रारूपों में 59 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 95 विकेट लिए है। वह वर्ष 2007 में क्रिकेट विश्वकप जीतने वाले ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे। एडम गिलक्रिस्ट के शानदार शतक ने ऑस्ट्रेलिया को 2007 विश्व कप फाइनल में श्रीलंका पर जीत दिलाने में मदद की। अपनी नियुक्ति पर टैट ने मुख्य कोच फिल सिमंस के नेतृत्व में राष्ट्रीय टीम के साथ काम करने को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अभी बंगलादेश क्रिकेट टीम के साथ जुड़ना अच्छा समय है। यह एक नए युग की तरह है। बंगलादेश की हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला बराबर रही थी और उसे अभी संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ भी खेलना है।

अनाहत, वीर, रमित की हार से विश्व स्क्वैश चैंपियनशिप में भारतीय अभियान समाप्त

शिकागो। विश्व स्क्वैश चैंपियनशिप में अनाहत सिंह, वीर चोटरानी और रमित टंडन की हार के साथ ही भारत का टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया। लेकशोर स्पोर्ट एंड फिटनेस सेंटर में रविवार को खेले गये दूसरे दौर में 28 मिनट तक चले मुकाबले में भारत की शीर्ष रैंक वाली महिला खिलाड़ी अनाहत को मिस्र की फैरूज अबोएलखिर के हाथों 3-1 (11-7, 8-11, 11-4, 11-3) से हार का सामना करना पड़ा। 17 वर्षीय भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत ने पहले दौर के पांच सेट में अमेरिका की मरीना स्टेफनोनी को हराकर इस स्पर्धा के एकल में जगह बनाई थी। वीर चोटरानी ने भी 32 मिनट तक चले मुकाबले में चार बार के विश्व चैंपियन मिस्र के अली फराग के खिलाफ 3-1 (7-11, 11-7, 11-3, 12-10) से हार गए। चोटरानी ने पहले दौर में इंग्लैंड के डेक्लान जेम्स को 3-1 से हराया था।

इटालियन ओपन 2025: जैनिक सिनर की डोपिंग बैन से शानदार वापसी, प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

एजेंसी

रोम। दुनिया के नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने इटालियन ओपन 2025 में डोपिंग बैन से वापसी के बाद लगातार दूसरा मुकाबला जीत लिया है। खेले गए मुकाबले में उन्होंने डच क्वालिफायर जेस्पर डी योंग को 6-4, 6-2 से हराकर अंतिम 16 में जगह बना ली। यह उनका होम क्राउड के सामने पहला टूर्नामेंट है, और फैन्स का जोश चरम पर नजर आया।

पहले सेट में दिखी चूक, फिर की जोरदार वापसी

मैच की शुरुआत में सिनर ने 4-1 की बढ़त बना ली थी, लेकिन कुछ गलत ड्रॉप शॉट्स, एक डबल फॉल्ट और अन्य त्रुटियों की वजह से डी योंग ने स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। हालांकि इसके बाद सिनर ने अपने दमदार ग्राउंडस्ट्रोक्स और तेज सर्व के दम पर मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण बना लिया। इस जीत के साथ सिनर की जीत की लय अब 23 मुकाबलों तक पहुंच गई है, जो अक्टूबर 2024 से जारी है। यह

इटालियन ओपन उनके लिए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद पहला टूर्नामेंट है। फरवरी में वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) के साथ समझौते के तहत सिनर को तीन महीने का बैन झेलना पड़ा। यह फैसला विवादों में रहा क्योंकि इसकी टाइमिंग कुछ ऐसी रही कि वे कोई ग्रैंड स्लैम मिस नहीं कर पाए और सीधे अपने होम टूर्नामेंट से वापसी कर पाए।पहले राउंड में मारियानो नवोन पर जीत की तरह ही इस मैच में भी रोम के फोरो इटालिको स्टेडियम में मौजूद फैन्स ने वाय जैनिक÷ के नारे लगाकर उन्हें पूरा समर्थन दिया। अगले राउंड में अब उनका सामना अर्जेंटीना के 17वें वरीय फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा, जो मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। दूसरे सेट के दौरान डी योंग एक पासिंग शॉट के प्रयास में गिर पड़े और उनकी कलाई चोटिल हो गई। सिनर तुरंत नेट के पार जाकर उनका हालचाल जानने पहुंचे, उन्होंने उनके रैकेट का हैंडल पोंछा और मेडिकल टीम को बुलाया। डी योंग ने इसके बाद मेडिकल ट्रीटमेंट के बाद मैच खेला। पुरुषों में सातवें वरीय एलेक्स डी मिनौर ने ह्यूगो डेलियन को हराया, हालांकि मैच के दौरान एक दर्शक की तबीयत बिगड़ने और एयरफोर्स फ्लाईओवर के चलते दो बार मैच रुका।

ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम की घोषणा की

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 11 जून से शुरु होने वाली आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए पैट कमिंस की अगुवाई वाली 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। चयनकर्ताओं ने चोट से उबर रहे तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को टीम में शामिल किया है। टीम में मिशेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड तथा अनुभवी बल्लेबाज के रूप में उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड और विकेटकीपर एलेक्स कैरी को जगह दी गई हैं। जोश इंगलिस को भी बैकअप विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया है साथ ही युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास को टीम में जगह मिली है। बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुहनेमैन स्पिन विकल्प के रूप में नाथन लियोन के साथ शामिल हैं। ऑस्ट्रेलियाई चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, यह एक संतुलित और अनुभवी टीम है और हम भाग्यशाली हैं कि पैट, जोश और कैम फिट होकर वापसी कर रहे हैं।

टीम डब्ल्युटीसी खिताब के बचाव और लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीकी टीम का सामना करने के लिए उत्साहित है। डब्ल्यूटीसी फाइनल के ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है:- पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जॉश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैट कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ (उप-कप्तान), मिशेल स्टार्क और ब्यू वेबस्टर।

झांसी के लाल का मुम्बई में कमाल, नेशनल सेलिंग प्रतियोगिता में जीता कांस्य

एजेंसी

झांसी। कहते हैं प्रतिभा किसी परिचय का मोहताज नहीं होती। उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गांव मडोरा खुर्द (तहसील मोंठ, झांसी) के रहने वाले 16 वर्षीय रामकांत ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने हाल ही में मुम्बई में आयोजित नेशनल सेलिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया है, जिससे उनके गांव और पूरे जिले का नाम रोशन हुआ है।

रामकांत ने 3 से 10 मई तक मुम्बई के एचबीटीसी मार्वे में आयोजित यूथ नेशनल सेलिंग प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में पूरे देश से कुल 31 युवा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। आठ रोमांचक रेस के दौरान रामकांत ने आईएलसीए 4 बोट क्लास में बेहतरीन कौशल का प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल कर यह गौरवपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की। वर्तमान में रामकांत गोवा नेवी बॉयज़ स्पोर्ट्स कंपनी में नियमित रूप से सेलिंग का अभ्यास कर रहे हैं और इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उन्होंने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। महज 16 साल की उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर

पदक जीतना उनकी कड़ी मेहनत, अटूट लगन और प्रतिभा का जीता-जागता उदाहरण है। रामकांत की इस शानदार सफलता से उनके परिवार में खुशी का माहौल है, वहीं उनके गांव मडोरा खुर्द और पूरे झांसी जिले में गर्व की लहर दौड़ गई है। ग्राम प्रधान सहित सभी गांववासियों ने रामकांत को इस उपलब्धि पर बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की हैं।

नॉर्वे चेस में समान इनामी राशि से महिलाओं को खेल अपनाने की प्रेरणा मिलती है: जू वेनजून

एजेंसी

स्टावेंगर (नॉर्वे)। नॉर्वे चेस वूमेन 2025 टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण को लेकर मौजूदा चैंपियन जू वेनजून ने अपनी उत्सुकता और उम्मीदें साझा की हैं। यह टूर्नामेंट 26 मई से 6 जून के बीच स्टावेंगर सिटी के फिनान्सपार्कन (एसआर-बैंक) में आयोजित होगा।चीनी ग्रैंडमास्टर जू वेनजून ने कहा, मैं नॉर्वे चेस वूमेन 2025 में हिस्सा लेने को लेकर बहुत रोमांचित हूं। यह मेरा इस टूर्नामेंट में दूसरा अनुभव होगा। इस बार कई मजबूत शतरंज खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं। मुझे लगता है कि अब लोग अर्मागेडन और टाइम कंट्रोल फॉर्मेट से ज्यादा परिचित हैं, जिससे टूर्नामेंट और भी रोमांचक होगा।जू वेनजून, जिन्हें मौजूदा समय में शतरंज की निर्विवाद महारानी कहा जाता है, इस साल की शुरुआत में अपना लगातार पांचवां वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब जीत चुकी हैं। उन्होंने सात साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू किया, 2004 में प्रोफेशनल बनीं, 2014 में ग्रैंडमास्टर की उपाधि पाई और 2018 में पहली बार विश्व चैंपियन बनीं। तब से लेकर अब तक वह महिलाओं की क्लासिकल शतरंज में अजेय रही हैं। वह वर्तमान वूमेन्स वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियन भी हैं और दो बार की वर्ल्ड रैपिड चैंपियन भी।

अपनी यात्रा को याद करते हुए 34 वर्षीय वेनजून ने कहा, हर मुकाबला मेरे लिए एक यादगार और अनोखा अनुभव होता है। मेरा मानना है कि हर खेल को एक-एक कर फोकस के साथ खेलना चाहिए, कड़ी मेहनत करनी चाहिए और टीमवर्क जरूरी है। जब मैं खेल रही होती हूं, तो सबसे अच्छा होता है सिर्फ शतरंज पर ध्यान देना और मैच का आनंद लेना।

पिछले साल जू वेनजून ने नॉर्वे चेस वूमेन के पहले संस्करण का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया था। यह टूर्नामेंट महिलाओं के लिए समान इनामी राशि देने वाला पहला टूर्नामेंट बना, जिससे शतरंज के भविष्य की दिशा में एक अहम कदम माना गया। वेनजून ने टूर्नामेंट आयोजकों की सराहना करते हुए कहा, मुझे लगता है कि यह एक बड़ी सफलता है और बेहद प्रेरणादायक भी सिर्फ शतरंज में ही नहीं, बल्कि पूरे खेल जगत में महिलाओं के लिए। यह महिलाओं को शतरंज अपनाने के लिए प्रेरित करता है और हमारे लिए एक शानदार मंच प्रदान करता है। शतरंज के अलावा वेनजून को टेबल टेनिस खेलना और देखना पसंद है। वह अपने देश के टेबल टेनिस वर्ल्ड और ओलंपिक चैंपियन फैन झेंडोंग से प्रेरणा लेती हैं। नॉर्वे में खेलने के साथ-साथ वह घूमने-फिरने का भी प्लान बना रही हैं और उन्होंने इस बार के मुकाबले के लेवल को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, शायद खिताब बचाने का थोड़ा दबाव जरूर रहेगा, लेकिन कुल मिलाकर मैं स्टावेंगर में खेलने और इस अनुभव का आनंद लेने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

कार्लो एंसेलोटी बने ब्राज़ील फुटबॉल टीम के नए कोच, मई के अंत में छोड़ेंगे रियल मैड्रिड

जेंसी

नई दिल्ली। इटली के दिग्गज फुटबॉल मैनेजर कार्लो एंसेलोटी अब ब्राज़ील पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम की कमान संभालेंगे। ब्राज़ील फुटबॉल संघ (सीबीएफ) ने यह घोषणा की। एंसेलोटी इस सीजन के अंत में रियल मैड्रिड छोड़ देंगे और जून से ब्राज़ील के कोच के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

ब्राज़ील फुटबॉल संघ ने की पुष्टि

सीबीएफ के अध्यक्ष एडनाल्डो रोड्रिग्स ने एक बयान में कहा, कार्लो एंसेलोटी को ब्राज़ील लाना सिर्फ एक रणनीतिक कदम नहीं है, बल्कि यह दुनिया को यह दिखाने का ऐलान है कि हम फिर से शीर्ष पर लौटने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, वह इतिहास के सबसे महान कोच हैं और अब वह दुनिया की सबसे महान राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करेंगे। हम साथ मिलकर ब्राज़ीलियाई फुटबॉल का एक और स्वर्णिम अध्याय लिखेंगे।

रियल मैड्रिड में शानदार लेकिन बिना ट्रॉफी का आखिरी सीजन

एंसेलोटी रियल मैड्रिड के सबसे सफल

मैनेजर रहे हैं। उनके नेतृत्व में क्लब ने अब तक 15 खिताब जीते, लेकिन 2024-25 का सीजन वह बिना किसी ट्रॉफी के समाप्त करेंगे।

ब्राज़ील में होगी पहली जिम्मेदारी वर्ल्ड कप क्वालीफायर

एंसेलोटी ब्राज़ील के पहले विदेशी कोच बनेंगे। वह डोरिवाल जूनियर की जगह लेंगे, जिन्हें अर्जेंटीना से 4-1 की हार के बाद मार्च में बर्खास्त कर दिया गया था। एंसेलोटी की पहली चुनौती अगले महीने वर्ल्ड कप क्वालीफायर में इक्वाडोर और पराग्वे के खिलाफ मुकाबले होंगे। मुश्किल में ब्राज़ील, नेमार की फॉर्म चिंता का विषयब्राज़ील फिलहाल 14 मैचों के बाद वर्ल्ड कप क्वालीफाइंग में चौथे स्थान पर है। टीम के स्टार खिलाड़ी नेमार अभी तक 2023 में एसीएल चोट के बाद से फॉर्म में वापसी नहीं कर पाए हैं। हालांकि, दक्षिण अमेरिका से शीर्ष छह टीमें सीधे 2026 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेंगी। एंसेलोटी की नियुक्ति से ब्राज़ील को एक बार फिर विश्व फुटबॉल में अपना दबदबा स्थापित करने की उम्मीद है।

मध्यप्रदेश 24 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर

एजेंसी

भोपाल। बिहार में 4 से 15 मई तक खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी खेल का शानदार प्रदर्शन कर रहें है। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश 9 स्वर्ण, 5 रजत और 10 कांस्य सहित कुल 24 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है।आज मध्यप्रदेश टीम ने वेटलिफ्टिंग, योग, एथेलेटिक्स (पोल वॉल्ट), एथेलेटिक्स (3000 मी.) में बेहतर खेल प्रदर्शन कर 01-01 कांस्य सहित कुल 04 पदक अर्जित किये। प्रतियोगिता में आज म.प्र. के खिलाड़ियों द्वारा खेले गये मुकाबलों में अर्जित पदकों में वेटलिफ्टिंग में हिमांशु कुशवाह ने 73 किग्रा. पुरूष वर्ग में स्नैच में 115 कि.ग्रा और क्लीन एण्ड जर्क 140 कि.ग्रा. सहित कुल 255 कि.ग्रा. भार उठाकर कांस्य पदक प्राप्त किया। योगासन में रिया ने टेडिशनल योगासन इवेन्ट में 60.58 अंक प्राप्त कर कांस्य पदक अपने नाम किया। पोल वॉल्ट में आशीष कुमार यादव ने एथेलेटिक्स (पोल वॉल्ट) में 4.10 मी. छलांग लगाकर कांस्य पदक अर्जित किया।

एथेलेटिक्स (3000 मी.) में श्रृष्टि ने महिला वर्ग के 3000 मी. इवेन्ट में 10:29.50 का समय लेकर कांस्य पदक प्राप्त किया। कल एथेलेटिक्स, बॉक्सिंग, फेंसिंग, वेटलिफ्टिंग, कलरिपयट्टू, योगासन, कुश्ती, थांग-ता और हॉकी के मुकाबले खेले जायेंगे।

एफआईएच प्रो लीग 2024-25: यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह चरण 14 से 29 जून तक लंदन, एंटवर्प और बर्लिन में आयोजित होगा, जिसमें भारत चार प्रतिभागी टीमों– ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगा। भारत अपना अभियान 14 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से शुरू करेगा। टीम की कमान मिडफील्ड की स्टार खिलाड़ी सलीमा टेटे को सौंपी गई है, जबकि फॉरवर्ड लाइन की अनुभवी खिलाड़ी नवनीत कौर को उपकप्तान बनाया गया है। भारतीय टीम ने प्रो लीग के घरेलू चरण में दो जीत और दो ड्रॉ के साथ कुल नौ अंक हासिल किए और अंकतालिका में छठे स्थान पर रही। इंग्लैंड के खिलाफ 3-2 की जीत और एक ड्रॉ से शानदार शुरुआत की, लेकिन इसके बाद स्पेन से दो और

जर्मनी से एक हार मिली। हालांकि, जर्मनी के खिलाफ 1-0 की वापसी जीत ने टीम का मनोबल बढ़ाया। विश्व की नंबर 1 टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ अंतिम दो मैचों में भारत ने दमदार जज्बा दिखाया। पहले मुकाबले में भले ही 2-4 से हार मिली, लेकिन भारत ने 13 पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर डच टीम को कड़ी टक्कर दी। आखिरी मैच में भारत ने नीदरलैंड्स को 2-2 से ड्रॉ पर रोका और शूटआउट में जीत हासिल कर बोनस अंक भी अर्जित किया। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, हमने अनुभव और युवा जोश का संतुलन साधते हुए यह टीम चुनी है। यूरोपीय चरण प्रो लीग का अहम हिस्सा है और यहां दुनिया की टॉप टीमों से कड़ी चुनौती मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, भुवनेश्वर में हुए मुकाबलों से हमें अपनी ताकत और कमजोरियों का आकलन करने का मौका मिला है। टीम ने हालिया कैंप और ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान बेहतरीन प्रतिबद्धता दिखाई है। अब लक्ष्य यही है कि हर मैच में खुद को बेहतर करते हुए टीम को आगे बढ़ाएं।

24 सदस्यीय टीम इस प्रकार है:

गोलकीपर: सविता, बिचू देवी खारिबम।

डिफेंडर्स: सुशीला चानू पुखरंबम, ज्योति, सुमन देवी थौडम, ज्योति सिंह, ईशिका चौधरी, ज्योति छेत्री,

मिडफील्डर्स: वैष्णवी विट्ठल फालके, सुजाता कुजुर, मनीषा चौहान, नेहा।

मिडफील्डर: सलीमा टेटे (कप्तान), लालरेमसिआमी, शर्मिला देवी, सुनेलीता टोप्पो, महिमा टेटे।

फॉरवर्ड:दीपिका, नवनीत कौर (उपकप्तान), दीपिका सोरेन, बलजीत कौर, रुतुजा दडासो पिसाल, ब्यूटी डुंगडुंग, साक्षी राणा।

स्टैंडबाय खिलाड़ी: बंसरि सोलंकी (गोलकीपर), अजमीना कुजुर (डिफेंडर)।

छत्तीसगढ़ के युवाओं ने कलारीपयट्टू में जीता स्वर्ण पदकें

गया (बिहार) । खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में अर्जुन कुमार चंद्रा और अनंत स्वर्णकार ने पारंपरिक भारतीय मार्शल आर्ट (कलारीपयट्टू) प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के लिए स्वर्ण पदक जीता। आज यहां आईआईएम स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में हुई कलारीपयट्टू प्रतियोगिता में अर्जुन कुमार चंद्रा और अनंत स्वर्णकार ने कलारीपयट्टू में अकल्पनीय प्रदर्शन किया। झारखंड के खिलाड़ियों की सहज गति, नियंत्रण और अभिव्यक्ति ने उन्हें फाइनल में दिल्ली और केरल से अधिक अंक दिलाए। स्वर्ण पदक जीतने के बसाद अर्जुन कुमार चंद्रा ने कहा, ÷हमने कड़ी मेहनत की और पदक की उम्मीद की। लेकिन हमें विश्वास नहीं था कि हम स्वर्ण पदक जीत पाएंगे। किसी भी चीज से अधिक, हमें इस बात की खुशी है कि हम स्वर्ण पदक जीतकर अपनी बात साबित कर पाए।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद संत प्रेमानंद से मिले विराट कोहली, साथ में दिखीं पत्नी अनुष्का

एजेंसी

मथुरा। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा मंगलवार सुबह वृंदावन पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीराधे हित केली कुंज आश्रम में संत प्रेमानंद महाराज से भेंट की। इस दौरान दोनों ने संत महाराज से आशीर्वाद लिया और आध्यात्मिक चर्चा में भाग लिया। संन्यास के बाद यह उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति मानी जा रही है। संन्यास के बाद सीधे आध्यात्मिक शांति की तलाश में वह वृंदावन पहुंचे।

विराट ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान किया था। उन्होंने एक भावुक पोस्ट के जरिये अपने 14 साल के टेस्ट करियर पर विराम लगाने की पुष्टि की थी। विराट ने कहा था कि उन्होंने इस प्रारूप से काफी सबक लिया है। विराट टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले ही संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे में खेलते दिखाई पड़ेंगे।

विराट आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम का भी हिस्सा हैं और कुछ दिनों बाद वह आरसीबी टीम से जुड़ जाएंगे और पहली बार टीम को चैंपियन बनाने की कोशिश करेंगे। कोहली और अनुष्का ने संत प्रेमानंद के आश्रम में साढ़े तीन घंटे से भी ज्यादा समय बिताया। दोनों सुबह करीब छह बजे आश्रम पहुंचे और करीब साढ़े नौ बजे वहां से निकल गए। यह पहली बार नहीं है जब विराट संत प्रेमानंद से मिलने पहुंचे हैं। वह इससे पहले जनवरी 2023 में इसी साल जनवरी में भी मिलने पहुंचे थे। अब टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने संत प्रेमानंद से गहन चर्चा की। इस दौरान विराट ने पूछा कि असफलता से कैसे बाहर निकला जाए? इस पर प्रेमानंद ने कहा कि अभ्यास करना जारी रखें।

आईपीएल 2025 का बदला हुआ शेड्यूल जारी:17 मई से फिर शुरू होगा टूर्नामेंट, 3 जून को फाइनल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार देर रात इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया। टूर्नामेंट अब 17 मई से दोबारा शुरू होगा और फाइनल मुकाबला 3 जून को खेला जाएगा। आईपीएल को भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर बढ़ते तनाव के कारण 9 मई को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया था। अब बाकी बचे 17 मुकाबले बेंगलुरु, जयपुर, दिल्ली, लखनऊ, मुंबई और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। प्लेऑफ के स्थानों की घोषणा बाद में की जाएगी।

इन तारीखों पर होंगे प्लेऑफ मुकाबले

प्लेऑफ के चार मुकाबलों की तारीखें तय कर दी गई हैं-

क्वालिफायर 1:29 मई

एलिमिनेटर:30 मई

क्वालिफायर 2:1 जून

फाइनल: 3 जून

टूर्नामेंट के दोबारा शुरू होने के बाद कुल 17 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें दो डबल हेडर (रविवार को) होंगे। कुल मिलाकर 13 लीग मुकाबले और 4 प्लेऑफ मैच बाकी हैं।

आरसीबी और केकेआर के बीच 17 मई को होगा पहला मुकाबला

आईपीएल के फिर शुरू होने के साथ पहला मुकाबला 17 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच बेंगलुरु में खेला जाएगा। वहीं 8 मई को धर्मशाला में अधूरा छोड़ा गया पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का मुकाबला अब 24 मई को जयपुर में होगा, जो पंजाब का अस्थायी होम ग्राउंड होगा। पंजाब को 26 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ भी जयपुर में ही खेलना होगा। पहले यह मैच धर्मशाला में होना था।

रविवार के डबल हेडर्स में होंगे ये मुकाबले

18 मई (रविवार):

दोपहर 3-30 बजे: राजस्थान रॉयल्स बनाम पंजाब किंग्स

शाम 7:30 बजे: दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात टाइटंस

25 मई (रविवार):

दोपहर 3:30 बजे: गुजरात टाइटंस बनाम चेन्नई सुपर किंग्स

शाम 7:30 बज: सनराइजर्स हैदराबाद बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स

लीग चरण का अंतिम मुकाबला 27 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और आरसीबी के बीच लखनऊ में खेला जाएगा।

घरेलू मैदान से वंचित रह जाएंगी ये टीमें

शेड्यूल में बदलाव के चलते तीन टीमें–पंजाब, चेन्नई और हैदराबाद–अब अपने होम ग्राउंड पर कोई मुकाबला नहीं खेल पाएंगी। हालांकि चेन्नई और हैदराबाद पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुके हैं, लेकिन पंजाब को यह बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि वे 11 मैचों में 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे।

विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता बनी चुनौती

आईपीएल का फाइनल अब 3 जून को खेला जाएगा, जो इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच 29 मई से शुरू हो रही एकदिनी सीरीज के साथ टकराएगा। इससे वेस्टइंडीज के खिलाड़ी रोमारियो शेफर्ड (आरसीबी), शामार जोसेफ (एलएसजी) और शेरफेन रदरफोर्ड (गुजरात) आईपीएल प्लेऑफ से बाहर हो सकते हैं।

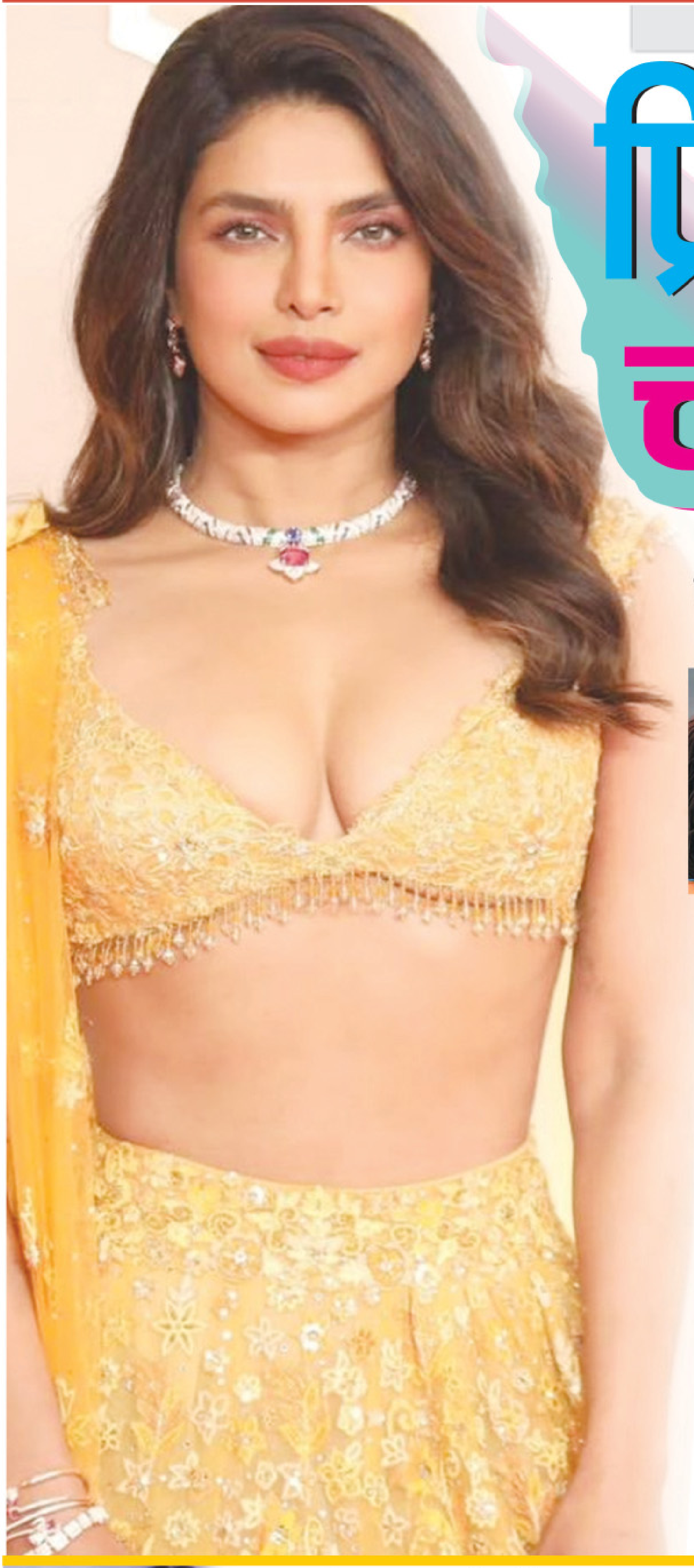

पति अक्षय के साथ

प्रियंका चोपड़ा

की करीबी से आग बबूला हो गई थीं ट्विंकल, एक्ट्रेस को सबक सिखाने सेट पर पहुंच गई थीं

बॉलीवुड के कई एक्टर्स ने शादीशुदा होते हुए भी एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स चलाए हैं. हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार अक्षय कुमार का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है. शादी से पहले अक्षय के कई अफेयर रहे हैं. हालांकि शादी के बाद भी अक्षय बहक गए थे. उनका दिल मशहूर एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा पर आ गया था.अक्षय कुमार ने प्रियंका चोपड़ा के साथ कई फिल्मों में काम किया है. दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया है. हालांकि साथ काम करने के दौरान दोनों के बीच अफेयर की शुरुआत हो गई थी. दोनों के अफेयर के किस्से सुर्खियों में थे तब ट्विंकल खन्ना को बड़ा झटका लगा था. जब अक्षय और प्रियंका किसी फिल्म की शूटिंग कर रहे थे तब प्रियंका को सबक सिखाने के लिए ट्विंकल सेट पर पहुंच गई थीं और उन्होंने अक्षय कुमार को भी जमकर खरी खोटी सुनाई थी.

सुर्खियों में रहा अक्षय-प्रियंका का अफेयर

प्रियंका ने साल 2003 में आई फिल्म 'द हीरो-लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई' से बॉलीवुड डेब्यू किया था. इसके एक महीने बाद ही उनकी फिल्म 'अंदाज' रिलीज हुई थी, जिसमें वो अक्षय कुमार के अपोजिट थीं. इस फिल्म के बाद दोनों के अफेयर को लेकर सुगबुगाहट शुरू हो गई थी. 'अंदाज' के बाद दोनों 'मुझसे शादी करोगी', 'ऐतराज' और 'वक्त: रेस अगेंस्ट टाइम' में भी साथ नजर आए थे.

प्रियंका को पीटने सेट पर आ गई थीं ट्विंकल

एक के बाद एक फिल्में करने के चलते प्रियंका और अक्षय का रिश्ता समय के साथ गहरा होते चला गया. दूसरी ओर इससे ट्विंकल की निजी जिंदगी में उथल-पुथल मचने लगी थी. पहले ट्विंकल ने अपने पति अक्षय कुमार को सख्त लहजे में समझाया. इसके बाद उन्होंने प्रियंका को कॉल करके इस मुद्दे पर बात की. एबीपी न्यूज के मुताबबिक इस दौरान दोनों का झगड़ा हो गया. वहीं अक्षय और प्रियंका जब 'वक्त' की शूटिंग कर रहे थे तब अचानक एक दिन ट्विंकल, प्रियंका को पीटने के लिए सेट पर पहुंच गई थीं. लेकिन गनीमत रही कि उस समय प्रियंका सेट पर मौजूद नहीं थीं. इसके बाद ट्विंकल ने सेट पर ही सबके सामने अक्षय को जमकर खरी खोटी सुनाई. दोनों के बीच काफी देर तक बहस हुई थी.

अक्षय ने खाई प्रियंका संग काम न करने की कसम

इस घटना के बाद अक्षय कुमार ने प्रियंका चोपड़ा के साथ काम न करने की कसम खा ली थी. इसी के साथ दोनों के रिश्ते का अंत हो गया था. 'वक्त' साल 2005 में रिलीज हुई थी और इसके जरिए अक्षय, प्रियंका ने आखिरी बार स्क्रीन शेयर किया था.

गोविंदा किसी बेवकूफ महिला के लिए...तलाक की खबरों पर पत्नी सुनीता ने खोला बड़ा राज

बीते कुछ समय से सुपरस्टार गोविंदा और सुनीता आहूजा का रिश्ता चर्चाओं में बना हुआ है. आए दिन दोनों के तलाक की खबरें तूल पकड़ती हैं. लेकिन गोविंदा की पत्नी सुनीता लगातार इस तरह की खबरों को नकारती रही हैं. वहीं अब एक बार फिर से उन्होंने इस मुद्दे पर बात की है और साफ-साफ कहा है कि गोविंदा और मैं एक दूसरे से अलग नहीं रह सकते हैं. लेकिन इसी के साथ सुनीता ने ये भी कहा कि वो बीते 12 साल से अपने बर्थडे पर अकेली ही बाहर चली जाती हैं.

तलाक की अफवाहों पर सुनीता की दो टूक

सुनीता आहूजा ने हाल ही में जूम को एक इंटरव्यू दिया. इस दौरान उन्होंने लंबे समय से चल रही तलाक की अफवाहों पर लोगों को करारा जवाब दिया. सुनीता ने कहा, जिस दिन कन्फर्म होगा, या तो मेरे या गोविंदा के मुंह से आप लोग सुनोगे, वो अलग बात है. लेकिन मुझे नहीं लगता कि गोविंदा मेरे बिना रह सकता है और न ही मैं गोविंदा के बिना रह सकती हूं और गोविंदा किसी बेवकूफ व्यक्ति या बेवकूफ महिला के लिए कभी भी अपना परिवार नहीं छोड़ सकता.

भगवान मेरा घर कभी नहीं तोड़ेगा

सुनीता ने आगे कहा, अफवाह, अफवाह, अफवाह, आप पहले पूछो तो ये बात सही है. मैं इसे कभी स्वीकार नहीं करूंगी और किसी की हिम्मत है तो मेरे सामने आकर पूछो. किसी ने अफवाह उड़ा दिया तो आप हां में हां मिला रहे हो, ये सही नहीं है. अगर होगा तो मैं मीडिया में आकर इस बारे में बोलने वाली पहली व्यक्ति होऊंगी. लेकिन मुझे विश्वास है कि भगवान मेरा घर कभी नहीं तोड़ेगा.

12 साल से इस तरह बर्थडे मना रहीं हैं सुनीता

सुनीता ने मदर्स डे (11 मई) के खास मौके पर महिला सशक्तिकरण को लेकर भी बात की और खुद से जुड़ा एक बड़ा राज भी खोल दिया. गोविंदा की पत्नी ने कहा, एक औरत को अपने लिए 4 दिन निकाल के अकेले बाहर जाना बहुत जरूरी होता है. आज 12 साल से मैं अपने जन्मदिन पर अकेली चली जाती हूं, क्योंकि मुझे अपने आपको समय देना है. मैं अकेले बैठ कर प्रकृति से बात करती हूं.

इधर 1800 करोड़ी एक्ट्रेस ने काटा जान्हवी कपूर का पत्ता! उधर फिल्म पर हो गया बड़ा फैसला

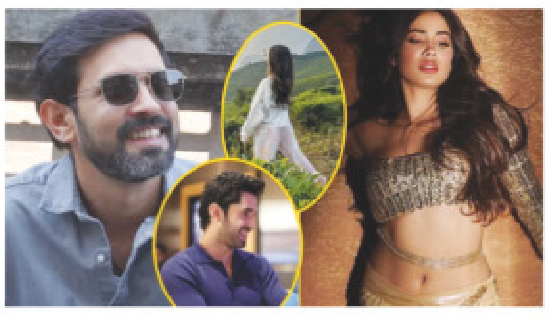

करण जौहर और कार्तिक आर्यन जल्द दो बड़े प्रोजेक्ट में साथ दिखने वाले हैं. जहां पहले 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' आएगी, तो उसके बाद 'नागजिला' को सिनेमाघरों में उतारा जाएगा. दोनों ही फिल्मों से पहले कार्तिक और करण जौहर की एक पुरानी फिल्म चर्चा में आ गई है, जिसमें वो काम करने वाले थे, पर बंद हो गई थी. 4 साल के बाद Dostana 2 पर फिर से काम किया जा रहा है. इस बार एकदम फ्रेश कास्ट के साथ शुरुआत की गई है. लेकिन मेकर्स ने इसी बीच बहुत बड़ा फैसला कर लिया है.

हाल ही में पीपिंगमून पर एक खबर छपी. इससे पता लगा कि धर्मा प्रोडक्शन वाले फिल्म को थिएटर्स नहीं, बल्कि सीधा ओटीटी पर लाने की प्लानिंग कर रहे हैं. साथ ही इस नई कास्ट में लक्ष्य और विक्रांत मैसी के साथ जान्हवी कपूर नहीं होंगी. दरअसल उनकी जगह 1800 करोड़ छापने वाली एक्ट्रेस की एंट्री होने की खबरें हैं.

जान्हवी नहीं, तो फिल्म में कौन होगी ?

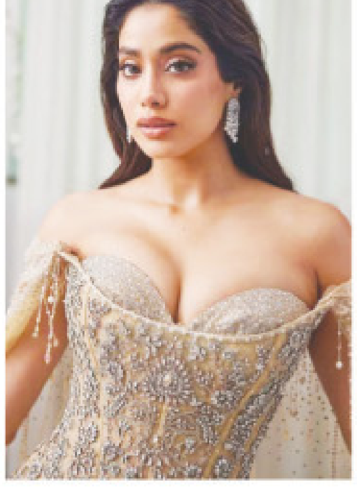

हाल ही में खबर आई कि दोस्ताना पार्ट 2 में जान्हवी कपूर की जगह श्रीलीला की एंट्री हो गई है. दरअसल वो पहले ही कार्तिक आर्यन की एक फिल्म में काम कर रही हैं. वहीं 1800 करोड़ से ज्यादा छापने वाली 'पुष्पा 2' के बाद से ही चर्चा में हैं. कई फिल्मों के लिए उनसे चर्चा चल रही है. कहा जा रहा है कि जान्हवी की जगह वो ही फिल्म में होंगी. लेकिन फिलहाल मेकर्स की तरफ से कोई भी अनाउंसमेंट नहीं की गई है.

किस OTT पर आएगी 'दोस्ताना 2'?

नई रिपोर्ट के मुताबिक, धर्मा प्रोडक्शन वाले फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर लाने की प्लानिंग कर रहे हैं. इसे डिजिटल फिल्म के तौर पर ही बनाया जा रहा है. हालांकि, विक्रांत मैसी और लक्ष्य पहले ही अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर बिजी चल रहे हैं. जहां विक्रांत का नाम- Sri Sri Ravi Shankar की बायोपिक और 'डॉन 3' से जुड़ रहा है. तो लक्ष्य के खाते में भी कुछ फिल्में हैं. वहीं बात जान्हवी कपूर की करें, तो वो करण जौहर की पुरानी कास्ट का हिस्सा थीं, लेकिन उम्मीद थी कि फिल्म के दोबारा शुरू होने के बाद भी होंगी. लेकिन नई रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि श्रीलीला ने बाजी मार ली है.

ब्रह्मोस की ताकत... सुहागरात वाले कमेंट पर भड़कीं

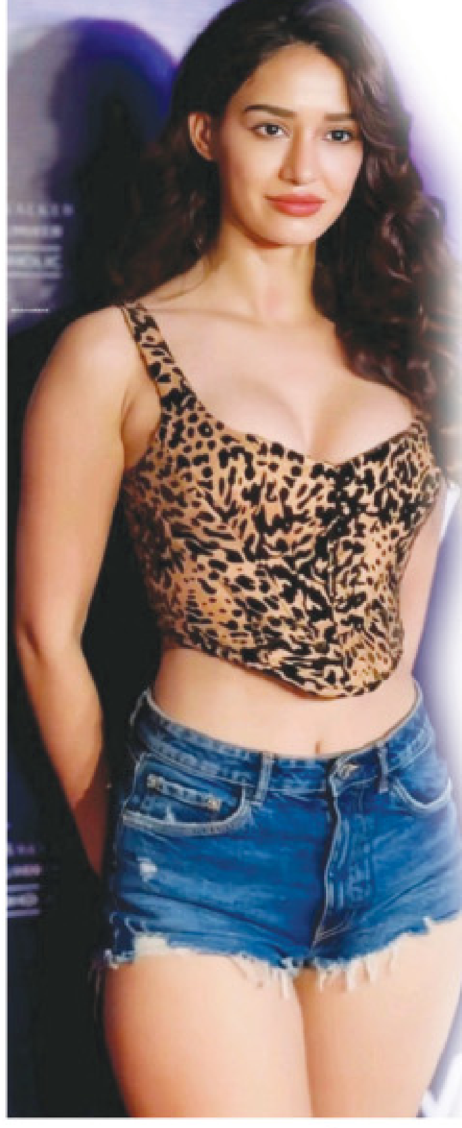

दिशा पाटनी

की बहन, पाकिस्तानियों की बोलती बंद करने वाला जवाब

भारत और पाकिस्तान के बीच कई दिनों के संघर्ष के बाद 10 मई को सीजफायर का ऐलान किया गया. पर हर बार की तरह पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा. भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' पर एक बार फिर दिशा पाटनी की रिटायर्ड मेजर बहन खुशबू पाटनी ने बात की है. सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस का स्वाद तो पाकिस्तानियों से पूछ लो. हालांकि, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तानियों के सुहागरात वाले कमेंट पर भी उन्होंने तीखा हमला बोला है.उन्होंने अपने लेटेस्ट वीडियो पर कैप्शन लिखा कि- हवा से तेज खबर लाती हूं. वो कहती दिखी कि क्या गेम खेला है? खुशबू पाटनी ने पाकिस्तान वालों को भी जवाब दिया है. साथ ही सीजफायर और ब्रह्मोस की ताकत पर भी बात की है.

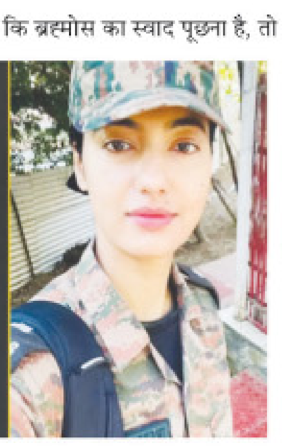

खुशबू पाटनी ने क्या जवाब दिया ?

खुशबू पाटनी ने वीडियो शेयर कर कहा कि, आप लोगों ने ब्रह्मोस के बारे में सुन ली होगी. पर क्या गेम खेला है? ऑपरेशन सिंदूर के बाद बहुत सारी पाकिस्तानी जनता बोल रही थी कि ऑपरेशन सुहागरात होगा. तो भई इंडिया ने सुहागरात मना ली है और कल सुहागरात में जो दूध और हल्दी जाता है, वो ब्रह्मोस के रूप में वहां पहुंच चुका है.वहीं उन्होंने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के स्टेटमेंट के बारे में भी बताया.

वो कहते हैं कि ब्रह्मोस का स्वाद पूछना है, तो पाकिस्तान से पूछो. वो आगे कहती हैं कि पहली बार इंडिया ने ब्रह्मोस को लॉन्च किया है. मजा आ गया. मुझे उम्मीद है कि पाकिस्तान को दूध और हल्दी अच्छी लगी हो.

आर्मी में रह चुकी हैं खुशबू पाटनी

दरअसल दिशा पाटनी की बहन खुशबू पाटनी आर्मी में रह चुकी हैं. वो मेजर थीं, जब सेना से रिटायरमेंट ले लिया था. ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहीं. इस दौरान उन्होंने लोगों को मॉक ड्रिल को लेकर भी जानकारी दी. साथ ही पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देते हुए खुशबू पाटनी ने भारत के लोगों को हर एक अपडेट भी दिया. वो इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं. उन्हें 1.6 मिलियन लोग फॉलो करते हैं. खुशबू पाटनी फिटनेस कोच के साथ ही काउंसलर भी हैं.